जबलपुर
रविवार, 3 मई 2026
ज्येष्ठ मास कृष्ण पक्ष -2
वर्ष : 21, अंक : 3
पृष्ठ : 12 मूल्य : 3.00 *

मौसम
अधि. 38
न्यून. 24

haribhoomi.com

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

"विश्व हास्य दिवस"

बरगी क्रूज हादसा

200 से ज्यादा जवानों की लगी हुई है टीम, अब तक जारी है रेस्क्यू ऑपरेशन

दो और बच्चों के शव मिले, अभी भी दो लोग लापता

क्रूज पायलट ने हादसे के लिए मांगी माफी कहा- मुझे मौसम खराब होने की पहले से नहीं थी जानकारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जबलपुर

बरगी बांध में क्रूज डूबने की घटना ने पूरे प्रदेश को रुला दिया। हादसे की भयाभयता और मां बेटे के लिपटे हुए शव लोगों की आंखों में तैर रहे हैं। तीसरे दिन भी जारी सर्च ऑपरेशन के दौरान रेस्क्यू टीम को शनिवार शाम 4 साल के विराज सोनी एवं 6 साल का तमिल का शव बरगी डैम से बरामद हुआ। दिनभर तलाश के बाद शाम को यह सफलता मिली।

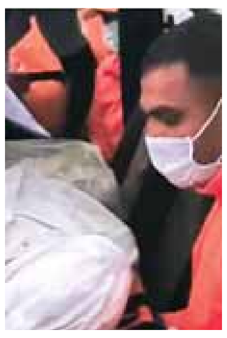

तलाशी अभियान जारी

तो, मैं क्रूज को पानी में उतारता ही नहीं

जबलपुर में पकड़े गए क्रूज पायलट महेश पटेल ने हादसे के लिए माफी मांगी है। उन्होंने कहा है कि मौसम की पहले से जानकारी नहीं थी, नहीं तो क्रूज को पानी में नहीं उतारते। एमपी टूरिज्म के अधिकारियों को पूछताछ में पटेल ने बताया है कि उसने हादसे के लिए अपनी जिम्मेदारी स्वीकारते हुए माफी मांगी है।

सेंटर फॉर न्यूरोलॉजिकल कंडीशंस में यह तकनीक

देश का पहला पोर्टेबल एमआरआई सिस्टम दिल्ली के एम्स में शुरू हुआ

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

अच्छी खबर

देश के प्रमुख चिकित्सा संस्थान अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) ने स्वास्थ्य सेवाओं में बड़ा कदम उठाते हुए भारत का पहला पोर्टेबल बेडसाइड एमआरआई सिस्टम शुरू किया है। यह अत्याधुनिक तकनीक गंभीर रूप से बीमार मरीजों के लिए तेज और सुरक्षित ब्रेन इमेजिंग को संभव बनाएगी। इस पोर्टेबल एमआरआई मशीन की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसे सीधे मरीज के बेड तक ले जाया जा सकता है। पारंपरिक एमआरआई स्कैन में मरीज को विशेष कक्ष तक ले जाना पड़ता है, जबकि नई प्रणाली आईसीयू, इमरजेंसी और न्यूरोसर्जरी वार्ड में ही स्कैनिंग की सुविधा देती है।

बेडसाइड स्कैनिंग से मरीजों को राहत

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155
airtel चैनल नं. 366

IPL आज का मुकाबला
एसआरएच केकेआर
दोपहर 3.30 बजे से
जीटी पीबीकेएस
शाम 7.30 बजे से

‘सस्टेनेबल फ्यूचर इनोवेशंस इन ग्रीन बिल्डिंग प्रैक्टिसेस’ विषय पर भोपाल में राष्ट्रीय सेमिनार

इंडियन बिल्डिंग कांग्रेस की 113 गवर्निंग काउंसिल की मीटिंग के शुभारंभ पर बोले मुख्यमंत्री डॉ. यादव

ग्लोबल वॉर्मिंग आज अलार्मिंग हो चुकी हम ग्रीन बिल्डिंग तकनीक को अपना रहे

सीएम ने कहा कि वर्तमान की बड़ी चुनौती यह है कि हम कांक्रीट के बढ़ते जंगलों और सिमटते प्राकृतिक संसाधनों के बीच खड़े हैं। ऐसे में पर्यावरण अनुकूल निर्माण को प्रोत्साहित करना आवश्यक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि विकास हमारी प्राथमिकता है, किंतु अधोसंरचना विकास में राशि का सदुपयोग हो, इन बिन्दुओं के साथ ही हम ग्रीन बिल्डिंग तकनीक पर आगे बढ़ रहे हैं। प्रदेश में पर्यावरण अनुकूल निर्माण पर जोर दिया जा रहा है। ग्लोबल वॉर्मिंग आज अलार्मिंग हो चुकी है, यह मुख्य चुनौती बनकर सामने आई है। उन्होंने कहा कि वर्तमान की बड़ी चुनौती यह है कि हम कंक्रीट के बढ़ते जंगलों और सिमटते प्राकृतिक संसाधनों के बीच खड़े हैं।

लोक निर्माण विभाग व इंडियन बिल्डिंग कांग्रेस का ये आयोजन

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सेमिनार का शुभारंभ किया

पीडब्ल्यूडी-आईआईटी इंदौर के बीच निर्माण तकनीक के विकास पर एमओयू

लोक निर्माण विभाग ने गृहा संस्था के साथ भी साइन किया एमओयू

जीपीएस का भौगोलिक केंद्र उज्जैन के पास डोंगला में

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान दौर में जीपीएस एक नई तकनीक है, लेकिन पृथ्वी का भौगोलिक केंद्र उज्जैन के पास डोंगला में है। यह प्राचीन काल से समय गणना का मुख्य केंद्र माना जाता है। तत्कालीन गणना की सटीकता इससे सिद्ध होती है कि वर्तमान में भी निश्चित तिथियों पर मौसम में बदलाव का अनुभव किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि तुंगभद्रा नदी के किनारे श्रृंगेरी में भी स्थापत्य कला का अद्भुद उदाहरण देखने को मिलते हैं। आज आवश्यकता है कि हम प्रकृति से सीखें और उसके साथ आगे बढ़ें।

सस्टेनेबल फ्यूचर केवल विचार नहीं, बल्कि एक जिम्मेदारीः मंत्री सिंह

पीडब्ल्यूडी मंत्री राकेश सिंह ने कहा कि लोक निर्माण विभाग प्रदेश के बेहतर भविष्य के लिए नवाचारों के साथ अधोसंरचना विकास को गति प्रदान कर रहा है। प्रदेश में टिकाऊ निर्माण के लिए भारतीय प्राचीन निर्माण तकनीक पर हम आगे बढ़ रहे हैं। प्रधानमंत्री ने वैदिक घड़ी को सराहा है। इस घड़ी के निर्माण का श्रेय मुख्यमंत्री डॉ. यादव को जाता है। प्रदेश में बनने वाले सभी भवन अब ग्रीन बिल्डिंग तकनीक पर बनाए जा रहे हैं। लोक निर्माण विभाग ने अपने प्रशिक्षण कैलेंडर में ग्रीन बिल्डिंग तकनीक को शामिल किया है।

एक दर्जन निगम-मंडलों में नियुक्तियां

गोटिया को तीर्थ मेला प्राधिकरण, संदीप जबलपुर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष

प्रवीण को युवा व राघवेंद्र को योग आयोग, रमेश शर्मा को कर्मचारी कल्याण समिति की जवाबदारी

विशेष प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

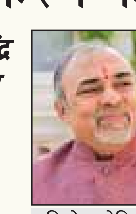

विनोट गोटिया

संदीप जैन

प्रदेश सरकार द्वारा निगम-मंडलों में एक दर्जन से ज्याा और नियुक्तियां की गई हैं। इसमें कई बड़े चेहरों को मौका दिया गया है। इस कदम को सरकार और पार्टी संगठन के बीच तालमेल बिठाने की एक कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है। पूर्व राज्यसभा सदस्य विनोट गोटिया को तीर्थ स्थान एवं मेला प्राधिकरण और संदीप जैन को जबलपुर विकास प्राधिकरण का अध्यक्ष, प्रशांत केसरवानी को उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। प्रदेश भाजपा कार्यालय में प्रदेश सचिव रहे राघवेंद्र शर्मा को योग आयोग और सत्येंद्र भूषण सिंह को लघु उद्योग निगम की जवाबदारी सौंपी गई है। रमेश शर्मा राज्य कर्मचारी कल्याण समिति के अध्यक्ष बनाए गए हैं।

खबर संक्षेप

बंगाल विस चुनाव के नतीजे कल

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के लिए राज्य में दो चरणों में मतदान हो चुका है। दोनों चरणों में रिकॉर्डतोड़ मतदान के बाद अब सबकी निगाहें चार मई की ओर लगी हैं। शांतिपूर्ण मतगणना के लिए चुनाव आयोग ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हैं। इसके अलावा, चुनाव आयोग ने की अतिरिक्त पर्यवेक्षकों की तैनाती भी की है। चुनाव आयोग के नियमों के अनुसार मतगणना केंद्र के अंदर मोबाइल ले जाना और उपयोग करना पूरी तरह से प्रतिबंधित है। यह प्रतिबंध पारदर्शिता सुनिश्चित करने और मतगणना प्रक्रिया में व्यवधान को रोकने के लिए लगाया जाता है। चार मई को साफ हो जाएगा कि ममता दीदी लगातार चौथी बार राज्य की सत्ता बरकरार रख पाती हैं।

विश्वकप के लिए भारतीय टीम घोषित

मुंबई। टी20 विश्व कप के लिए शनिवार को भारतीय महिला टीम घोषित हो गई। मुंबई स्थित भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के मुख्यालय में चयन समिति की बैठक के बाद टीम का एलान कर दिया गया। भारतीय टीम इस वैश्विक टूर्नामेंट में हरमनप्रीत कौर की अगुआई में खेलने उतरेगी। भारत ने पिछले साल वनडे विश्व कप का खिताब अपने नाम किया था। और अब टीम की नजरें अपने पहले टी20 विश्व कप खिताब पर होंगी। महिला टी20 विश्व कप 12 जून से पांच जुलाई तक इंग्लैंड और वेल्स में खेला जाएगा।

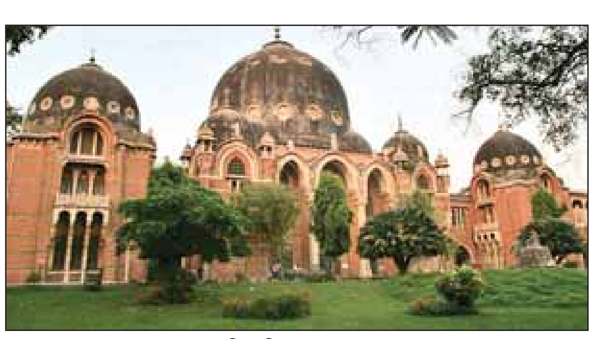

विश्वविद्यालय भवन

वडोदरा की एमएसयू यूनिवर्सिटी ने शुरू किया नया कोर्स

अब मोदी तत्व और ‘संघ’ का इतिहास भी पढ़ेंगे छात्र

समाजशास्त्र विभाग के प्रमुख डॉ. वीरेंद्र सिंह ने कहा कि मोदी एक ऐसे तत्व हैं जो लंबे समय तक बने रहेंगे

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

गुजरात के वडोदरा स्थित प्रसिद्ध महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय ने अपने शैक्षणिक पाठ्यक्रम में एक बड़ा बदलाव किया है। विश्वविद्यालय ने अपने समाजशास्त्र के सिलेबस में मोदी तत्व नाम का एक नया मॉड्यूल शामिल किया है। इस कोर्स के जरिए छात्र प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के करिश्माई नेतृत्व और समाज पर इसके प्रभावों का वैज्ञानिक अध्ययन करेंगे। इसके साथ ही पाठ्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के इतिहास और सामाजिक योगदान को भी जगह दी गई है। समाजशास्त्र विभाग के प्रमुख डॉ. वीरेंद्र सिंह ने बताया कि यह नया विषय एमए समाजशास्त्र के दो साल के कार्यक्रम में देशभक्ति का समाजशास्त्र शीर्षक के तहत पेश किया गया है।

दहेज के दानव की ऐसी हैवानियत

बाइक और स्मार्टफोन मांग रहे दामाद ने सास को बैट से मारा

बीच-बचाव करने आई प्रेग्नेंट पत्नी को धक्का देकर गिराया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पन्ना

बृजपुर थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत अहिरगवां के ऊड़की गांव में एक युवक ने अपनी सास की हत्या कर दी। आरोपी ने लकड़ी के बैट से सास को मरते दम तक पीटा। घटना शुक्रवार देर रात 9.30 से 10 बजे के बीच की थी। मृतका की पहचान रीता राय (50) के रूप में हुई। मृतका की सबसे छोटी बेटी खुशी राय की शादी पिछले साल 23 मई को सतना जिले के ग्राम गौड़ा (पंचायत उसरर) निवासी संदीप विश्वास (28) से हुई थी।

दूसरी शादी से खफा पत्नी ने दिया खौफनाक वारदात को अंजाम

पाकिस्तानी महिला से निकाह किया तो बीवी ने 4 बच्चों को ईंट से कूचलकर मारा

सऊदी अरब में शौहर ने किया था निकाह

एजेंसी ▶▶ आंबेडकरनगर

अकबरपुर के मीरानपुर मोहल्ले में शनिवार की दोपहर तीन बजे एक घर में बिस्तर पर चार बच्चों के खून से लथपथ शव मिले। घर का दरवाजा अंदर से बंद था और बच्चों की मां घर से गायब थी। बताया जा रहा है कि महरुआ निवासी नियाज की पत्नी अपने पुत्र शफीक, सउद, उमर व पुत्री बयान के साथ मीरानपुर में रहती थी।

नक्सल मुक्त होने के बाद की पहली घटना

कांकेर में आईईडी ब्लास्ट में 4 जवान शहीद, डिटेक्शन के दौरान हुआ हादसा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कांकेर

छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में शनिवार को सर्च ऑपरेशन के दौरान बड़ा हादसा हो गया। डीमाइनिंग अभियान के दौरान आईईडी ब्लास्ट में डीआरजी (डिस्ट्रिक रिजर्व गार्ड) के 4 जवान शहीद हो गए। यह घटना कांकेर-नारायणपुर सीमा पर थाना छोटे बेठिया क्षेत्र में हुई, जहां सुरक्षा बल नक्सल विरोधी अभियान के तहत सर्चिंग कर रहे थे।

पुणे में 4 साल की बच्ची से रेप और हत्या

65 साल का आरोपी गिरफ्तार सुनवाई फास्ट ट्रैक कोर्ट में होगी

65 साल का आरोपी पुलिस ने गिरफ्तार किया

एजेंसीः पुणे। महाराष्ट्र के पुणे में शुक्रवार को एक व्यक्ति ने 4 साल की बच्ची से रेप के बाद पत्थर से कुचलकर उसकी हत्या कर दी। पुलिस ने 65 साल के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस रिपोर्ट के मुताबिक, बच्ची पुणे के भोर तहसील में रहने वाली अपनी नानी के यहां गर्मी की छुट्टियां बिताने आई थी।

देशभर में मोबाइल पर अलर्ट मैसेज

सरकार ने की इमरजेंसी अलर्ट सिस्टम की टेस्टिंग

मैसेज राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने भेजा था

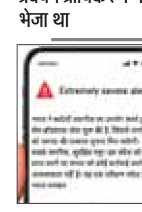

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

देशभर में शनिवार सुबह 11:45 बजे कई मोबाइल फोन पर एकसाथ सायरन की आवाज सुनाई देने लगी। स्क्रीन पर हिंदी-अंग्रेजी में एक मैसेज था। सायरन बंद हुआ तो मोबाइल पर मैसेज पढ़कर भी सुनाया गया।

सुबह 11 से दोपहर 1:30 बजे तक परीक्षा केंद्र पहुंचना होगा

कड़ी जांच के बाद ही मिलेगी एंट्री

राजधानी के 33 परीक्षा केंद्रों पर आज नीट परीक्षा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी द्वारा 3 मई को नीट (यूजी) 2026 परीक्षा आयोजित की जा रही है। भोपाल शहर में 33 केंद्रों पर यह परीक्षा आयोजित होगी।

परीक्षा समय दोपहर 2 से 5 बजे रहेगा। हालांकि, प्रतिभागियों को सुबह 11 से दोपहर 1:30 बजे तक केंद्र पर पहुंचना होगा। कड़ी जांच के बाद केंद्र में प्रवेश दिया जाएगा।

फाइल फोटो

प्रतिभागियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि दोपहर 1:30 बजे के बाद किसी भी प्रतिभागी को किसी भी स्थिति में केंद्र पर प्रवेश नहीं दिया जाएगा। प्रतिभागियों को सलाह दी गई है कि परीक्षा केंद्र पर किसी भी प्रकार की अवांछित सामग्री अपने साथ न लेकर जाएं। हल्के कपड़े तथा हल्के जूते (सैंडिल) पहनें। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी द्वारा सभी परीक्षार्थियों को लिखने के लिए काला बॉल पेन केंद्र पर ही उपलब्ध कराया जाएगा। इसके अलावा किसी भी प्रकार की लेखन सामग्री वर्जित रहेगी। सभी प्रतिभागियों के प्रवेश-पत्र केंद्र पर ही जमा कराए जाएंगे, इसलिए परीक्षार्थी अपने प्रवेश-पत्र की अतिरिक्त प्रति सहेज कर रखें।

रायसेन में 43.2 और नरसिंहपुर में 42.2 डिग्री सेल्सियस से अधिक तापमान

दर्जन भर जिलों में तेज आंधी व बारिश, रायसेन में वेयरहाउस की छत उड़ी, 2 किमी तक खड़ी ट्रैक्टर-ट्रॉलियों में रखी फसल भीगी

रातीबड़ में बरगद का पेड़ मकान पर गिरा

भोपाल के रातीबड़ इलाके के बेरखेड़ी में तेज आंधी के दौरान बरगद का पेड़ मकान पर गिर गया। हादसे में घर को नुकसान पहुंचा है। यह गनीमत रही कि घटना के समय घर में कोई मौजूद नहीं था। निगम के अमले ने मौके पर पहुंचकर पेड़ को हटाया।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

प्रदेश में गर्मी की तपिश के साथ आंधी-बारिश भी जारी है। शनिवार को दोपहर बाद से भोपाल, रायसेन, सीहोर, गुना, बालाघाट, नर्मदापुरम, बैतूल समेत एक दर्जन जिलों में आंधी बारिश का दौर जारी है। रायसेन के कई गांवों में तेज आंधी चली, जिससे छुछार गांव में हरशिव वेयरहाउस की टीन की छत उड़ गई, जिससे इसमें रखी पांच हजार मीट्रिक टन सरकारी मूंग में पानी पड़ गया।

गंजबासौदा में खरीदी केंद्र पर ट्रॉलियों में रखा गेंहू भीग गया

भोपाल में धूप के बाद आंधी के साथ बारिश

भोपाल में दिनभर धूप के बाद तेज आंधी चली और कई इलाकों में बारिश हुई। अचानक बदले इस मौसम से जहां लोगों को गर्मी से राहत मिली, वहीं तेज हवाओं के कारण कुछ स्थानों पर अव्यवस्था भी देखने को मिली। तेज हवाओं की वजह से धूल उड़ी, जिससे वाहन चालकों को दिक्कत हुई।

टीएमसी को लगा सुप्रीम कोर्ट से झटका, याचिका कर दी खारिज

चुनाव आयोग को नियुक्ति के पूरे अधिकार, चाहे अधिकारी केंद्र के हों या राज्य सरकार के फर्क नहीं पड़ता, नए आदेश की जरूरत नहीं

वोटों की गिनती के लिए स्टाफ को तैनात करने के खिलाफ सुनवाई

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव की मतगणना से पहले टीएमसी को सुप्रीम कोर्ट से एक बड़ा झटका लगा है। चुनाव आयोग द्वारा वोटों की गिनती के लिए मुख्य रूप से केंद्र और पीएसयू के कर्मचारियों को तैनात करने के निर्देश के खिलाफ तृणमूल कांग्रेस ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। इस अहम मुद्दे को सुलझाने सुप्रीम कोर्ट ने शनिवार को टीएमसी की याचिका पर सुनवाई की। विवाद पर सुप्रीम कोर्ट ने कोई भी नया आदेश पारित करने से साफ इनकार कर दिया है। चुनाव आयोग ने अदालत को आश्वासन दिया है कि वह अपने 13 अप्रैल के परिपत्र (सर्कुलर) का पूरी तरह से पालन करेगा।

सर्कुलर का दिया गया हवाला

टीएमसी के अनुसार इस सर्कुलर में मतगणना प्रक्रिया में केंद्र सरकार के कर्मचारियों के साथ-साथ राज्य सरकार के कर्मचारियों की तैनाती का भी प्रावधान है। चुनाव आयोग के वकील के इस बयान के बाद सुप्रीम कोर्ट ने केवल यह दोहराया कि चुनौती दिए गए सर्कुलर को लागू किया जाएगा।

कर्मचारियों की नियुक्ति का मामला

यह पूरा मामला वोटों की गिनती करने वाले कर्मचारियों की नियुक्ति से जुड़ा हुआ है। ईसी ने निर्देश दिया था कि बंगाल में वोटों की गिनती के लिए केंद्रीय कर्मचारियों को मतगणना पर्यवेक्षकबनाया जाएगा। टीएमसी इसी का विरोध कर रही है। उसका मानना है इसमें राज्य कर्मचारियों को भी बराबर शामिल किया जाए।

अधिकारी कहां का इससे फर्क नहीं पड़ता

जस्टिस बागची ने यह भी कहा कि मतगणना में हर राजनीतिक दल के एजेंट मौजूद रहेंगे। इससे कोई खास फर्क नहीं पड़ता कि पर्यवेक्षक केंद्र सरकार का नामित अधिकारी है या नहीं। अधिकारियों की तैनाती पूरी तरह से चुनाव आयोग की अपनी संतुष्टि पर निर्भर करती है।

नियमों में विकल्प मौजूद

जस्टिस जॉयमाल्या बागची ने कहा कि नियमों में यह विकल्प पूरी तरह से खुला है कि काउंटिंग सुपरवाइजर और काउंटिंग असिस्टेंट केंद्र सरकार के भी हो सकते हैं और राज्य सरकार के भी।

सिब्बल ने नियुक्ति की स्पष्टता पर उठाए सवाल

टीएमसी की तरफ से पेश हुए वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने चुनाव आयोग के सर्कुलर (परिपत्र) पर

सवाल उठाए।सिब्बल ने कोर्ट में दलील दी कि चुनाव आयोग के सर्कुलर में खुद ऐसा स्पष्ट तौर पर नहीं कहा गया है कि केवल केंद्रीय कर्मचारी ही होंगे। टीएमसी का तर्क है कि चुनाव आयोग का यह कदम जानबूझकर राज्य सरकार के कर्मचारियों को गिनती से दूर रखने के लिए उठाया गया है।

फैसले पर बोली भाजपा

चुनाव प्रक्रिया पर शक करने वालों को मिला जवाब

बंगाल में मतगणना के लिए केंद्रीय कर्मियों की तैनाती के चुनाव आयोग के आदेश में दखल से

सुप्रीम कोर्ट के इनकार ने चुनाव प्रक्रिया पर शक पैदा करने की कोशिशों के खिलाफ एक 'स्पष्ट संदेश' दिया है। भाजपा के नेता अमित मालवीय ने यह बात कही। शीर्ष कोर्ट ने कहा टीएमसी की उस याचिका पर किसी और आदेश की जरूरत नहीं है, जिसमें उसने कलकत्ता हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती दी थी। हाईकोर्ट ने केंद्रीय कर्मियों की तैनाती संबंधी आदेश को सही माना था।

खबर संक्षेप

सफदरगंज इलाके में घर में मिला जज का शव

नई दिल्ली। दिल्ली में एक जज ने फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। यह घटना दिल्ली के सफदरजंग

इलाके में हुई। खुदकुशी करने वाले जज अमन कुमार शर्मा कड़कड़डूमा कोर्ट में कार्यरत थे। उनका आवास ग्रीन पार्क में था। पुलिस ने बताया कि सफदरजंग इलाके में दिल्ली न्यायिक सेवा के एक अधिकारी ने थित तौर पर आत्महत्या कर ली।

हैदराबाद में भुजंगासन में बना विश्व रिकॉर्ड

हैदराबाद। यहां योग महोत्सव में हजारों लोगों ने भाग लेकर अंतराष्ट्रीय योग दिवस 2026 की

तैयारियों को नई ऊर्जा दी। मुख्य आयोजन से 50 दिन पहले हुए कार्यक्रम में 20 से अधिक देशों की भागीदारी रही। कान्हा शांति वनम में 6,000 से अधिक प्रतिभागियों ने एक साथ भुजंगासन का अभ्यास किया। यह उपलब्धि एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज की गई।

अजमेर दरगाह में 'शिव मंदिर', फैसला सुरक्षित

अजमेर। दरगाह में शिव मंदिर होने के दावे पर जिला कोर्ट में लंबी सुनवाई हुई। दावे को लेकर

याचिका पर शनिवार को जिला न्यायालय में सुनवाई हुई। इस दौरान सभी पक्षों ने अपने-अपने दावे के समर्थन में कानूनी तर्क और दस्तावेज पेश किए। हिंदू सेना और महाराणा प्रताप सेना द्वारा याचिका दायर की गई हैं। कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा है।

कर्नाटक में ईएसआईसी अस्पताल का उद्घाटन

नई दिल्ली। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार तथा युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री मनसुख मांडविया

रविवार को कर्नाटक के डोड्डाबल्लापुर में 100 बिस्तरों वाले ईएसआईसी अस्पताल का उद्घाटन करेंगे। वे वर्चुअल माध्यम से बेल्लारी में एक और 100 बेड के ईएसआईसी अस्पताल की आधारशिला भी रखेंगे। श्रमिकों और परिवारों को सुविधाएं मिलेंगी।

दिल्ली से बेंगलुरु जा रही इंडिगो फ्लाइट की वापसी

नई दिल्ली। शनिवार सुबह दिल्ली से बेंगलुरु जाने वाली इंडिगो की उड़ान 6ई2314 को उड़ान भरने के

कुछ ही देर बाद ही वापस पार्किंग बे में लौटना पड़ा। एक यात्री के उड़ान भरने से पहले घबरा जाने के कारण पायलट को सावधानीवश विमान को वापस पार्किंग बे में आना पड़ा। यात्री ने अचानक उड़ान के दौरान घबराहट महसूस की, जिसके बाद उड़ान रद कर दी गई।

बंगाल में मतगणना से पहले फाल्टा में बवाल, मतदाता हो गए परेशान

वोटर्स ने कहा- टीएमसी नेता धमका रहे कि तुम्हारे घरों को जला देंगे, तुमको मारेंगे भी

एजेंसी ▶▶ कोलकाता

शाम 5 बजे तक लगभग 86.90 फीसदी मतदान हुआ। मगराहाट पश्चिम में 86.11फीसदी और डायमंड हार्बर में 87.60 फीसदी वोटिंग हुई।

बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले के फालता में शनिवार को तब तनाव फैल गया, जब लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने आरोप लगाया किविधानसभा चुनाव की मतगणना से पहले टीएमसी के कार्यकर्ता उन्हें डराने-धमकाने की कोशिश कर रहे हैं।प्रदर्शनकारियों ने फालता में पुनर्मतदान की मांग की। उन्होंने कहा कि टीएमसी समर्थक उन्हें धमका रहे हैं। उन्होंने पूरे क्षेत्र में सीएपीएफ की तैनाती की भी मांग की। स्थिति को देखते हुए प्रशासन ने इलाके में भारी सुरक्षा बल तैनात किए हैं।

सीआरपीएफ और आरएएफ के जवान महत्वपूर्ण स्थानों पर तैनात किए गए हैं। सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के लिए सीआरपीएफ का एक बख्तरबंद वाहन भी लगाया गया है।विरोध कर रहे स्थानीय लोगों में कई महिलाएं भी शामिल थीं। उन्होंने अपनी सुरक्षा को लेकर चिंता जताई और कथित रूप से धमकी देने वालों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। एक महिला ने कहा कि टीएमसी के एक नेता ने धमकी दी है कि अगर उनके समर्थक नहीं जीते तो घर जला देंगे और हिंसा की जाएगी।

पुनर्मतदान के बीच भारी सुरक्षा बल तैनात

पुलिस को चलानी पड़ी लाठियां

दक्षिण 24 परगना जिले के 15 केंद्रों पर री-पोल

भिड़ गए भाजपा-टीएमसी कार्यकर्ता

बंगाल में फाल्टा में हिंसा की खबरें हैं। यहां टीएमसी और भाजपा के कार्यकर्ता आपस में भिड़ गए।इसके बाद लोगों को तितर-बितर करने के लिए पुलिस को लाठियां भांजनी पड़ी। फाल्टा सीट पर दोबारा वोटिंग नहीं करवाई जा रही है। फाल्टा में भाजपा समर्थकों का कहना है कि उन्हें टीएमसी के लोगों से लगातार धमकियां मिल रही हैं और वोटों की गिनती के दौरान हिंसा की आशंका है। इसी को लेकर वे प्रदर्शन कर रहे थे। टीएमसी के कार्यकर्ता भी निकल गए और इस प्रदर्शन का विरोध करने लगे। इस पर दोनों में हाथापाई हो गई।

स्ट्रांग रूम विवाद पर 6 अधिकारी निलंबित

ईवीएम स्ट्रांग रूम को लेकर भी विवाद सामने आया है। टीएमसी ने खिदिरपुर अनुशीलन केंद्र में तैनात निर्वाचन अधिकारी के खिलाफ शिकायत दर्ज की है, जिसमें डाक मतपत्रों के लिफाफों की अनधिकृत छंटाई का आरोप लगाया गया है। भाजपा ने भी आरोप लगाया है कि एक स्ट्रांग रूम बिना अनुमति के खोला गया, जिसके बाद जांच शुरू हुई और कम से कम 6 अधिकारियों को निलंबित करने की खबर है। प्रशासन की कड़ी नजर है।

प्रदर्शन में महिलाएं भी बड़ी संख्या में शामिल रहीं

रिपोर्ट के मुताबिक पहले से ही स्थिति को तनावपूर्ण देखते हुए इस इलाके में सीआरपीएफ और आरएएफ की तैनाती की गई थी। इस प्रदर्शन में महिलाएं भी बड़ी संख्या में शामिल थीं। एक महिला ने कहा कि टीएमसी के इसराफिल चौधरी ने धमकी दी कि अगर भाजपा जीती तो उनके घर जला देंगे और खूनी खेल होगा। उन्होंने टीएमसी को वोट दिया है और इसके बाद भी उन्हें धमकाया जा रहा है। एक अन्य महिला ने आरोप लगाया कि उन्होंने पहले भी टीएमसी को वोट दिया था। फिर भी उन्हें निशाना बनाया जा रहा है। टीएमसी नेता बाइक पर कई लोगों के साथ गांव में आया और धमकियां दीं।

शाहनवाज-नकवी ने साधा निशाना

हार तय देख बहाने बना रही टीएमसी

नई दिल्ली। दिल्ली में भाजपा प्रवक्ता शाहनवाज हुसैन ने कहा कि टीएमसी चुनाव पहले ही हार चुकी है। उन्होंने आरोप लगाया कि पार्टी अब ड्रामा कर रही है। कभी स्ट्रॉन्ग रूम में घुसने की कोशिश करती है, तो कभी अदालत का रुख करती है। मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा कि बंगाल चुनाव में एक पैटर्न दिख रहा है। हारने पर शिकायत और जीतने पर मुद्दों को भुला देना।

एक भी वोट के हेरफेर की गुंजाइश नहीं

ईसी ने तैनात किए 242 नए ऑब्जर्वर

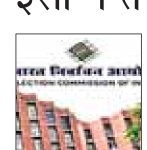

बंगाल में वोटों की गिनती 4 मई को होनी है और किसी भी गड़बड़ी को रोकने के लिए ईसी ने पूरी तैयारी कर ली है। 242 नए ऑब्जर्वर तैनात किए गए हैं। इनमें 165 मतगणना पर्यवेक्षक और 77 पुलिस पर्यवेक्षक शामिल हैं। आयोग ने अतिरिक्त मतगणना पर्यवेक्षकों और पुलिस पर्यवेक्षकों को यह सुनिश्चित करने तैनात किया है कि मतगणना सुरक्षित, शांतिपूर्ण, भयमुक्त और पारदर्शी माहौल में हो।

वाइब्रेंट गुजरात समिट में बोले नड्डा 'व्यवधान' को अवसरों में बदलें आत्मनिर्भर विनिर्माण केंद्र बनाएं

समापन समारोह को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने किया संबोधित

एजेंसी ▶▶ सूरत

केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने शनिवार को सूरत में आयोजित दो-दिवसीय 'वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्क्लेव' (दक्षिण गुजरात) के समापन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान वैश्विक संकट और अनिश्चितताओं के बीच भारत को अपनी घरेलू क्षमता बढ़ाने और रणनीतिक निर्भरता कम करने की आवश्यकता है। नड्डा ने वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्क्लेव' के समापन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि 2047 तक 'विकसित भारत' का लक्ष्य हासिल करने के लिए विनिर्माण क्षमता, आत्मनिर्भरता और सप्लाई चेन को मजबूत करना बेहद अहम है। नड्डा ने जोर दिया मजबूत अर्थव्यवस्था का अर्थ केवल विकास नहीं है, बल्कि इसमें लचीलापन और रणनीतिक स्वायत्तता भी आवश्यक है।

देश के भीतर अधिक निर्माण होना जरूरी

नड्डा ने कहा कि हालिया वैश्विक अनिश्चितता इस बात का संकेत है कि हर संकट को अवसर में बदलना चाहिए और क्षेत्रीय सम्मेलनों के जरिए अपने मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर पर अधिकतम ध्यान देना चाहिए। देश के भीतर अधिक निर्माण और नवाचार करने तथा महत्वपूर्ण कमजोरियों को दूर करने की सख्त जरूरत है। 'विकसित भारत' के मार्ग पर आगे बढ़ने के लिए निरंतर उच्च विकास दर, क्षमता का विस्तार, निर्यात में वृद्धि,सप्लाई चेन में मजबूत एकीकरण अनिवार्य है। उन्होंने सप्लाई चेन में आने वाली बाधाओं, तकनीकी नियंत्रणों और संसाधनों की रुकावटों जैसे गंभीर मुद्दों को प्राथमिकता के आधार पर सुलझाने का भी आह्वान किया।

3.53 लाख करोड़ के 2,792 एमओयू साइन

गुजरात सरकार ने राज्य में निवेश और रोजगार सृजन की दिशा में एक बड़ी सफलता हासिल की है। 'वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्क्लेव' (दक्षिण गुजरात) के दौरान 3,53,306 करोड़ रुपए के 2,792 समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए हैं। इन विशाल निवेश परियोजनाओं के लागू होने से आने वाले वर्षों में क्षेत्र के 2.82 लाख युवाओं के लिए सीधे रोजगार के अवसर पैदा होने की उम्मीद है। राज्य के उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी ने सम्मेलन के समापन समारोह में यह अहम जानकारी साझा करते हुए इसे एक बड़ा मील का पत्थर करार दिया।

धर्मांतरण के विरोध पर टूट पड़ी भीड़

घेरकर लाठी और धारदार हथियारों से किए वार,4 घायल, 115 पर केस

एजेंसी ▶▶ बांसवाड़ा

जिले के कुशलगढ़ थाना क्षेत्र के कलिंजरा गांव में कथित रूप से धर्मांतरण की सूचना पर पहुंचे युवकों पर भीड़ ने हमला कर दिया। इसमें 4युवक घायल हो गए, जिनमें से एक की हालत अधिक गंभीर होने पर गुजरात के दाहोद रेफर किया गया है। पुलिस ने मामले में 4 आरोपियों को हिरासत में लिया है। वहीं, 15 नामजद और करीब 100 अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुल्स जांच - पड़ताल में जुट गई है।

पुलिस तक पहुंचा मामला

कुशलगढ़ निवासी रवि भाभोर ने जोसफ उर्फ जयसिंह सहित अन्य के खिलाफ थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। उन्हें सूचना मिली थी कि गांव के पास स्थित डैम क्षेत्र में प्रतिबंधित मवेशी (गाय) को नुकसान पहुंचाने के साथ ही धर्मांतरण जैसी गतिविधियां करवाई जा रही हैं।

हाईकोर्ट ने बैंक को दिया आदेश

कांस्टेबल की विधवा को 25 लाख रुपए का भुगतान करें

एजेंसी ▶▶ देहरादून

उत्तराखंड हाई कोर्ट ने उत्तराखंड ग्रामीण बैंक की याचिका खारिज कर दी है। इसी के साथ हाई कोर्ट ने सिंगल जज के उस आदेश को बरकरार रखा है जिसमें बैंक को एक पुलिस कांस्टेबल की विधवा को बीमा लाभ के रूप में 25 लाख रुपए का भुगतान करने का निर्देश दिया गया था। चीफ जस्टिस मनोज कुमार गुप्ता और जस्टिस सुभाष उपाध्याय की बेंच सिंगल जज के फैसले को चुनौती देने वाली बैंक की याचिका पर यह कहा।

वेतन जमा करने में कोई भूल नहीं थी

उच्च न्यायालय के आदेश में यह भी कहा गया कि वेतन जमा करने में

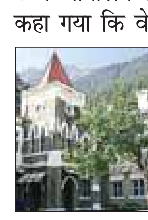

कोई भूल नहीं हुई थी। हालांकि, दावे को अस्वीकार करने का एकमात्र आधार यह है कि प्रतिवादी के पति का नाम पुलिस विभाग द्वारा भेजी गई कर्मचारियों की सूची में शामिल नहीं था। इसी पर सबकी निगाहें टिकी थीं।

भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेष

लेह। लद्दाख के लेह में 'तथागत के पवित्र अवशेषों की पवित्र प्रदर्शनी' के दौरान भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेषों को प्रदर्शित किया गया। पीएम मोदी ने इसे अनूठा अवसर बताया है।

मौसम विभाग ने नागरिकों के लिए चेतावनी जारी की

झारखंड, बिहार,ओडिशा में आंधी-बिजली के साथ होगी बारिश

7 दिन तक कई राज्यों में बहुत भारी बारिश का दिया अलर्ट

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

उत्तर प्रदेश समेत कई राज्यों में चल रही बारिश रुक गई है। हालांकि, फिर से बारिश का दौर शुरू होने वाला है। 7 दिन के दौरान झारखंड, बिहार, ओडिशा राज्यों में गरज, बिजली और 60 की स्पीड से तेज आंधी के साथ बारिश होने वाली है। मौसम विभाग ने बताया है कि इस हफ्ते के दौरान उप हिमालीय पश्चिम बंगाल, सिक्किम, उत्तरपूर्वी भारत में गरज, बिजली और तेज हवाओं के साथ व्यापक बारिश होगी।। कई राज्यों में बहुत भारी बरसात हो सकती है। छिटपुट गरज, बिजली और तेज हवाओं और ओले गिरने की चेतावनी है।

हिमाचल में 5 दिन बरसेंगे बादल, ओलावृष्टि होगी

हिमाचल प्रदेश में मौसम के बिगड़ने के आसार हैं। राज्य के कई भागों में लगातार 5 दिन बारिश होने का पूर्वानुमान है। चोटियों पर बर्फबारी की संभावना है। कई जिलों में 4 मई को ओलावृष्टि का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। शिमला व आसपास भागों में धूप खिलने के साथ हल्के बादल छाए हुए हैं।कुछ स्थानों पर हल्की बारिश हो सकती है।

हरियाणा, चंडीगढ़ और राजस्थान भी भीगेंगे

पंजाब में 3-6 मई के दौरान हरियाणा, चंडीगढ़ में 2-6 मई के दौरान छिटपुट से लेकर व्यापक स्तर पर हल्की से मध्यम बारिश होगी। गरज, बिजली और तेज हवाएं जिनकी स्पीड 50 किलोमीटर प्रति घंटे होगी के चलने की संभावना है। राजस्थान में 2-8 मई के दौरान बारिश संभावित है।

8 मई तक तेज हवाएं चलने की भी संभावना

पूर्वोत्तर राज्यों में 5 दिनों तक गरज, बिजली और तेज हवाएं चलने वाली हैं। बारिश भी होगी। इस दौरान अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा में अलग-अलग जगहों पर भारी बारिश होने की संभावना है। जम्मू कश्मीर में 6 मई तक, हिमाचल प्रदेश में 5 मई तक, उत्तराखंड में 8 मई के दौरान छिटपुट से लेकर व्यापक स्तर की बारिश होगी। गरज, बिजली और तेज हवाएं भी चलने वाली हैं।

रेलवे में 895.30 करोड़ के प्रोजेक्ट मंजूर

सुरक्षा, क्षमता और संचालन दक्षता को सुदृढ़ बनाया जाएगा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

रेलवे ने रेलवे पुलों के बुनियादी ढांचे को मजबूत और मेट्रो रेल की विद्युत प्रणालियों को उन्नत बनाने के लिए 895.30 करोड़ की प्रमुख परियोजनाओं को मंजूरी दी है। इन योजनाओं का उद्देश्य सुरक्षा, क्षमता और संचालन दक्षता को बेहतर बनाना है। कोलकाता मेट्रो के उत्तर-दक्षिण कॉरिडोर को मजबूत करने के लिए 671.72 करोड़ की परियोजना को मंजूरी मिली है।17 नए ट्रैक्शन सबस्टेशन बनाए जाएंगे और मौजूदा 11 केवी बिजली प्रणाली को 33 केवी में अपग्रेड किया जाएगा।

आद्रा डिवीजन में पुल परियोजना को मंजूरी

दक्षिण पूर्वी रेलवे के आद्रा डिवीजन में 223.58 करोड़ रुपए की लागत से पुल अवसंरचना को

मजबूत किया जाएगा। मधुकुंडा-दामोदर खंड पर स्थित पुराने पुल (संख्या 520) के आधारभूत ढांचे का पुनर्निर्माण किया जाएगा, जो 1903 और 1965 में बनाए गए थे और अब कमजोर हो चुके हैं।

इस यात्रा का मकसद भारत और म्यांमार के बीच समुद्री सहयोग और रक्षा संबंधों को और मजबूत करना है। हिंद महासागर क्षेत्र में बढ़ते सुरक्षा चुनौतियों के बीच यह दौरा बेहद अहम माना जा रहा है

समुद्री सहयोग को मिलेगी नई दिशा

म्यांमार दौरे पर पहुंचे नौसेना प्रमुख त्रिपाठी सैन्य अधिकारियों संग करेंगे द्विपक्षीय वार्ता

क्षमता विकास क्षमता संवर्धन और प्रशिक्षण जैसे मुद्दों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा

एजेंसी ▶▶ नेप्यीडॉ

भारत की समुद्री रणनीति को मजबूत करने के लिए नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी म्यांमार के चार दिन के दौरे पर पहुंच गए हैं। यह दौरा 2 मई से 5 मई तक चलेगा। इस यात्रा का मकसद भारत और म्यांमार के बीच समुद्री सहयोग और रक्षा संबंधों को और मजबूत करना है।

एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी को 'गार्ड ऑफ ऑनर' देती म्यांमार नौसेना

सेंट्रल नेवल कमांड का दौरा करेंगे

अपनी चार दिवसीय यात्रा के दौरान एडमिरल त्रिपाठी म्यांमार नौसेना के सेंट्रल नेवल कमांड का दौरा करेंगे। वे नेवल ट्रेनिंग कमांड और नंबर-1 फ्लीट का निरीक्षण भी करेंगे। इस दौरान वे प्रशिक्षण, क्षमता बढ़ाने और सुरक्षा सहयोग पर ध्यान केंद्रित करेंगे। वे शहीद सैनिकों के युद्ध स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित करने भी जाएंगे।

रक्षा सहयोग पर होगी चर्चा

एडमिरल त्रिपाठी म्यांमार के शीर्ष सैन्य और नौसेना अधिकारियों से मुलाकात करेंगे। दोनों देशों के बीच समुद्री सुरक्षा और रक्षा सहयोग पर चर्चा होगी। परिचालन स्तर पर तालमेल बढ़ाने पर जोर रहेगा। दोनों नौसेनाओं के बीच सहयोग के नए रास्ते तलाशने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। उनका यह दौरा हिंद महासागर क्षेत्र में समुद्री साझेदारी और सहयोगात्मक जुड़ाव को मजबूत करने के लिए भारत की प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है, जिसका मुख्य उद्देश्य नौसेना सहयोग को बढ़ाना, समुद्री सुरक्षा को सुदृढ़ करना और पारस्परिक विकास और क्षेत्रीय स्थिरता को बढ़ावा देना है।

क्षमता विकास पर फोकस

इन कार्यक्रमों के दौरान समुद्री सुरक्षा, क्षमता विकास, क्षमता संवर्धन और प्रशिक्षण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा, जिससे दोनों देशों की नौसेनाओं के बीच तालमेल और मजबूत हो सके। नौसेना प्रमुख की यह यात्रा भारत और म्यांमार के बीच लंबे समय से चले आ रहे मैत्रीपूर्ण संबंधों की पुष्टि करती है। यह साझेदारी आपसी सम्मान, विश्वास और हिंद महासागर क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा व स्थिरता के लिए साझा प्रतिबद्धता पर आधारित है।

रणनीतिक मुद्दों पर होगा मंथन

इस यात्रा के दौरान नौसेना प्रमुख म्यांमार सशस्त्र बलों के कमांडर-इन-चीफ जनरल ये विन ऊ, रक्षा मंत्री जनरल यू हटुन आंग और म्यांमार नौसेना के कमांडर-इन-चीफ एडमिरल हेटिन विन सहित वरिष्ठ अधिकारियों से द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। इन बैठकों में मौजूदा समुद्री सहयोग की समीक्षा और परिचालन स्तर पर संबंधों को मजबूत करने के साथ नए सहयोग के अवसरों पर चर्चा होगी। साथ ही बैठकों में रणनीतिक और सुरक्षा मुद्दों पर बातचीत होगी।

नियमित सैन्य अभ्यास और सहयोग जारी

भारतीय नौसेना म्यांमार नौसेना के साथ रक्षा सहयोग बैठकों, स्टाफ वार्ताओं और प्रशिक्षण आदान-प्रदान के जरिए लगातार संपर्क में रहती है। इसके अलावा भारत-म्यांमार नौसेना अभ्यास (आईएमएनईएक्स), समन्वित गश्त (आईएमसीओआर), बंदरगाह दौरे और जल सर्वेक्षण जैसी गतिविधियां नियमित रूप से आयोजित होती हैं। दोनों देशों की नौसेनाएं हिंद महासागर नौसेना संगोष्ठी, मिलन, अंतरराष्ट्रीय बेड़ा समीक्षा, गोवा समुद्री सम्मेलन, आईओएस सागर और एडमिरल कप जैसे बहुपक्षीय मंचों में भी सक्रिय भागीदारी करती रही हैं।

खबर संक्षेप

सर्जियो गोर से नहीं मिले पीएम बालेन शाह

काठमांडू। नेपाल के पीएम बालेन शाह ने डोनाल्ड ट्रंप के दक्षिण और मध्य एशिया के लिए विशेष दूत

सर्गियो गोर से मुलाकात नहीं की। सर्गियो गोर नई दिल्ली में अमेरिका के राजदूत हैं और उनका दौरा बालेन शाह से मुलाकात के बगैर ही खत्म हो गया है। सर्गियो गोर गुरुवार को छह सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल के साथ तीन दिनों के दौरे पर काठमांडू पहुंचे थे और अमेरिकी टीम ने बालेन शाह से मुलाकात की काफी कोशिशें की थी। इससे पहले वे अमेरिका के सहायक विदेश सचिव समीर पॉल कपूर से भी नहीं मिले।

नित्या रमन लड़ रहीं लॉस एंजिल्स मेयर पद का चुनाव

लॉस एंजिल्स। अमेरिका में लॉस एंजिल्स के मेयर पद के लिए दो जून को चुनाव होने वाले हैं। इस

रेस में भारतीय मूल की नित्या रमन भी अहम दावेदार बनकर उभर रही हैं। नित्या रमन का जन्म केरल के तमिल परिवार में हुआ था। छह साल की उम्र में उनका परिवार अमेरिका के लुइसियाना में बस गया। 22 साल की उम्र में वह अमेरिकी नागरिक बन गईं। उन्होंने मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से अर्बन प्लानिंग में मास्टर डिग्री हासिल की है। वह डिस्ट्रिक्ट 4 का प्रतिनिधित्व कर रही हैं।

पाकिस्तान में पेट्रोल 400 पार, 5 दिन का तेल बचा

इस्लामाबाद। मिडिल ईस्ट में बने तनाव के हालात के चलते पाकिस्तान उर्जा संकट से जूझ रहा

है। पाकिस्तान के पेट्रोलियम मंत्री अली परवेज मलिक ने कहा है कि हमारे पास कोई रणनीतिक तेल का भंडार नहीं है। हमारे पास केवल व्यावसायिक भंडार है। इस्लामाबाद के पास पांच से सात दिन का ही तेल बचा है। पाकिस्तान में पेट्रोल की कीमत पाकिस्तान रुपए में 321.17 से बढ़कर 458.41 रुपए प्रति लीटर हो गई है। इधर मलिक ने बताया कि अब डीजल की कीमतें 3 से 4 गुना बढ़ गई है। डीजल पर लेवी को घटाकर शून्य कर दिया गया है। पूरा बोझ पेट्रोल पर डाल रहे हैं।

बदजुबानी पर उतरा अमेरिका, वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने ईरानी नेतृत्व पर तीखा हमला किया

ये 'गटर के पाइप में रहने वाले चूहे', ईरान बोला- यह युद्ध में हारने वाले की भाषा है

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन/ तेहरान

बेसेंट ने ईरानी नेतृत्व के बारे में कहा कि वे अंधेरे में बैठे हैं और उन्हें यह नहीं पता कि अमेरिका का होर्मुज जलडमरूमध्य पर पूरा नियंत्रण है। डॉलर की कमी है। भोजन और पेट्रोल का सीमित मात्रा में वितरण हो रहा है और पूरी दुनिया उनके खिलाफ खड़ी है

अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच जारी संघर्षविराम के बीच अमेरिका के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने ईरानी नेतृत्व पर तीखा हमला किया। बेसेंट ने उन्हें 'गटर

के पाइप में रहने वाले चूहे' करार दिया। उन्होंने कहा कि तेहरान में बैठा नेतृत्व जमीनी हकीकी से पूरी तरह बेखबर है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय अब उसके खिलाफ हो चुका है।

बेसेंट ने यह भी दावा किया कि अमेरिका का दुनिया के सबसे अहम जल मार्ग होर्मुज जलडमरूमध्य पर पूरा नियंत्रण है। उनके इस बयान पर दक्षिण अफ्रीका में ईरान के दूतावास ने कड़ी प्रतिक्रिया दी।

दूतावास ने कहा, सब जानते हैं कि आप और आपके बॉस युद्ध हार चुके हैं। आपकी ये बातें जीत की नहीं बल्कि दर्द की निशानी हैं।

ईरान की तीखी प्रतिक्रिया, सब जानते हैं कि आप और आपके बॉस युद्ध हार चुके

डोनाल्ड ट्रंप | मोजतबा खामेनेई

नाकाबंदी से ईरान को हुआ 4.8 अरब डॉलर का नुकसान

अमेरिकी रक्षा मंत्रालय पेंटागन ने दावा किया है कि फारस की खाड़ी में अमेरिकी नाकेबंदी और कार्रवाई से ईरान को तेल के राजस्व में लगभग 4.8 अरब डॉलर का नुकसान हुआ है। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय के आकलन के अनुसार, इस क्षेत्र में अमेरिका की कार्रवाई के कारण ईरान को तेल से होने वाली आय में करीब पांच अरब डॉलर का नुकसान हुआ है। यह नुकसान इसलिए हुआ, क्योंकि अमेरिका की तरफ से समुद्र में जो कार्रवाई की जा रही है, उससे ईरान का समुद्री व्यापार और ऊर्जा निर्यात बाधित हो गया है। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय के जनसंपर्क अधिकारी सीन पार्नेल ने पेंटागन के कार्यवाहक प्रेस सचिव जोएल वाल्डेज के बयान का हवाला दिया।

ट्रंप की चेतावनी, पागलों के हाथ में नहीं दे सकते परमाणु बम

ट्रंप ने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि वह ईरान को किसी भी कीमत पर परमाणु हथियार हासिल नहीं करने देंगे क्योंकि यह पूरी दुनिया की सुरक्षा के लिए एक बड़ा खतरा है। उन्होंने कड़े लहजे में कहा कि ईरान को परमाणु हथियार नहीं दिए जा सकते हैं क्योंकि वे इसका इस्तेमाल सबसे पहले इजराइल पर करेंगे, फिर मिडिल ईस्ट और यूरोप पर, और अगला नंबर हमारा होगा। हम ऐसे पागलों के हाथ में परमाणु हथियार नहीं रहने दे सकते। ट्रंप ने कहा कि वे समझौता तो करना चाहते हैं, लेकिन मैं इससे संतुष्ट नहीं हूं।

ट्रंप ने संसद को दी जानकारी

ईरान के खिलाफ युद्ध खत्म हो चुका

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को संसद को बताया कि ईरान के खिलाफ चल रहा युद्ध खत्म हो गया है। ट्रंप ने ईरान युद्ध की 60 दिन की कानूनी समयसीमा खत्म होने के बाद सांसदों को यह जानकारी दी। ट्रंप ने सांसदों को लिखे एक पत्र में कहा कि 7 अप्रैल 2026 के बाद से अमेरिका और ईरान के बीच कोई गोलीबारी नहीं हुई है। 28 फरवरी 2026 को शुरू हुई शत्रुता अब समाप्त हो चुकी है। यह कदम ईरान युद्ध को जारी रखने के लिए कांग्रेस की मंजूरी की जरूरत के विवाद को शांत करने की कोशिश माना जा रहा है। अमेरिका में 1973 में पारित 'वार पावर्स रिजोल्यूशन' के तहत राष्ट्रपति को सैन्य कार्रवाई की सूचना कांग्रेस को देने के बाद 60 दिनों के भीतर उसे समाप्त करना होता है, जब तक कि कांग्रेस आगे की कार्रवाई को मंजूरी न दे। अमेरिका और इजराइल ने 28 फरवरी को ईरान के खिलाफ सैन्य अभियान शुरू किया था।

कनाडा की सुरक्षा खुफिया सेवा ने माना

'खालिस्तानियों' से सुरक्षा को खतरा, हिंसा को बढ़ावा दे रहे

ओटावा स्थित सीएसआईएस का ऑफिस

एजेंसी ▶▶ ओटावा

कनाडा की सुरक्षा खुफिया सेवा (सीएसआईएस) ने शुक्रवार को एक रिपोर्ट जारी की। इस रिपोर्ट में माना गया है कि खालिस्तानी तत्वों से कनाडा को खतरा पैदा हो रहा है। सीएसआईएस की 2025 की रिपोर्ट कनाडा की संसद में पेश की गई। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि कनाडा में मौजूद खालिस्तानी तत्वों की गतिविधियां लगातार एक हिंसक चरमपंथी एजेंडा को बढ़ावा देती हैं। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि ऐसे चरमपंथी समूहों की गतिविधियां कनाडा की राष्ट्रीय सुरक्षा और हितों के लिए लगातार खतरा बनी हुई हैं।

एअर इंडिया हमले में खालिस्तानी शामिल

रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले साल एअर इंडिया की उड़ान 182 में बम विस्फोट की 40वीं बरसी थी, जिसके संदिग्ध कनाडा आधारित खालिस्तानी चरमपंथी समूहों के सदस्य थे। यह कनाडा के इतिहास का अब तक का सबसे घातक आतंकवादी हमला माना जाता है। इसमें 329 लोगों की मौत हुई थी, जिनमें ज्यादातर कनाडाई नागरिक थे। 2025 में कनाडा में खालिस्तानी समूहों से जुड़ा कोई हमला नहीं हुआ। कनाडा में खालिस्तान समर्थकों की मौजूदगी के कारण इस तरह की गतिविधियों पर निगरानी जरूरी है। रिपोर्ट में यह भी माना गया है कि भारत अपनी अंदरूनी स्थिरता के लिए खतरों का सामना करता है।

कार्नी के पीएम बनने के बाद संबंधों में सुधार

यह रिपोर्ट 2025 की खुफिया आकलन पर आधारित है। लेकिन हाल के समय में इसमें बदलाव के संकेत भी मिले हैं। पीएम मार्क कार्नी के कार्यभार संभालने के बाद कनाडाई अधिकारियों ने कहा है कि उन्हें लगता है कि भारत वर्तमान में कनाडा की धरती पर किसी हिंसक अपराध या खतरे से जुड़ा नहीं है। रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस (आरसीएमपी) के प्रमुख माइक ड्यूहेम ने भी कहा कि कनाडा के लिए किसी विदेशी एजेंट से कोई सीधा खतरा साबित नहीं हुआ है।

34 साल बाद बंद हुई स्पिरिट एयरलाइंस

एक दिन में 17000 लोगों की गई नौकरी, तत्काल उड़ानें रद्द

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

अमेरिका की प्रमुख किफायती विमानन सेवा प्रदाता 'स्पिरिट एयरलाइंस' ने शनिवार को अपना कारोबार पूरी तरह बंद करने की घोषणा की। अपने अनूठे विज्ञापनों और बेहद सस्ती हवाई दरों के लिए चर्चित इस कंपनी का सफर 34 साल बाद समाप्त हो गया है।

चमकीले पीले रंग के विमानों का संचालन करने वाली इस कंपनी ने बताया कि उसने तत्काल प्रभाव से अपने परिचालन को व्यवस्थित रूप से बंद करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस एयरलाइन में लगभग 17,000 कर्मचारी काम करते थे। एयरलाइन ने अपनी वेबसाइट पर

जारी एक बयान में कहा कि उसकी सभी उड़ानें रद्द कर दी गई हैं और ग्राहक सेवा भी अब उपलब्ध नहीं है। कंपनी ने कहा कि हमें पिछले 34 वर्षों के दौरान उद्योग पर अपने 'अति-निम्न लागत मॉडल' के प्रभाव पर गर्व है। हमें उम्मीद थी कि हम आने वाले कई वर्षों तक यात्रियों की सेवा करते रहेंगे। एयरलाइंस ने यात्रियों से कहा कि वे धन वापसी की उम्मीद कर सकते हैं।

मणिपुर में सुरक्षा बलों की बड़ी कार्रवाई

23 अवैध बंकर नष्ट किए, 18 आईईडी सहित हथियार जब्त

एजेंसी ▶▶ इंफाल

सुरक्षा बलों ने अलग-अलग अभियानों में मणिपुर के उखरुल जिले में अवैध रूप से निर्मित 23 बंकर नष्ट कर दिए है और तेंगनौपाल जिले में 18 आईईडी बरामद किए हैं। पुलिस ने शनिवार को एक बयान में कहा कि लिटन पुलिस थाना क्षेत्र के मोंगकोट चेपू, शोंगफेल, मुल्लम, सिराराखोंग और रिंगु के पहाड़ी गांवों में गुरुवार को बंकर नष्ट किए गए।

बयान में बताया गया कि 12 बोर की एक 'पंप-एक्शन शॉटगन', 17 कारतूस और 111 खोखे भी जब्त किए गए। इस साल फरवरी में उखरुल जिले में तंगखुल नगा और कुकी समुदायों के बीच हिंसा

भड़कने के बाद से गोलीबारी की विभिन्न घटनाओं में कम से कम सात लोग मारे गए थे और 30 से अधिक घरों को जला दिया गया था। इसी बीच, बुधवार को एक अलग अभियान में सुरक्षा बलों ने तेंगनौपाल जिले के मोरेह पुलिस थाने क्षेत्र के टी बोंगमोल गांव में हथियारों और विस्फोटकों का जखीरा जब्त किया।

भारत तंजानिया के बीच बैठक

व्यापार 9 बिलियन डॉलर पार ऊर्जा क्षेत्र में समझौते पर बल

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत-तंजानिया संयुक्त व्यापार समिति बैठक का 5वां सत्र तंजानिया के दार एस सलाम में आयोजित किया गया, जिसमें द्विपक्षीय व्यापार और आर्थिक सहयोग को और मजबूत बनाने पर व्यापक चर्चा हुई। दोनों देशों के बीच व्यापार 9 बिलियन डॉलर के पार पहुंच चुका है, जो बढ़ती साझेदारी का संकेत है। बैठक के दौरान ऊर्जा उप-क्षेत्रों को शामिल करते हुए एक व्यापक समझौता ज्ञापन की आवश्यकता पर बल दिया गया। भारत ने परामर्श, क्षमता निर्माण, परियोजना प्रबंधन और ट्रांसमिशन सिस्टम के साथ-साथ हाइब्रिड ऊर्जा समाधानों में सहयोग की पेशकश की।

एमओयू हस्ताक्षर करते अधिकारी

कई क्षेत्रों में सहयोग पर चर्चा

बैठक में व्यापार मेलों में भागीदारी, कृषि वैज्ञानिकों के आदान-प्रदान, आवास और शहरी विकास तथा पेशेवर सेवाओं में पारस्परिक मान्यता जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई। टैरिफ, पौध संरक्षण उपायों और नियामक प्रक्रियाओं से जुड़े बाजार पहुंच के मुद्दों पर भी विचार किया गया।

अगली बैठक नई दिल्ली में

बैठक के समापन पर दोनों देशों ने द्विपक्षीय व्यापार और आर्थिक संबंधों को और गहरा करने की प्रतिबद्धता दोहराई। संस्थागत तंत्र को मजबूत करने, जारी पहलों के तेज क्रियान्वयन और प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति बनी।

ऑस्ट्रेलिया के राजदूत फिलिप ग्रीन का अलगाववादियों को कड़ा संदेश

भारत की अखंडता से कोई समझौता नहीं प्रदर्शन की आड़ में गलत बातें बर्दाश्त नहीं

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

ऑस्ट्रेलिया में खालिस्तानी गतिविधियों को लेकर भारत की चिंताओं पर ऑस्ट्रेलिया ने एक बड़ा और कड़ा बयान दिया है। भारत में ऑस्ट्रेलिया के उच्चायुक्त (राजदूत) फिलिप ग्रीन ने साफ कर दिया है कि उनका देश भारत की क्षेत्रीय अखंडता का पूरा सम्मान करता है।

उन्होंने अलगाववादी ताकतों को कड़ा संदेश देते हुए कहा है कि लोकतांत्रिक देश होने के नाते वहां शांतिपूर्ण प्रदर्शन तो हो सकते हैं, लेकिन अपराध के लिए कोई जगह नहीं है। राजदूत फिलिप ग्रीन ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया की पुलिस और खुफिया एजेंसियां भारत की चिंताओं को बहुत गंभीरता से ले रही हैं।

उनकी बहुसांस्कृतिक, खुफिया, पुलिस और विदेश नीति से जुड़ी एजेंसियां इस मुद्दे पर लगातार आपस में बैठकें कर रही हैं। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि वे भारत की क्षेत्रीय अखंडता में विश्वास करते हैं और अलगाववादी तत्वों से उनका कोई भी लेना-देना नहीं है।

ऑस्ट्रेलिया एक लोकतांत्रिक देश

राजदूत ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया एक लोकतांत्रिक देश है, इसलिए वहां लोगों को शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात रखने का पूरा अधिकार दिया गया है। लोग कानून के दायरे में रहकर शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर सकते हैं और इसकी अनुमति देश में हमेशा बनी रहेगी। हालांकि, उन्होंने सख्त लहजे में चेतावनी दी कि प्रदर्शन की आड़ में किसी भी तरह की आपराधिक गतिविधि को बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

'ऑपरेशन ग्लोबल हंट': सीबीआई को मिली बड़ी कामयाबी

करोड़ों की वित्तीय धोखाधड़ी का आरोप, इंटरपोल का रेड कॉर्नर नोटिस जारी था

यूएई से भारत लाया गया भगोड़ा कमलेश पारेख

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

बैंकिंग और वित्तीय धोखाधड़ी के एक बड़े मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को अहम सफलता मिली है।

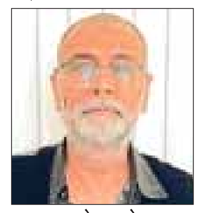
कमलेश पारेख

लंबे समय से फरार चल रहे आरोपी कमलेश पारेख को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से भारत प्रत्यर्पित कर लिया गया है। 1 मई को पारेख को भारत लाया गया, जहां दिल्ली पहुंचते ही सीबीआई ने उन्हें हिरासत में ले लिया। यह कार्रवाई भारत सरकार के 'ऑपरेशन ग्लोबल हंट' के तहत विदेश मंत्रालय और गृह मंत्रालय के साथ समन्वय में अंजाम दी गई। पारेख के खिलाफ इंटरपोल का रेड कॉर्नर नोटिस जारी था, जिसके आधार पर उसे यूएई में ट्रैक कर हिरासत में लिया गया। भारत के औपचारिक अनुरोध और दोनों देशों के बीच कानूनी प्रक्रिया पूरी होने के बाद उसे भारतीय एजेंसियों को सौंप दिया गया।

कई बैंकों के साथ की धोखाधड़ी

जांच एजेंसियों के अनुसार, कमलेश पारेख पर बड़े पैमाने पर बैंकिंग और वित्तीय धोखाधड़ी का आरोप है। इस घोटाले में देश के कई बैंकों के समूह को भारी नुकसान हुआ, जिसकी अगुवाई स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) कर रहा था। अनुमान है कि इस मामले में सैकड़ों करोड़ रुपये की रकम का दुरुपयोग किया गया। सीबीआई की जांच में सामने आया है कि पारेख ने अन्य प्रमोटरों और निदेशकों के साथ मिलकर बैंक से लिए गए फंड को विदेशों में स्थित कंपनियों के जरिए डायवर्ट किया।

150 से अधिक वांछित अपराधियों का भारत लाया गया

सीबीआई, जो भारत में इंटरपोल के लिए नेशनल सेंट्रल ब्यूरो के रूप में कार्य करती है, 'भारतपोल' प्लेटफॉर्म के जरिए देश की विभिन्न कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ समन्वय करती है। इसी सहयोग का नतीजा है कि पिछले कुछ वर्षों में इंटरपोल चैनलों के माध्यम से 150 से अधिक वांछित अपराधियों को भारत वापस लाया जा चुका है। यह ताजा कार्रवाई अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कानून प्रवर्तन एजेंसियों के बीच मजबूत सहयोग का एक और महत्वपूर्ण उदाहरण मानी जा रही है।

विकास की अद्भुत यात्राओं का अभिनंदन पर्व है राज्य स्थापना दिवसः राज्यपाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा कि 1 मई, देश के दो अत्यंत समृद्ध-सशक्त राज्य गुजरात और महाराष्ट्र के प्रशासनिक गठन के स्मरण का दिवस है। उनकी विकास की अद्भुत यात्राओं का अभिनंदन पर्व है। उन्होंने कहा कि भारत की भौगोलिक और सांस्कृतिक विविधताएं ही हमारी सबसे बड़ी शक्ति हैं, जिनके बीच की एकता ही सशक्त, समृद्ध एवं आत्मनिर्भर भारत का आधार है। महाराष्ट्र की औद्योगिक क्षमता और वित्तीय नेतृत्व के साथ गुजरात की उद्यमशीलता, व्यापारिक दक्षता, समुद्री विकास और नवकरणीय ऊर्जा विकसित भारत की मजबूत आधारशिला है।

राज्यपाल पटेल शुक्रवार को गुजरात और महाराष्ट्र राज्य के स्थापना दिवस के संयुक्त समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने दोनों राज्यों के निवासियों को राज्य स्थापना दिवस की शुभकामनाएं दी। समारोह में मुख्यमंत्री डॉ. यादव भी मौजूद रहे। लोकभवन के सांदीपनि सभागार में एक भारत-श्रेष्ठ भारत संकल्पना के तहत कार्यक्रम का आयोजन किया गया था।

गुजरात व महाराष्ट्र राज्य के स्थापना दिवस के संयुक्त समारोह में राज्यपाल और मुख्यमंत्री हुए शामिल

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव की उपस्थिति में राज्यपाल पटेल को स्मृति चिह्न भेट किया गया।

उद्यमिता और नवाचार में देश के नेतृत्वकर्ता हैं गुजरातीः पटेल

राज्यपाल पटेल ने कहा कि गुजरात के लोग अपनी जीवटता, नवाचार, व्यापारिक कौशल, अनुशासन और सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति गहरी आस्था रखते है। परिश्रम और उद्यमशीलता से देश की आर्थिक और सामाजिक प्रगति में योगदान देते हैं। आर्थिक रूप से सम्पन्न गुजरात उद्योग, व्यापार, बंदरगाह विकास और उद्यमिता में नवाचारों के बल पर देश का नेतृत्व करता है। आज गुजरात राज्य 'मेक इन इंडिया' और 'स्टार्टअप इंडिया' अभियानों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

महाराष्ट्र के तीर्थ स्थल समृद्ध पौराणिक, सांस्कृतिक धरोहर के प्रतीक

राज्यपाल पटेल ने कहा कि मेहनत, अनुशासन, समरसता, सांस्कृतिक गौरव, उद्यमशीलता और राष्ट्रनिष्ठा महाराष्ट्रवासियों की पहचान है। ये परंपरा और आधुनिकता के संतुलन के साथ देश की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। महाराष्ट्र की पावन धरती पर मां गोदावरी की अविरल धारा, सह्याद्री की भव्यता, अजंता-एलोरा की गुफाएँ, त्रयम्ब-केशवर ज्योतिर्लिंग तथा शिरडी-पंढरपुर जैसे तीर्थ, हमारी समृद्ध पौराणिक, सांस्कृतिक और प्राकृतिक धरोहर के प्रतीक हैं। उन्होंने कहा कि संत ज्ञानेश्वर, संत तुकाराम और संत नामदेव की भक्ति परंपरा ने समाज में नैतिकता, समरसता एवं आध्यात्मिक चेतना का विकास किया। छत्रपति शिवाजी महाराज के अदम्य साहस और स्वराज की भावना ने भारतीयों में आत्मगौरव का संचार किया।

राज्यों की गौरवशाली लोक संस्कृति और परंपराओं पर हुई प्रस्तुतियां

राज्यपाल पटेल के समक्ष गुजरात और महाराष्ट्र राज्य की गौरवशाली लोक संस्कृति और ऐतिहासिक परंपराओं पर आधारित प्रस्तुतियां दी गई। समारोह में गुजराती समाज की ओर से वायब्रेंट स्पिरिट ऑफ गुजरात की थीम पर आकर्षक प्रस्तुति दी गई। गुजरात के इतिहास और कला संस्कृति पर आधारित लघु फिल्म भी दिखाई गई। राज्यपाल पटेल को मराठी साठा और स्मृति चिन्ह भेंट की गई। संयुक्त समारोह में मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव नीरज मंडलोई, राज्यपाल के प्रमुख सचिव डॉ. नवनीत मोहन कोठारी, गुजराती समाज के अध्यक्ष संजय पटेल, मराठी समाज के प्रतिनिधि अभिजीत देशमुख, शैला प्रधान आदि उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

सत्येंद्र मप्र लघु उद्योग निगम अध्यक्ष नियुक्त

भोपाल। मध्य प्रदेश में राजनीतिक नियुक्तियों का सिलसिला लगातार जारी है। भाजपा के पूर्व कार्यालय मंत्री सत्येन्द्र भूषण सिंह को लघु उद्योग निगम का अध्यक्ष बनाया गया है। सत्येन्द्र भूषण को दो साल के लिए अध्यक्ष बनाया गया है। इधर, गुड्डी आदिवासी को राज्य स्तरीय सहरिया विकास प्राधिकरण अध्यक्ष बनाया गया है।

विभागों को 29 जून तक खर्च ब्यौरा देना अनिवार्य

भोपाल। मध्य प्रदेश में वित्तीय अनुशासन को सख्ती से लागू करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। राज्य के सभी सरकारी विभागों को निर्देश दिए गए हैं कि वे अब तक किए गए खर्च का पूरा ब्योरा 29 जून तक अनिवार्य रूप से प्रस्तुत करें। तय समयसीमा के बाद दी गई जानकारी को वार्षिक लेखों में शामिल नहीं किया जाएगा।

बिजली का 103 करोड़ बकाया, 'चुंगी' से पेमेंट

भोपाल। प्रदेश में वित्तीय स्थिति की एक और तस्वीर सामने आई है, जहां 348 नगरीय निकायों पर 103 करोड़ 6 लाख रुपए का बिजली बिल बकाया पाया गया है। बिजली कंपनियों की ओर से नोटिस जारी होने के बाद नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने 'चुंगी' क्षतिपूर्ति मद से इन बिलों का भुगतान किया है। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी भोपाल के अंतर्गत 107 निकायों पर 40 करोड़ 26 लाख रुपए, पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी, जबलपुर के अंतर्गत 133 निकायों पर 23 करोड़ 66 लाख रुपए बकाया था।

किसानों की सुविधा के लिए केंद्रों पर आवश्यक व्यवस्थाएं की गई

मप्र में अब तक 80 लाख मीट्रिक टन से ज्यादा गेहूं उपार्जन के लिए स्लॉट बुक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश में गेहूं उपार्जन का कार्य तेजी से किया जा रहा है। किसान भाइयों ने बड़ी संख्या में स्लॉट बुक किए हैं। अब तक 80 लाख मीट्रिक टन से अधिक गेहूं उपार्जन के लिए स्टॉल बुक हो चुके है। यह एक सकारात्मक संदेश है।

स्टॉल बुकिंग का आंकड़ा लगातार बढ़ता जा रहा है। प्रदेश के किसानों से गेहूं उपार्जन करने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। किसानों की सुविधा के लिए उपार्जन केन्द्रों पर सभी संभव व्यवस्थाएं की गई हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गेहूं उपार्जन प्रक्रिया में व्यवस्थाएं चाक-चौबंद रखने के लिए आकस्मिक निरीक्षण लगातार चलता रहेगा और लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी। सभी मंत्री, विधायक और संबंधित अधिकारियों को उपार्जन प्रक्रिया में पूरी सक्रियता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने और किसानों की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए निर्देशित किया गया है।

खास बातें

- मुख्यमंत्री ने कहा- लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी
- मध्य प्रदेश में स्टॉल बुकिंग का आंकड़ा लगातार बढ़ता जा रहा

गेहूं उपार्जन के मुद्दे को लेकर डॉ. मोहन से दिग्विजय ने की भेंट

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने मुख्यमंत्री निवास के समत्व भवन में भेंट कर प्रदेश में जारी गेहूं उपार्जन के संबंध में चर्चा की। मुख्यमंत्री ने उन्हें बताया कि गेहूं उपार्जन के लिए अब तक 80 लाख मीट्रिक टन से अधिक गेहूं उपार्जन के लिए स्लॉट बुक हो चुके हैं, स्लॉट बुकिंग का आंकड़ा लगातार बढ़ता जा रहा है। प्रदेश के किसानों से गेहूं उपार्जन के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। किसानों की सुविधा के लिए सभी संभव व्यवस्थाएं की गई हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि वे स्वयं भी उपार्जन प्रक्रिया पर लगातार निगरानी बनाए हुए हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव आज करेंगे इंदौर-पीथमपुर कॉरिडोर के प्रथम चरण का भूमिपूजन

विशेष प्रतिनिधि. भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव रविवार 3 मई को इंदौर-पीथमपुर इकोनॉमिक कॉरिडोर प्रोजेक्ट के प्रथम चरण का भूमिपूजन सेक्टर-ए, ग्राम नैनोद, इंदौर में करेंगे। प्रथम चरण की लागत 326.51 करोड़ रुपए है, जिसके तहत प्रारंभिक अधोसंरचना विकास कार्य शुरू किए जाएंगे। परियोजना से क्षेत्र में आधुनिक अधोसंरचना विकसित होगी, कनेक्टिविटी मजबूत होगी और उद्योगों के लिए अनुकूल वातावरण तैयार होगा। इसके साथ ही स्थानीय युवाओं को रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे, जिससे क्षेत्र के सामाजिक और आर्थिक विकास को नई गति मिलेगी।

मुख्यमंत्री के निर्णय से जुड़ने लगे किसान

परियोजना की सबसे बड़ी चुनौती भू-स्वामियों से सहमति के साथ जमीन प्राप्त करना थी, क्योंकि शहर के समीप होने के कारण भूमि का बाजार मूल्य अधिक है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस स्थिति को समझते हुए किसानों के हित में बेहतर निर्णय लिया। इससे विकास और किसानों के हितों के बीच बेहतर सामंजस्य स्थापित हुआ। मुख्यमंत्री के इस निर्णय के बाद किसानों की भागीदारी में तेजी आई है। डॉ. यादव ने जमीन देने वाले भू-स्वामियों को मिलने वाली विकसित जमीन का हिस्सा 50 प्रतिशत से बढ़ाकर 60 प्रतिशत कर दिया है।

मप्र प्रतिनिधिमंडल ने निवेश कंपनियों के साथ महत्वपूर्ण बैठकें की

वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम 2026: ऊर्जा परिवर्तन अधोसंरचना विकास और निवेश पर हुआ संवाद

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम-2026 के दूसरे दिन 20 जनवरी को दावोस में मप्र ने वैश्विक निवेश और प्रौद्योगिकी मंच पर अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज कराई। राज्य प्रतिनिधिमंडल ने ऊर्जा परिवर्तन, डिजिटल नवाचार, अधोसंरचना विकास और निवेश सहयोग के क्षेत्रों में विश्व की अग्रणी कंपनियों के साथ उच्चस्तरीय संवाद किए। इन बैठकों के माध्यम से मध्यप्रदेश ने सतत विकास, स्वच्छ ऊर्जा और प्रौद्योगिकी-आधारित आर्थिक वृद्धि के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया।

वर्ल्ड इकोनॉमिक फ़ोरम के दूसरे दिन मप्र प्रतिनिधिमंडल ने वैश्विक प्रौद्योगिकी एवं निवेश कंपनियों के साथ रणनीतिक संवाद और सहयोगात्मक बैठकें कीं। ग्लोबल साउथ के लिए तैयार द मेरिडियन कलेक्टिव (टीएमसी) प्लेटफार्म का शुभारंभ किया गया, जिसका उद्देश्य उप-राष्ट्रीय स्तर पर ऊर्जा परिवर्तन और औद्योगिक डिकार्बोनाइज़ेशन को गति देना है। टीएमसी के माध्यम से निजी पूंजी, तकनीकी विशेषज्ञता और वैश्विक नेटवर्क को राज्यों से जोड़ा जाएगा।

फूड प्रोसेसिंग, पर्यटन, लॉजिस्टिक्स पर चर्चा

कृष्णन एन. बालेंद्र (चेयरपर्सन, जॉन कील्स होल्डिंग्स लिमिटेड) के साथ फूड प्रोसेसिंग, लॉजिस्टिक्स, पर्यटन, वन्यजीव संरक्षण, धार्मिक पर्यटन और नर्मदा बेसिन में कृषि-प्रसंस्करण पर निवेश संभावनाओं पर चर्चा हुई। क्रेसेंट एंटरप्राइजेज के डिप्टी सीईओ तुषार सिंघवी से स्वास्थ्य, लॉजिस्टिक्स और अधोसंरचना क्षेत्र में दीर्घकालिक एवं स्केलेबल निवेश अवसरों पर विचार-विमर्श किया गया। गूगल के वाइस प्रेसिडेंट (एशिया पैसिफिक) संजय गुप्ता के साथ एआई मिशन, क्लाउड डेटा सेंटर, एआई इन्फ्रास्ट्रक्चर और कार्बन-फ्री डिजिटल इकोसिस्टम पर सहयोग की संभावनाओं पर चर्चा हुई। ट्री एनर्जी सॉल्यूशंस (टीईएस) के सीईओ मार्को अल्वेरा के साथ ग्रीन हाइड्रोजन और ई-एनजी आधारित स्वच्छ ऊर्जा परियोजनाओं पर संवाद हुआ, जो राज्य की भविष्य-उन्मुख ऊर्जा नीति के अनुरूप है।

टैक्सटाइल एवं गारमेंट सेक्टर में इंटरएक्टिव सेशन में निवेशकों के साथ दिल्ली में हुआ संवाद

मप्र को वस्त्र एवं गारमेंट उद्योग के लिए एक सशक्त और प्रतिस्पर्धी निवेश गंतव्य के रूप में स्थापित करने की दिशा में मध्यप्रदेश औद्योगिक विकास निगम (एमपीआईडीसी) की ओर से मप्र भवन, नई दिल्ली में टैक्सटाइल एवं गारमेंट सेक्टर में निवेश अवसर विषय पर इंटरैक्टिव आउटरीच सेशन आयोजित किया गया। कार्यक्रम में ग्वालियर एवं चंबल संभाग को केंद्र में रखते हुए राज्य की औद्योगिक क्षमताओं, नीति समर्थन और अधोसंरचना को प्रमुख उद्योग संगठनों एवं निवेशकों के समक्ष प्रभावी रूप से प्रस्तुत किया गया। सेशन में टेक्सटाइल एसोसिएशन दिल्ली, ओखला इंडस्ट्रियल एसोसिएशन, इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के साथ-साथ ब्लैकबेरीज़, वेलेंसिया अपैरल्स (नोएडा) और ट्राइबर्ग जैसे प्रतिष्ठित उद्योग समूहों सहित 60 से अधिक निवेशकों एवं उद्योग प्रतिनिधियों ने सक्रिय सहभागिता की। यह सहभागिता इस बात का संकेत रही कि मप्र विशेषकर ग्वालियर-चंबल क्षेत्र, टैक्सटाइल और गारमेंट सेक्टर में निवेश के लिए उद्योग जगत का ध्यान आकर्षित कर रहा है। एमपीआईडीसी की कार्यकारी निदेशक सुश्री अनीशा श्रीवास्तव ने प्रस्तुति के माध्यम से राज्य में उपलब्ध औद्योगिक भूमि, निवेश प्रोत्साहन योजनाएं, सिंगल विंडो क्लियरेंस प्रणाली, लॉजिस्टिक कनेक्टिविटी और श्रमशक्ति की उपलब्धता पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ग्वालियर-चंबल क्षेत्र में विकसित औद्योगिक अधोसंरचना, राष्ट्रीय राजमार्गों एवं रेल नेटवर्क से बेहतर जुड़ाव, तथा प्रतिस्पर्धी लागत पर उपलब्ध कुशल मानव संसाधन इस क्षेत्र को वस्त्र एवं गारमेंट उद्योग के लिए अत्यंत अनुकूल बनाते हैं। सेशन में इन्फिनिट पॉसिबिलिटीज की अवधारणा के तहत मप्र में निवेश के व्यापक अवसरों को रेखांकित किया गया, जिसमें टेक्सटाइल वैल्यू चेन के विभिन्न घटकों जैसे फाइबर, यार्न, फैब्रिक, गारमेंट एवं रेडीमेड उत्पाद में निवेश संभावनाओं को विशेष रूप से सामने रखा गया। राज्य में विकसित हो रहे क्लस्टर आधारित औद्योगिक मॉडल, टैक्सटाइल पार्क्स और निर्यात उन्मुख इकाइयों के लिए अनुकूल वातावरण की जानकारी भी साझा की गई।

हाथियों ने आधी रात के समय तीन ग्रामीणों के घर तोड़े, धान की बारियों को भी पहुंचाया नुकसान

कटघोरा वनमंडल के जड़गा रेंज में हाथियों ने मचाया भयंकर उत्पात

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कोरबा

कटघोरा वनमंडल के जड़गा रेंज में हाथियों का उत्पात थमने का नाम नहीं ले रहा है। पटेल पारा और धोबघट गांव में शुकवार की आधी रात 4 हाथियों ने दस्तक देकर जमकर उत्पात मचाया। शनिवार की सुबह तक डेरा डाले हुए थे हाथियों ने तीन ग्रामीणों के घरों को तोड़ दिया और धान की बोरियों को भी नुकसान पहुंचाया।

घटना के बाद से इलाके में भय का माहौल है और लोग डरे-सहमे हुए हैं। वन विभाग के अनुसार बीती रात करीब 12 बजे 4 हाथियों का दल पटेल पारा गांव में घुस आया। हाथियों ने सबसे पहले किसान रामलाल के घर की दीवार तोड़ दी। घर में रखी धान की 15 बोरियों को पैरों से कुचलकर नष्ट कर दिया। इसके बाद दल धोबघट पहुंचा, जहां दो और ग्रामीणों के मकानों को नुकसान पहुंचाया। ग्रामीणों ने शोर मचाकर और मशाल जलाकर किसी तरह हाथियों को जंगल की ओर खदेड़ा। ग्रामीण निर्मला यादव ने बताया कि हाथियों ने बाड़ी में लगे पपीता,गन्ना,केला, सब्जी के अलावा घर को तोड़ दिया है। किसी तरह जान बचाकर भागे हैं। जटगा रेंज में पिछले कई महीनों से 40 हाथियों का दल डेरा डाले हुए है। हाथी दिन में जंगल में रहते हैं और रात होते ही भोजन की तलाश में आसपास के गांवों का रुख कर लेते हैं। ग्रामीणों का कहना है कि हाथी खेतों में लगी फसल और घरों में रखे अनाज को लगातार नुकसान पहुंचा रहे हैं। डर के कारण लोग रातभर जागकर रखवाली करने को मजबूर हैं।

वन विभाग ने ग्रामीणों को दी जरूरी सलाह

घटना की जानकारी मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। डीएफओ कटघोरा ने बताया कि हाथियों की लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है। ग्रामीणों को जंगल की ओर न जाने और हाथियों से दूरी बनाए रखने की सलाह दी गई है। मुनादी कराकर लोगों को सतर्क किया जा रहा है। प्रभावित परिवारों को नियमानुसार मुआवजा देने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। लगातार हो रही घटनाओं से जड़गा रेंज के गांवों में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों ने बताया कि शाम होते ही बच्चे और बुजुर्ग घरों में दुबक जाते हैं। हाथियों के डर से खेती-किसानी का काम भी प्रभावित हो रहा है। ग्रामीणों ने वन विभाग से हाथियों को दूसरी जगह शिफ्ट करने या स्थायी समाधान निकालने की मांग की है।

ब्रेकअप के बाद तनाव में था आरोपी, एक महीने बाद पकड़ाया

गर्लफ्रेंड पर चाकू से हमले का आरोपी बॉयफ्रेंड गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कोरबा

पंचवटी के पास एक महीने पहले ड्यूटी जा रही युवती पर चाकू से जानलेवा हमला करने वाले मुख्य आरोपी और उसके नाबालिग सहयोगी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने पूछताछ में कबूल किया कि वह गर्लफ्रेंड से ब्रेकअप के बाद तनाव में था और रास्ते में मोबाइल पर बात करती युवती को देखकर उस पर हमला कर दिया।

पुलिस के अनुसार, घटना 27 मार्च 2026 की सुबह करीब पौने 11 बजे की है। सीएसईबी चौकी अंतर्गत पंप हाउस निवासी युवती रोज की तरह पैदल ड्यूटी करने जा रही थी। इसी दौरान बाइक सवार दो लोगों ने पीछे से चाकू से हमला कर दिया। युवती को गंभीर रूप से घायल कर आरोपी मौके से फरार हो गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की थी।

100 से अधिक सीसीटीवी फुटेज खंगाले

पुलिस ने जांच के दौरान आस-पास के क्षेत्रों के 100 से अधिक संदिग्धों से पूछताछ की। सीसीटीवी फुटेज और मुखबिर की सूचना पर एक महीने की मशक्कत के बाद पुरानी बस्ती धनवार पारा निवासी शक्ति कुमार साहीस 19 वर्ष और उसके नाबालिग साथी का पता चला। हिरासत में लेकर पूछताछ करने पर दोनों ने अपराध स्वीकार कर लिया। मुख्य आरोपी शक्ति कुमार ने बताया कि कुछ दिन पहले उसका गर्लफ्रेंड से ब्रेकअप हो गया था। गर्लफ्रेंड के धोखा देने से वह तनाव में था। घटना वाले दिन वह अपने नाबालिग साथी के साथ चाकू लेकर गर्लफ्रेंड को मारने निकला था। रास्ते में उसे युवती मोबाइल पर बात करते हुए पैदल जाते दिखी। आरोपी को लगा कि वह अपने बॉयफ्रेंड से बात कर रही है और उसकी गर्लफ्रेंड की तरह धोखा देगी। इसी गुस्से में उसने युवती पर पीछे से चाकू से वार कर दिया। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। मुख्य आरोपी को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है, जबकि नाबालिग को बाल संप्रेक्षण गृह भेजा गया है। पुलिस मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है।

छह माह से फरार चल रहा था आरोपी, गौरेला थाना क्षेत्र का मामला, पूछताछ में आरोपी ने स्वीकारी अपनी संलप्तिता

नकली सोना देकर लाखों की ठगी करने वाला एक अन्य आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गौरेला-पेंड्रा-मरवाही

जिले के गौरेला थाना क्षेत्र में नकली सोना देकर लाखों रुपये की ठगी करने वाले गिरोह के एक और आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। करीब छह माह से फरार चल रहे आरोपी तेरसाराम प्रजापति (32 वर्ष) निवासी बोकरामुड़ा चौकी कोडगार थाना पेंड्रा, को मुखबिर की सूचना के आधार पर हिरासत में लिया गया। पूछताछ में आरोपी ने अपराध में अपनी संलिप्तता स्वीकार कर ली, जिसके बाद गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

जानकारी के अनुसार, मुंगेली जिले के तिलकपुर निवासी उमेन्द्र साहू ने गौरेला थाना में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि आरोपी नरेन्द्र साहू, सरोज साहू एवं उनके साथियों ने उसे सोने के बिस्किट मिलने का झांसा दिया। आरोपियों ने पहले असली सोने का नमूना दिखाकर विश्वास में लिया और 1 किलोग्राम सोना 10 लाख रुपये में देने का सौदा तय किया। 5 दिसंबर 2025 को पीड़ित से नगद राशि लेने के बाद आरोपी नकली सोने के बिस्किट देकर फरार हो गए। बाद में जांच कराने पर सोना नकली निकला, तब पीड़ित ने आरोपियों से पैसे वापस मांगे, लेकिन उन्हें धमकियां देकर टालमटोल किया गया। पीड़ित की शिकायत मिलने पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

गिरोह के अन्य साथी पहले ही पकड़ा चुके

जांच के दौरान पुलिस ने पूर्व में ही आरोपी नरेन्द्र साहू और सरोज साहू को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। वहीं, फरार आरोपी तेरसाराम प्रजापति की लगातार तलाश की जा रही थी। आरोपी के कब्जे से नगदी रकम भी जब्त की गई है। पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपी संगठित गिरोह बनाकर इस प्रकार की ठगी की वारदातों को अंजाम देते थे। तेरसाराम प्रजापति के खिलाफ पूर्व में भी सरगुजा और कोरिया जिलों के थानों में आपराधिक मामले दर्ज हैं।

एंटी नारकोटिक टास्क फोर्स और सरायपाली थाना पुलिस की संयुक्त बड़ी कार्रवाई

महासमुंद। छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले में एंटी नारकोटिक टास्क फोर्स और सरायपाली थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। टीम ने कार्रवाई करते हुए अंतरराज्यीय गांजा तस्करी के एक बड़े नेटवर्क का खुलासा किया है। इस मामले में 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में 2 महिलाएं भी शामिल हैं। महिलाएं लंबे समय से तस्करी के काम में शामिल थीं। मामले की जानकारी देते हुए पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आरोपियों के पास से तस्करी में इस्तेमाल दो मोटरसाइकिल, दो मोबाइल फोन सहित कुल 3 लाख 15 हजार की संपत्ति जब्त की गई है। यह गांजा ओडिशा से लाकर सरायपाली क्षेत्र के देवलभाटा गांव में खपाने की योजना थी। आरोपी गांजा को पुड़िया बनाकर बेचने की तैयारी में थे, जिससे स्थानीय स्तर पर इसकी खपत की जा सके।

तीन माह में पकड़ाए करीब 213 आरोपी

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले में लगातार चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। पिछले तीन महीनों में 81 मामलों में कुल 5779.831 किलोग्राम गांजा जब्त किया गया है और 213 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें 53 छत्तीसगढ़ और 160 अन्य राज्यों के निवासी हैं। अधिकारियों ने कहा कि ड्रग तस्करी के खिलाफ आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

सूचना मिलने पर पुलिस ने की घेराबंदी

अधिकारियों ने बताया कि 30 अप्रैल को मुखबिर से मिली सटीक सूचना के आधार पर यह कार्रवाई हुई है। सूचना मिली थी कि ओडिशा से कुछ लोग गांजा लेकर आने वाले हैं और सरायपाली क्षेत्र में इसकी खरीद-फरोख्त करेंगे। इस पर पुलिस ने ग्राम अर्जुंदा के पास घेराबंदी कर निगरानी शुरू की।

पर्यटकों में भय सुरक्षा के खास इंतजामों की अनदेखी

गौरीघाट व भेड़ाघाट में नौकायान पर भी उठ रहे सवाल

बरगी डैम में हुई क्रूज दुर्घटना के बाद नर्मदा तट के प्रमुख घाटों गौरीघाट और भेड़ाघाट पर भय का माहौल गहरा गया है। नौकायन को लेकर लोगों का भरोसा डगमगाया है और सुरक्षा इंतजामों की हकीकत पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं।

हरिभूमि जबलपुर।

गौरीघाट में संक्रांति मेले के दौरान हुई वह दर्दनाक नाव दुर्घटना, जिसमें 9 लोगों की जान चली गई थी, एक बार फिर चर्चा में है। बरगी हादसे के बाद इस पुराने हादसे की यादें ताजा हो गई हैं। स्थानीय लोग बताते हैं कि उस समय भी सुरक्षा व्यवस्थाओं में खामियां उजागर हुई थीं, लेकिन समय बीतने के साथ हालात फिर वैसे ही हो गए। यही वजह है कि अब लोगों के मन में डर और गहरा गया है।

नाव में बैठने से पहले जांच रहे सुरक्षा

घाटों पर पहुंचने वाले श्रद्धालु और पर्यटक अब नाव में बैठने से पहले लाइफ जैकेट, नाव की स्थिति और क्षमता को लेकर खुद ही जांच-पड़ताल कर रहे हैं। कई लोग परिवार के साथ जोखिम लेने से बच रहे हैं, तो कुछ लोग नाव में बैठने से ही परहेज कर रहे हैं।

गौरीघाट में जोखिम भरा संचालन जारी

गौरीघाट में दो नावों को जोड़कर बाइक और सवारों को नदी पार कराना अब भी जारी है। इस दौरान सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नजर नहीं आते। बिना लाइफ जैकेट और निगरानी के एक साथ दर्जनों लोग नदी पार करते हैं, जो किसी बड़े हादसे को न्योता देने जैसा है। घाटों पर नावों में क्षमता से अधिक सवारियां बैठाने का सिलसिला भी जारी है। खासकर रविवार और छुट्टी के दिनों में श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ने पर यह समस्या और गंभीर हो जाती है। ऐसे में छोटी सी चूक भी बड़ी त्रासदी में बदल सकती है।

भेड़ाघाट में भी सुरक्षा पर सवाल

भेड़ाघाट, जो अपनी प्राकृतिक सुंदरता और वोटिंग के लिए देशभर में प्रसिद्ध है, वहां भी सुरक्षा इंतजाम संतोषजनक नहीं हैं। नावों में मौजूद लाइफ जैकेट्स की गुणवत्ता पर सवाल उठ रहे हैं—कई जैकेट फटी हुई हैं, तो कई उपयोग के लायक नहीं हैं। पर्यटकों का कहना है कि जैकेट होने के बावजूद वे खुद को सुरक्षित महसूस नहीं करते, जिससे डर का माहौल और बढ़ रहा है।

प्रशासन से तत्काल कार्रवाई की मांग

शहरवासियों और सामाजिक संगठनों ने प्रशासन से मांग की है कि सभी घाटों पर सघन जांच अभियान चलाया जाए, ओवरलोडिंग पर सख्त रोक लगाई जाए और फायर व सेफ्टी मानकों का पालन सुनिश्चित किया जाए। फिलहाल हालात यह हैं कि नर्मदा तट पर नौकायन, जो कभी आकर्षण का केंद्र था, अब लोगों के लिए डर और असुरक्षा का कारण बनता जा रहा है। यदि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो इतिहास खुद को दोहरा सकता है।

देशभर में सख्ती, यहां सुस्ती

बरगी हादसे के बाद देश के अन्य शहरों में नावों की जांच और सुरक्षा को लेकर सख्ती बढ़ा दी गई है, लेकिन जबलपुर में अब तक वैसी सक्रियता नजर नहीं आ रही। इससे लोगों में नाराजगी भी देखी जा रही है।

बिना लाईफ जैकेट के नर्मदा तटों में नाव संचालन पर रोक

बरगी क्रूज हादसे के बाद नगर निगम भी अलर्ट मोड पर आ गया है। निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार निगम की पूरी टीम के साथ गौरीघाट पहुंचे जहां नाविकों को बुलाकर उनसे संवाद स्थापित किया और श्रद्धालुओं की सुरक्षा के संबंध में जानकारी ली गई। इस दौरान नाविकों द्वारा लाइफ जैकेट की व्यवस्था होने की बात कही और उन सभी ने निगमायुक्त को यह भी आश्स्त किया कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा में कोई कोताही नहीं की जायेगी और न ही नाव संचालन में कोई लापरवाही की जायेगी। निगमायुक्त ने बिना लाइफ जैकेट के गौरीघाट के सभी तटों पर नाव संचालन व्यवस्था पर प्रतिबंध लगा दिया है। उन्होंने शहर के सभी श्रद्धालुओं से भी अपील की है कि मौसम को देखते हुए सुरक्षा भाव को दृष्टिगत रखते हुए नौकाबिहार करने से बचें।

वैशाख पूर्णिमा पर हुई माँ नर्मदा की प्राण प्रतिष्ठा

जबलपुर। वैशाख पूर्णिमा के पावन पर्व पर माँ नर्मदा जी की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा षोडोपचार विधि से आचार्य पुरोहित के वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ महावीर कॉलोनी स्थित शिव कुटी मंदिर गार्डन में संपन्न हुई। कार्यक्रम के प्रथम चरण में मोक्ष दायिनी माँ नर्मदा जी की भव्य शोभायात्रा निकाली गई जिसमें कलशधारी महिलाएं, बैंड बाजा के साथ चल रही थीं शोभा यात्रा का जगह-जगह स्वागत किया गया। इस शुभ मुहूर्त के अवसर पर श्री पंचखंड द्वादश पीठाधीशवर दंडी स्वामी कालिकानंद नंद सरस्वती स्वामी प्यारेनंद ने महामण्डलेश्वर डॉ. स्वामी राधेचैतन्य के माध्यम से गरिमामय उपस्थिति में सभी श्रद्धालुजनों को आशीर्वाद दिया। शोभायात्रा में कालीमठ के महंत चंद्रशेखरानंद ने बताया कि सनातन सत्य है, माँ नर्मदा जी जीवन दायिनी हैं, हृदय की रेखा है, मोक्ष दायिनी है। आचार्य पं. नीरज पाठक, पं. अश्वनी शुक्ला, पं. सुनील द्विवेदी के साथ वरिष्ठ समाजसेवी संदीप जैन, अनिल उसरेटे, विजय साहू, गणेश सोनी, जय ईशवानी, अशोक मिश्रा, कौशलेश पांडे, जितेन्द्र शर्मा, डीसी भट्ट, अजय यादव, राबिन रजक, पूरन सिंह राजपूत, महेश वर्मा आदि की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

ऑल इंडिया समता सैनिक दल ने मनाई बुद्ध जयंती पुस्तक "हर घर गौतम बुद्ध" का हुआ विमोचन

जबलपुर। आल इंडिया समता सैनिक दल की जिला इकाई जबलपुर द्वारा 1 मई 2026 को बुद्ध जयंती श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई। प्रातः 9 बजे हाई कोर्ट स्थित डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर चौक पर जनरल सेक्रेटरी अशोक शेन्डे, प्रदेश अध्यक्ष अशोक रामटेके एवं जिला अध्यक्ष बिंदुसार कापसे ने आंबेडकर प्रतिमा पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्ज्वलित किया। इसके बाद सभी सदस्यों ने सामूहिक त्रिशरण पंचशील ग्रहण किया। इस अवसर पर अशोक शेन्डे ने त्रिगुण पावन पूर्णिमा की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में सचिव दिलीप सहारे, कोषाध्यक्ष संतोष अतुलकर, सहसचिव डॉ. संजय शेंडे सहित जेए रामटेके, प्रशांत बागडे, पंकज पाटिल, सुरेश मेश्राम और सिद्धांत पाटिल उपस्थित रहे। इसके पश्चात रामपुर स्थित विश्वदीप बुद्ध विहार में सुबह 11:30 बजे अध्यक्ष टीडी हुमने की अध्यक्षता एवं अशोक शेंडे के मुख्य आतिथ्य में दल के चैयरमेन डॉ. एचआर गोयल के सौजन्य से प्रकाशित पुस्तक "हर घर गौतम बुद्ध" का विमोचन किया गया। कार्यक्रम में केएल वर्मा, एसके गायकवाड़, सिद्धार्थ खरे, कृपा खरे सहित अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। अंत में सिवनी इकाई के सदस्य स्व. श्रवण बारमाटे एवं बरगी डैम हादसे में मृतकों को दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई।

कटंगी में 78वां सालाना उर्स-ए-अकदस आज से

कटंगी। कटंगी में आयोजित होने वाला 78वां सालाना उर्स मुबारक हज़रत सैय्यद ज़िन्दा शाह वली ए कामिल का आयोजन आज से शुरू हो रहा है। तीन दिवसीय इस धार्मिक कार्यक्रम में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ने की संभावना है। आज 3 मई को शाम 5 बजे शाही संदल शरीफ व चादर जुलूस वार्ड नंबर 8 समीचौक से मदार चौक, बुरहानिया चौक, मेन रोड होते हुए आस्ताना-ए-आलिया पहुंचेगा, जहां चादर पेश की जाएगी। 4 मई को रात 10 बजे से कव्वाली का आयोजन होगा, जिसमें जाविद हुसैन (रामपुर, यूपी) और नियाज़ सुलैमानी (मध्यप्रदेश) अपने कलाम पेश करेंगे। वहीं 5 मई को मशहूर कव्वाल अज़ीम नाज़ा (मुंबई) और गुलाम वारिस (दिल्ली) की प्रस्तुतियां होंगी। उर्स कमेटी के सदर मोहम्मद हन्नान नायब, मो. राशिद राजा, मो. इदरीश, मो. आबिद ठेकेदार सहित अन्य सदस्यों ने श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की है।

संविदा व आउटसोर्स कर्मियों के नियमितीकरण की मांग, राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन

जबलपुर। अखिल भारतीय मानव अधिकार समिति ने देशभर के आउटसोर्स एवं संविदा कर्मियों की समस्याओं को लेकर राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री के नाम संभागायुक्त को ज्ञापन सौंपा। समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष अजय पांडेय ने कर्मियों को नियमित करने, कलेक्टर रेट लागू करने तथा समय पर वेतन भुगतान सुनिश्चित करने की मांग उठाई।

ज्ञापन में मजदूरों को उचित पारिश्रमिक, नौकरी की गारंटी, दुर्घटना बीमा, पेंशन योजना तथा पुरानी पेंशन योजना लागू करने की बात कही गई। साथ ही एनपीएस समाप्त करने, अतिआवश्यक सेवाओं में कार्यरत कर्मचारियों को बीमा व सुरक्षा देने और वेतन में सुधार की मांग रखी गई। समिति ने संविदा पर कार्यरत युवाओं के नियमितीकरण, सभी वर्गों को समान अवसर देने तथा रोजगार व्यवस्था में सुधार की भी मांग की।

हाईकोर्ट का आदेश

आरक्षित वर्ग के प्रतिभावान प्राथमिक शिक्षकों को मैरिट के आधार पर लाभ दें

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने आरक्षित वर्ग के प्रतिभावान प्राथमिक शिक्षकों को मैरिट के आधार पर लाभ प्रदान करने का राहतकारी निर्देश दिया है। जस्टिस विवेक अग्रवाल व जस्टिस विवेक जैन की डिवीजन बेंच ने इसके तहत स्कूल शिक्षा विभाग से पूर्व मुख्यमंत्री आदिवासी कल्याण विभाग अंतर्गत की गई सेवा अवधि को जोड़ने और शत-प्रतिशत वेतन देने को कहा है।

याचिकाकर्ता जबलपुर निवासी प्रवीण कुमार कुर्मी सहित अन्य की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता रामेश्वर सिंह ठाकुर ने दलील दी कि आयुक्त लोक शिक्षण ने हाईकोर्ट के पूर्व आदेश की मनमानी व्याख्या कर आरक्षित वर्ग के प्रतिभावान प्राथमिक शिक्षकों को आदिवासी कल्याण विभाग में दो वर्ष से अधिक की गई सेवा का लाभ न देते हुए स्कूल शिक्षा विभाग में नए सिरे से पदस्थाना की व्यवस्था दे दी थी। इससे याचिकाकर्ताओं को आर्थिक के साथ वरिष्ठता का नुकसान हो रहा था। इसीलिए न्यायहित में हाई कोर्ट चले आए। दरअसल, पसंद की शालाओं में पदस्थाना न देते हुए पूर्व में जनजातीय कार्य विभाग की शालाओं में, जो उनके निवास से 400 से 900 किलोमीटर दूर थीं, पदस्थ कर दिया गया था। जबकि उनसे कम अंक पाने वाले अन्य वर्ग के अभ्यर्थियों को उनके गृह नगर में पदस्थ किया गया था। इसी भेदभाव को चुनौती दी गई थी।

हाईकोर्ट ने अनावेदकों को नोटिस जारी कर मांगा जवाब

सेवानिवृत्त कर्मी से 24 लाख की रिकवरी के आदेश पर रोक

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट से एक सेवानिवृत्त व्याख्याता को बड़ी राहत मिली है। कोर्ट ने उसके विरुद्ध जारी 24 लाख की रिकवरी आदेश पर रोक लगा दी है। इसके साथ ही अनावेदकों को नोटिस जारी कर चार सप्ताह में जवाब पेश करने के निर्देश दिए हैं। यह मामला सेवानिवृत्त कर्मी अरविंद कुमार कुररिया की ओर से दायर किया गया था। जिसकी ओर से अधिवक्ता सत्येन्द्र ज्योतिषी ने दलील दी कि याचिकाकर्ता शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला, दमोह सें व्याख्याता के पद से सेवानिवृत्त हुआ। इसके बाद 23 फरवरी, 2026 को शासन ने उसके विरुद्ध 24 लाख रुपये की रिकवरी का नोटिस जारी कर दिया। जिसके बाद आवेदक की ओर से शासन को अभ्यावेदन दिया गया और बताया गया कि पूर्व में उसके द्वारा रिकवरी करा दी गई है, शासन से उन्होने कोई भी राशि नहीं ली है। 24 लाख की रिकवरी का आदेश विधि-विरुद्ध है। नियमानुसार सेवानिवृत्त कर्मी से किसी भी प्रकार की राशि कटौती नहीं की जा सकती।

भव से पार करती है भागवत कथा : नारायण महाराज

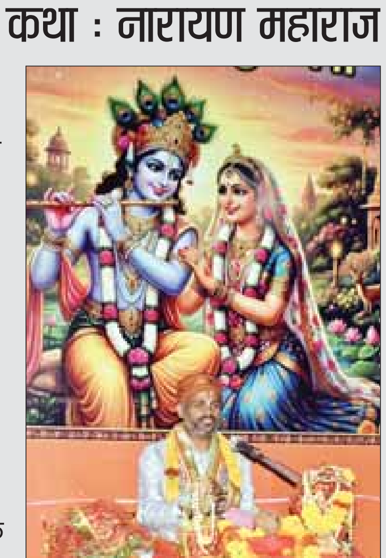

जबलपुर। "भागवत भगवान की कथा भव से पार करती है, जो भागवत की शरण में आते हैं, उनका लोक परलोक दोनों संवर जाता है, मनुष्य का परम लक्ष्य है परमात्मा की भक्ति को प्राप्त करना, जो की भागवत हर जीव को अपनी भक्ति प्रदान करती है और वह भक्ति परमात्मा को प्राप्त कर देती है। भागवत कथा में भगवान का जन्मोत्सव, भगवान के विवाह के माध्यम से भक्तों के हृदय में आनंद, उल्लास एवं हर्ष का सागर भर जाता है और भक्त लोग इस भागवत के माध्यम से सपरिवार सम्मिलित होकर मोक्ष को प्राप्त करते हैं।" यह उद्गार भागवत कथा के दौरान कथा व्यास आचार्य नारायण महाराज ने व्यक्त किए। यह भावगत कथा का आयोजन उजारपुरवा आगा चौक में हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में शामिल होकर श्रद्धालुओं ने धर्म लाभ अर्जित किया।

उपभोक्ता आयोग का आदेश

कैशलेस सुविधा का लाभ न देना सेवा में कमी

जबलपुर। जिला उपभोक्ता आयोग ने नेशनल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड को सेवा में कमी का दोषी पाया। इसी के साथ 30 दिन के भीतर दावे का निराकरण करने के निर्देश दिए। यही नहीं मानसिक पीड़ा के एवज में पांच हजार व मुकदमे का खर्च दो हजार भी भुगतान करने को कहा। परिवादी जबलपुर निवासी रुचिरा गुप्ता व शुभम केशरवानी की ओर से दलील दी गई कि परिवादियों ने मेडसेव हेल्थ इंश्योरेंस कंपनी की कैशलेश मेडिकल पॉलिसी ली थी। उक्त बीमा कंपनी का अनुबंध नेशनल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड से था और उक्त बीमा कंपनियों से जबलपुर स्थित निजी अस्पताल अनुबंधित था। रुचिरा 19 अप्रैल 2024 को बीमार हुई। लिहाजा, पति शुभम ने निजी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां गंभीर स्थिति को देखते हुए आकस्मिक विभाग में भर्ती कर ईलाज शुरु किया गया। स्थिति में सुधार होने पर जनरल वार्ड में स्थानांतरित कर दिया गया और वहां उनका इलाज हुआ। इलाज के बाद अस्पताल द्वारा उन्हें अवगत कराया गया कि उनके भुगतान बीमा कंपनियों द्वारा नहीं किया जा रहा है। इस संबंध में जब पीड़ित पक्ष ने बीमा कंपनियों से संपर्क किया तो उन्होंने कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया। इसलिए रुचिरा गुप्ता को 20 घंटा अतिरिक्त अस्पताल में रुकना पड़ा और उनके पति ने उधार लेकर अस्पताल का बिल अदा किया।

गौरीघाट 85% भिक्षावृत्ति मुक्त, स्वच्छता व सुरक्षा पर नगर निगम सख्त

जबलपुर। गौरीघाट स्थित मां नर्मदा नदी के पावन तट को स्वच्छ और भिक्षावृत्ति मुक्त बनाने की दिशा में बड़ी पहल सामने आई है। नगर निगम के प्रयासों से यहां चिन्हित 367 भिक्षुओं में से लगभग 85 प्रतिशत का पुनर्वास किया जा चुका है। निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार के मार्गदर्शन में शेष भिक्षुओं को भी मुख्यधारा से जोड़ने के प्रयास जारी हैं। निरीक्षण के दौरान स्वच्छता व्यवस्था की समीक्षा करते हुए दुकानदारों को "स्वच्छता प्रहरी" की जिम्मेदारी दी गई है। वे न केवल अपने क्षेत्र में सफाई रखेंगे, बल्कि श्रद्धालुओं को भी जागरूक करेंगे। वहीं बरगी डैम क्रूज हादसे के बाद सुरक्षा को लेकर सख्ती बरती गई है। नाव संचालन के लिए लाइफ जैकेट अनिवार्य कर दी गई है और बिना सुरक्षा उपकरण के नाव चलाने पर प्रतिबंध लगाया गया है। श्रद्धालुओं से भी मौसम को देखते हुए सतर्कता बरतने की अपील की गई है।

भारत कृषक समाज की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में लिए गए अहम निर्णय

नीति आयोग, लागत मूल्य आयोग एवं कृषि से जुड़ी शासकीय संस्थाओ में देश के वास्तविक किसान प्रतिनिधियों की भागीदारी सुनिश्चित हो

किसानों के बजट में बढ़ोतरी व कृषि नीति में परिवर्तन किया जाए, कृषक समाज की मांग

अहमदाबाद

किसानों के गैर राजनैतिक, वर्ग विहीन, राष्ट्रीय संगठन भारत कृषक समाज की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक गुजरात के अहमदाबाद में राष्ट्रीय अध्यक्ष अजय वीर जाखड़ की अध्यक्षता में संपन्न हुई। देश के सभी प्रांतों से राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्यो ने बैठक में भाग लिया। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष इंजी. के के अग्रवाल ने बताया की बैठक में अध्यक्ष द्वारा विगत वर्ष की गतिविधियों, उपलब्धियों एवं इस वर्ष के लक्ष्यों की जानकारी दी गई, उन्होंने बताया की कृषि नीति व देश के किसानों की महती समस्याओं को लेकर नीति आयोग, कृषि लागत मूल्य आयोग, केंद्रीय वित्त एवं कृषि मंत्री तथा सचिव स्तर के उच्च अधिकारियों के साथ बैठके आयोजित कर समस्याओं के निराकरण हेतु सुझाव एवं सरकार पर दवाब बनाने के निरन्तर प्रयास किये जा रहें हैं। बैठक में गांव, खेत, किसान के बजट को अपर्याप्त बताते हुए, बढ़ाने की मांग के साथ आबंटित बजट की लगभग आधी राशि के खर्च न होने व लेप्स होने पर चिंता व्यक्त की गई। बैठक मे कृषि नीति के निर्धारण एवं किसानों के लिए सरकार के निर्णय में किसानों के सुझावों को प्रमुखता दिये जाने तथा कृषि से जुड़ी संस्थाओ मे देश के विभिन्न हिस्सों से किसानों के वास्तविक प्रतिनिधियों की भागीदारी सुनिश्चित किये जाने की मांग के साथ समर्थन मूल्य, मंडी, आयात- निर्यात, विश्व व्यापार संगठन के बढ़ते दबाव, कृषि आदानो की कमी, एवं बढ़ते दामों से खेती की लागत मे बढ़ोतरी आदि समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य दिल्ली से लोकेन्द्र सिंह, महाराष्ट्र से मुरलीधर पाटिल, डॉ वसंत लुंगे, तमिलनाडु से के आर अंडूगौडर,पंजाब से मेजर मनमोहन सिंह, सुखपाल भुल्लर, हरयाणा से चांदबीर सिंह, कर्नाटक से मनोज सिंह हजारी, ओड़सिा से प्रदीप मोहन्ती, श्रीमती देबा स्मिता, मध्यप्रदेश से चौधरी भारत सिंह, वेस्ट बंगाल से हसानू जमाल, बिहार से मनोज झा, राजस्थान से डॉ आर एस जाखड़, उत्तरप्रदेश से विजय दीक्षित सहित झारखंड, कश्मीर, तेलंगाना, गुजरात आदि प्रदेशो के कृषक प्रतिनिधियों ने महत्वपूर्ण सुझाव प्रस्तुत किये जिन्हे केंद्र सरकार को सौपे जाने वाली शिफारिशो के ड्राफ्ट में शामिल किया गया।

165 एडिशनल काउंटिंग और 77 पुलिस ऑब्जर्वर किए नियुक्त

चुनाव आयोग का बंगाल को लेकर बड़ा फैसला

पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के खत्म होने के बाद और वोट काउंटिंग से पहले स्टॉन्ग रूम और इलेक्टॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) में छेड़छाड़ के आरोपों को लेकर बवाल मचा हुआ है। इस बीच चुनाव आयोग ने शनिवार (2 मई, 2026) को बड़ा कदम उठाते हुए पश्चिम बंगाल में 165 अतिरिक्त मतगणना पर्यवेक्षक और 77 पुलिस पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की है। आयोग ने कहा कि जिन 165 विधानसभा क्षेत्रों में एक से ज्यादा काउंटिंग हॉल हैं, वहां काउंटिंग ऑब्जर्बर की मदद के लिए अतिरिक्त मतगणना पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की गई है। इस नियुक्ति के दौरान सभी ऑब्जर्ब्स आयोग के अधीन रहेंगे और आयोग की नियंत्रण और नेतृत्व में कार्य करेंगे। आयोग ने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि काउंटिंग सेंटर्स पर तैनात पुलिस ऑब्जर्बर किसी भी हालत में वोटों की गिनती के दिन और दौरान काउंटिंग हॉल में नहीं जाएंगे। पुलिस पर्यवेक्षक वोट काउंटिंग प्रक्रिया के दौरान मतगणना पर्यवेक्षकों और अन्य तैनात चुनावी मशीनरी के साथ मिलकर काम करेंगे।

टीएमसी ईवीएम से छेड़छाड़ के लिए की जाने वाली हर तरह की कोशिश को विफल करेगी: ममता

मतगणना से पहले टीएमसी और भाजपा के बीच आरोप-प्रत्यारोप का खेल हुआ तेज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव की मतगणना से पहले टीएमसी और भाजपा के बीच आरोप प्रत्यारोप का खेल तेज हो गया है। तृणमूल कांग्रेस ने ईवीएम और बैलेट पेपर से छेड़छाड़ का आरोप लगाया तो भाजपा ने इसे ममता बनर्जी का चुनाव में हार से पहले का भय बताया है। गुरुवार रात मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अचानक सखावत मेमोरियल गर्ल्स हाई स्कूल पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया था। यह वही स्थान है जहां भवानीपुर सीट की ईवीएम मशीनें रखी गई हैं। मुख्यमंत्री देर रात तक वहां मौजूद रहीं।

उन्होंने आरोप लगाया कि उन्हें कई स्थानों से ईवीएम में गड़बड़ी की जानकारी मिली है, जिसके बाद वह खुद स्थिति देखने पहुंचीं। इस पूरे घटनाक्रम के बीच चुनाव आयोग और प्रशासन की ओर से भी स्थिति स्पष्ट करने की कोशिश की गई। पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी मनोज अग्रवाल ने कहा है कि मतगणना केंद्रों पर किसी भी प्रकार की गड़बड़ी की कोई संभावना नहीं है और सभी स्ट्रॉन्ग रूम चौबीस घंटे सीसीटीवी निगरानी में हैं, जिसे बाहर से भी देखा जा सकता है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि बिना ठोस प्रमाण के लगाए गए आरोप निराधार हैं। इसी बीच कलकत्ता हाईकोर्ट ने मतगणना में केंद्रीय कर्मियों की नियुक्ति के खिलाफ दायर याचिका को खारिज करते हुए कहा कि यह निर्वाचन आयोग का अधिकार क्षेत्र है और इसमें कोई अवैधता नहीं है।

अधिकारी ने मुख्यमंत्री के आरोपों को बताया तथ्यहीन और भ्रामक

राज्य की 294 विधानसभा सीटों में 23 और 29 अप्रैल को हुआ था मतदान, 4 को होगी मतगणना

संदेह जताना मुख्यमंत्री की पुरानी आदत : अधिकारी

वहीं दूसरी ओर भारतीय जनता पार्टी के नेता शुभेन्दु अधिकारी ने मुख्यमंत्री के आरोपों को पूरी तरह तथ्यहीन और भ्रामक बताया। उन्होंने कहा कि ईवीएम को लेकर संदेह जताना मुख्यमंत्री की पुरानी आदत है और यह उनकी संभावित हार के डर को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि हर चुनाव से पहले ऐसे आरोप लगाना तृणमूल कांग्रेस की रणनीति का हिस्सा बन चुका है।

ममता ने लगाया है पक्षपात का आरोप

मुख्यमंत्री बनर्जी ने कहा कि शुरुआत में केंद्रीय बलों ने उन्हें अंदर जाने से रोका, लेकिन निर्वाचन नियमों के अनुसार उम्मीदवार और चुनाव एजेंट को सील कक्ष तक जाने की अनुमति होती है। बाद में उन्होंने संबंधित अधिकारी से अनुमति लेकर अंदर प्रवेश किया। मुख्यमंत्री ने इन आरोपों के बीच यह भी कहा कि उनकी पार्टी ईवीएम से छेड़छाड़ के लिए की जाने वाली हर तरह की कोशिश को विफल करेगी। उन्होंने चुनाव आयोग पर भी पक्षपात का आरोप लगाया और कहा कि उनके दल के एजेंटों को गिरफ्तार किया गया है तथा कई जगह एकतरफा कार्रवाई हो रही है।

टीएमसी ने डाक मतपत्रों की अनधिकृत छंटाई का लगाया आरोप

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस ने कोलकाता के एक ईवीएम स्ट्रॉन्गरूम में डाक मतपत्रों की अनधिकृत छंटाई का आरोप लगाते हुए शनिवार को निर्वाचन आयोग में शिकायत दर्ज कराई। खुदीराम अनुशीलन केंद्र के बाहर डेरा डाले तृणमूल कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि डाक मतपत्रों से भरे आठ बक्से तड़के चार बजे लाए गए और उन्हें एक ऐसे कमरे में ले जाया गया, जहां सीसीटीवी कैमरे नहीं लगे हैं। तृणमूल के एक सदस्य ने सवाल किया, ''हम मांग करते आ रहे हैं कि ईवीएम और डाक मतपत्रों वाले हर एक मिलीमीटर स्थान पर सीसीटीवी निगरानी रखी जाए। लेकिन जब इन बक्सों को अंदर ले जाया गया, तो यह साफ हो गया कि उन्हें सीसीटीवी की पहुंच से दूर कमरे में ले जाया गया। आखिर ऐसा क्यों?'' उत्तरी और पूर्वी कोलकाता के कई विधानसभा क्षेत्रों की मतदान मशीनें खुदीराम अनुशीलन केंद्र के स्ट्रॉन्गरूम में रखी हैं। तृणमूल कार्यकर्ताओं के प्रदर्शन के बीच भाजपा की श्यामपुकुर से उम्मीदवार पूर्णिमा चक्रवर्ती अपने समर्थकों के साथ मौके पर पहुंच गईं, जिससे तनाव और बढ़ गया। दोनों पक्ष नारेबाजी करने लगे, जबकि पुलिस स्थिति को नियंत्रण में लाने की कोशिश करती रही। चक्रवर्ती ने दावा किया कि हार के डर से तृणमूल कार्यकर्ता स्ट्रॉन्गरूम के बाहर हंगामा कर रहे हैं। बाद में तृणमूल ने कहा कि उसने इस मामले में निर्वाचन आयोग में शिकायत दर्ज करा दी है।

प. बंगाल की दो सीटों के 15 केंद्रों पर पुनर्मतदान

पुनर्मतदान में भी हंगामे, बवाल के बीच हुई 87 प्रतिशत वोटिंग

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले की दो विधानसभा सीट के 15 केंद्रों पर शनिवार को पुनर्मतदान शाम छह बजे समाप्त हो गया और मतदान खत्म होने से एक घंटे पहले करीब 87 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया।

वोटिंग के दौरान भी आरोप प्रत्यारोप का दौर चला। तृणमूल कांग्रेस ने आरोप लगाया कि डायमंड हार्बर सीट के चंदा प्राथमिक स्कूल स्थित मतदेय केंद्र संख्या-179 पर एक दिव्यांग मतदाता और उसकी मां के साथ केंद्रीय बलों ने दुर्व्यवहार किया। इस कथित घटना के बाद पार्टी कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया। एक निर्वाचन अधिकारी ने कहा, 'तृणमूल कांग्रेस की नेता मनमोहिनी विश्वास और प्रतीक उर रहमान मौके पर पहुंचे और विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व किया। स्थानीय लोगों ने इस कार्रवाई को बेवजह की उत्पीड़न बताया। वहां मौजूद हमारे अधिकारियों ने मामले को संभाल लिया है।' उन्होंने बताया कि इसके अलावा क्षेत्र के 15 मतदेय केंद्रों पर मतदान शांतिपूर्ण रहा।

धांधली की मिली थी शिकायत

पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले की दो विधानसभा सीट के 15 केंद्रों पर शनिवार को पुनर्मतदान शाम छह बजे समाप्त हो गया और मतदान खत्म होने से एक घंटे पहले करीब 87 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। एक अधिकारी ने बताया कि शाम 5 बजे तक 86.90 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। मतदान सुबह 7 बजे शुरू हुआ और शाम 6 बजे तक चला। मगराहाट पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के 11 और डायमंड हार्बर के चार मतदान केंद्रों पर वोटिंग कुल मिलाकर शांतिपूर्ण तरीके से हुई। चुनावी धांधली की जानकारी मिलने पर निर्वाचन आयोग ने शुक्रवार को इस सीट पर पुनर्मतदान का आदेश दिया था। अधिकारी ने बताया कि मगराहाट पश्चिम में 86.11 प्रतिशत और डायमंड हार्बर में 87.60 प्रतिशत मतदान हुआ।

चुनावी धांधली की जानकारी मिलने पर दक्षिण 24 परगना जिले की दो सीटों में हो रहा है दोबारा मतदान

फाल्टा में टीएमसी नेताओं पर धमकाने का आरोप

दक्षिण 24 परगना जिले के फाल्टा में शनिवार को तनाव फैल गया, जब स्थानीय लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव की मतगणना से पहले तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के कार्यकर्ता उन्हें डराने-धमकाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने पूरे क्षेत्र में केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) की तैनाती की भी मांग की ताकि सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। स्थिति को देखते हुए प्रशासन ने इलाके में भारी सुरक्षा बल तैनात किए हैं। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) और रैपिड एक्शन फोर्स (आरएएफ) के जवान महत्वपूर्ण स्थानों पर तैनात किए गए हैं। सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के लिए सीआरपीएफ का एक बख्तरबंद वाहन भी लगाया गया है। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव दो चरणों में 23 अप्रैल और 29 अप्रैल को कराए गए थे। नतीजे चार मई को घोषित किए जाएंगे।

खबर संक्षेप

टीसीएस केस : आरोपी निदा को झटका

नासिक। नासिक के बहुचर्चित टीसीएस केस में शनिवार को नासिक रोड न्यायालय ने बड़ा फैसला सुनाते हुए आरोपी निदा खान की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी. इस निर्णय को मामले की जांच के लिए अहम माना जा रहा है। अदालत ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद पहले आदेश सुरक्षित रखा था, जिस पर आज फैसला सुनाया गया। इस मामले में सरकारी पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक अजय मिसर न्यायालय में उपस्थित रहे। वहीं आरोपी पक्ष की ओर से अधिवक्ता राहुल कासलीवाल ने अपनी दलीलें पेश कीं। 29 अप्रैल को इस याचिका पर बंद कक्ष में सुनवाई हुई थी। उस दौरान विशेष जांच दल की ओर से सहायक पुलिस आयुक्त संदीप मिटके ने जांच अधिकारी के रूप में न्यायालय के समक्ष अपना पक्ष रखा और जमानत का विरोध किया। इससे पहले 18 अप्रैल को भी आरोपी की अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई हुई थी।

सहाय बने रक्षा मंत्रालय के नए वित्त सचिव

नई दिल्ली। वर्ष 1990 बैच के भारतीय रक्षा लेखा सेवा के वरिष्ठ अधिकारी विश्वजीत सहाय रक्षा मंत्रालय के नए रक्षा वित्त सचिव नियुक्त किए गए हैं। उन्होंने 1 मई को रक्षा मंत्रालय में रक्षा वित्त सचिव का पद संभाला। इससे पहले वह कंट्रोलर जनरल ऑफ डिफेंस अकाउंट्स के पद पर कार्यरत थे। विश्वजीत सहाय लॉ ग्रेजुएट भी हैं। रक्षा मंत्रालय के अनुसार सहाय के पास रक्षा वित्त और प्रशासन के क्षेत्र में 30 वर्षों से अधिक का व्यापक अनुभव है। मंत्रालय ने बताया कि रक्षा सहाय कई बड़े पदों पर काम कर चुके हैं। साथ ही विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग में अतिरिक्त सचिव और वित्तीय सलाहकार भी रह चुके हैं।

राघव के साथ भाजपा ज्वाइन करने रास सांसद के खिलाफ दो एफआईआर

पाठक को गिरफ्तार करने दिल्ली पहुंची पंजाब पुलिस

एजेंसी ▶▶| चंडीगढ़

आम आदमी पार्टी छोड़कर अभी हाल ही में भाजपा में शामिल हुए राज्यसभा सांसद संदीप पाठक पर पंजाब में दो एफआईआर दर्ज हुई हैं। संदीप पाठक के खिलाफ यह एक्शन पंजाब के दो अलग-अलग जिलों में हुआ है। राज्यसभा सांसद संदीप पाठक के खिलाफ दोनों ही एफआईआर गैर-जमानती धाराओं में उनके खिलाफ दर्ज हुई हैं। ऐसे में अब संदीप पाठक पर गिरफ्तारी का खतरा मंडरा रहा है। इस बीच, संदीप पाठक अपने दिल्ली के घर से जल्दबाजी में निकलते नजर आए। करीब आठ दिन पहले राघव चड्ढा समेत सात सासंदों के साथ संदीप पाठक भी भाजपा में शामिल हुए हैं।

घर से निकल चुके थे पाठक

वहीं, पंजाब पुलिस उनकी गिरफ्तारी के लिए दिल्ली स्थित उनके आवास तक पहुंची थी। हालांकि, इस पूरे घटनाक्रम पर अभी तक पुलिस या संबंधित एजेंसियों की ओर से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। बताया जा रहा है कि मामले की खबर सार्वजनिक होने से पहले ही संदीप पाठक अपने घर से निकल गए थे। एएनआई से फोन पर बात करते हुए पाठक ने कहा कि मुझे ऐसी किसी एफआईआर की कोई जानकारी नहीं है, न ही किसी पुलिस अफसर ने मुझको इस बारे में सूचित किया है। पाठक ने कहा कि यदि मेरे जैसे किसी शख्स के खिलाफ कोई कार्रवाई शुरू की गई है, तो यह सिर्फ उनकी दहशत को दर्शाता है। मैं इसको लेकर और कुछ नहीं कहना चाहता।

अब आप के पास केवल 3 सांसद शेष

गौरतलब है, 24 अप्रैल 2026 को आम आदमी पार्टी (आप) के 7 राज्यसभा सांसदों के बीजेपी में शामिल होने और विलय की मंजूरी मिलने के बाद, अब आप के पास केवल 3 सांसद शेष बचे हैं। पार्टी के प्रमुख नेताओं में संजय सिंह शामिल हैं, जबकि राघव चड्ढा, संदीप पाठक, अशोक मित्तल, स्वाति मालीवाल, हरभजन सिंह, विक्रम साहनी और नरेंद्र गुप्ता बीजेपी में शामिल हो चुके हैं।

गुप्ता के फैक्ट्रियों पर भी हुई थी छापामारी

इससे पहले उद्योगपति राजिंदर गुप्ता पर भी एक्शन हुआ है। वह भी आम आदमी पार्टी छोड़ बीजेपी में शामिल हुए हैं। पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (पीपीसीबी) ने हाल ही में उनकी फैक्ट्रियों पर छापामारी की थी। मामला हाई कोर्ट पहुंचने पर 4 मई तक के लिए कार्रवाई पर रोक लगा दी गई है।

नहीं रहे उद्योगपति दीनदयाल गुप्ता

कोलकाता। होजरी क्षेत्र की दिग्गज कंपनी, डॉलर इंडस्ट्रीज लिमिटेड के संस्थापक और चेयरमैन एमेरिटस, विख्यात उद्योगपति दीनदयाल गुप्ता का शनिवार को कोलकाता में उम्र संबंधी बीमारियों के कारण स्वर्गवास हो गया। उनका निधन कंपनी के साथ-साथ भारतीय होजरी और परिधान उद्योग के एक युग के अंत का प्रतीक है। उनके मार्गदर्शन में, डॉलर इंडस्ट्रीज 1700+ करोड़ से अधिक के बड़े व्यापारिक समूह के रूप में उभरी। हरियाणा के भिवानी जिले के मनहेरू गाँव में 13 सितंबर, 1937 को एक साधारण और बड़े परिवार में जन्मे श्री गुप्ता का जीवन दृढ़ता, जुझारूपन और बड़े सपने देखने की शक्ति का प्रमाण था। वर्ष 1962 में कोलकाता (तब कलकत्ता) आकर उन्होंने खरीदारों के बजट और आवश्यकताओं के अनुरूप होजरी उत्पादों का निर्माण और बिक्री शुरू की। गुप्ता के परिवार में उनकी पत्नी, चार बेटे और पोते-पोतियां हैं, जो वर्तमान में डॉलर इंडस्ट्रीज के व्यापारिक साम्राज्य का नेतृत्व कर रहे हैं। उन्होंने निर्माण और फिनिशिंग सुविधाओं के समानांतर विकास, बिक्री केंद्रों और खुदरा विक्रेताओं के नेटवर्क के निर्माण और अन्य कंपनियों द्वारा उपेक्षित बाजारों के प्रत्यक्ष विकास के माध्यम से इसे संभव बनाया।

बाजमांडू जंगल में आतंकी ठिकाना ध्वस्त, हथियारों का जखीरा जब्त

एजेंसी ▶▶| श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में शुक्रवार को सुरक्षा बलों ने एक गुप्त आतंकी ठिकाने का भंडाफोड़ करते ही आतंकवाद के मुद्दे पर बड़ी सफलता हासिल की है। अधिकारियों से प्राप्त जानकारी के अनुसार यह कार्रवाई जिले के चतरू इलाके में एक विशेष तलाशी अभियान के दौरान की गई। सुरक्षा बलों ने सिगड़ी भाटा क्षेत्र के बाजमांडू जंगल में छिपे इस ठिकाने को ढूंढ निकाला, जिससे क्षेत्र में सक्रिय आतंकी गतिविधियों को बड़ा झटका लगा है। जांच में यह बात सामने आई है कि यह ठिकाना एक खूंखार आतंकवादी कमांडर का था, जिसे सेना ने पहले ही एक मुठभेड़ में ढेर कर दिया है।

सुरक्षाबलों को मिली कामयाबी

रिपोर्ट्स के मुताबिक यह ठिकाना आतंकियों द्वारा हथियार और विस्फोटक छिपाने के लिए एक सुरक्षित आश्रय स्थल के रूप में उपयोग किया जा रहा था। तलाशी के दौरान बरामद किए गए हथियारों और रसद का जखीरा सुरक्षा बलों की सतर्कता को दर्शाता है।

कश्मीर के किश्तवाड़ में सुरक्षाबलों को मिली बड़ी सफलता

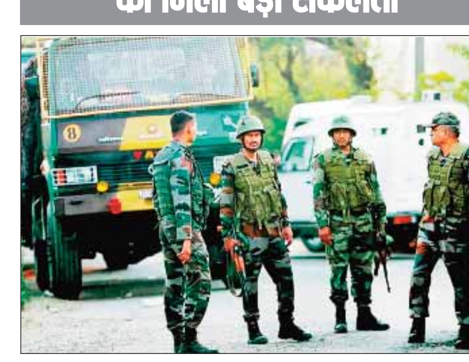

बरामद हुए खतरनाक हथियार

सुरक्षाबलों द्वारा जब्त किए गए हथियारों की बात करें तो इसमें मैगजीन के साथ एक कार्बाइन बंदूक एक पिस्तौल, एक अंडर बैरल ग्रेनेड लॉन्चर (यूबीजीएल), 51 मिमी का रॉकेट, चार डेटोनेटर लगभग एक किलोग्राम विस्फोटक, 9 मिमी के 97 कारतूस और 7.62 मिमी के 18 कारतूस मिले हैं। इसके अलावा ये भी बताया गया कि एक स्लिंग और संचार के लिए एक केनवुड रेडियो सेट व दो मोटोरोला रेडियो सेट छापेमारी के स्थल से बरामद हुआ है।

सुरक्षा व्यवस्था और सतर्कता

अधिकारियों का मानना है कि इतनी बड़ी मात्रा में विस्फोटक और रेडियो सेट की बरामदगी से किसी संभावित साजिश को नाकाम कर दिया गया है। फिलहाल, सुरक्षा बलों ने पूरे इलाके में घेराबंदी कर दी है और अन्य संदिग्ध ठिकानों की तलाश के लिए सर्च ऑपरेशन जारी रखा है।

रिकॉर्ड : कुर्क संपत्तियों का मूल्य 81,000 करोड़ रुपये से अधिक

पिछले साल ईडी ने की रिकॉर्ड छापेमारी और कुर्की

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा पिछले वित्तीय वर्ष के दौरान धनशोधन मामलों में की गई गिरफ्तारियों में लगभग 27 प्रतिशत की कमी आई है, लेकिन इस अवधि के दौरान कुर्क की गई संपत्तियों का मूल्य 81,000 करोड़ रुपये से अधिक रहा, जो अब तक का रिकॉर्ड है।

यह जानकारी आधिकारिक आंकड़े से मिली। धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के कड़े प्रावधानों के तहत केंद्रीय एजेंसी द्वारा तलाशी या छापेमारी की संख्या 31 मार्च को समाप्त हुए वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान लगभग दोगुनी होकर 2,892 हो गई। अपराध से प्राप्त आय की परिभाषा, गिरफ्तारी, तलाशी और जब्ती तथा संपत्ति कुर्क करने के संबंध में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को पीएमएलए के तहत व्यापक अधिकार प्राप्त हैं।

इस बार 156 को किया गिरफ्तार

वार्षिक रिपोर्ट (वित्त वर्ष 2025-26) में उपलब्ध कराए गए आंकड़े का अध्ययन किया और पाया कि ईडी ने उल्लेखित वित्त वर्ष में 156 लोगों को गिरफ्तार किया, जबकि 2024-25 में यह संख्या 214 थी, यानी लगभग 27 प्रतिशत की गिरावट। 2023-24 में यह संख्या 272 थी। ईडी ने बताया कि गिरफ्तारियों में कमी का कारण यह है कि वह 'अधिक लक्षित और साक्ष्य-आधारित जांच' कर रही है। एजेंसी ने एक वर्ष (वित्त वर्ष 2026) में उसके द्वारा की गई संपत्तियों की 'अब तक की सबसे अधिक' अस्थायी कुर्की के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा कि यह 712 आदेशों के तहत 81,422 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क की है और यह वृद्धि पिछले साल के मुकाबले 171 प्रतिशत अधिक है। वित्त वर्ष 2025 के दौरान 461 अस्थायी कुर्की आदेश जारी किए थे, जिनमें 30,036 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क की गई।

वार्षिक रिपोर्ट में खुलासा

गिरफ्तारी घटी, 27 प्रतिशत की आई कमी

32,000 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्तियां वापस

पिछले वित्तीय वर्ष में, ईडी ने धोखाधड़ी के पीड़ितों को कुर्क की गई संपत्तियां वापस लौटाने के अपने निर्धारित लक्ष्य को दोगुने से पार कर लिया, क्योंकि उसने उक्त अवधि के दौरान 32,000 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्तियां वापस कीं। एजेंसी ने 15,000 करोड़ रुपये की संपत्तियां वापस लौटाने का लक्ष्य रखा था। एजेंसी ने पिछले वित्त वर्ष में 32,678 करोड़ रुपये की संपत्तियां वापस कीं, जबकि वित्त वर्ष 2025 में धोखाधड़ी के पीड़ितों को 15,263 करोड़ रुपये की संपत्तियां सौंपी गई थीं। ईडी निदेशक राहुल नवीन ने वित्त वर्ष 2026 की शुरुआत में 15,000 करोड़ रुपये की संपत्तियां वापस दिलाने का लक्ष्य रखा था।

पिछले साल की तुलना में ज्यादा छापेमारी

वित्त वर्ष 2026 में पिछले वर्ष के 1,491 छापों की तुलना में दोगुनी से अधिक बढ़कर 2,892 हो गई। इसके चलते ईडी ने वित्त वर्ष 2026 के दौरान सफलतापूर्वक 812 आरोपपत्र दाखिल किए, जो एक 'रिकॉर्ड' है, जबकि पिछले वर्ष अदालतों में केवल 457 आरोप पत्र दाखिल किये गए थे। आंकड़ों के मुताबिक पीएमएलए जांच शुरू करने के लिए दर्ज की गई प्रवर्तन मामला सूचना रिपोर्ट (ईसीआईआर) की संख्या पिछले वित्तीय वर्ष में 39 प्रतिशत बढ़कर 1,080 मामले हो गई, जबकि वित्त वर्ष 2025 में केवल 775 मामले दर्ज किए गए थे।

चीन ने 53 अफ्रीकी देशों के लिए खत्म किए टैरिफ

बीजिंग। चीन ने अफ्रीका के 53 देशों के लिए टैरिफ खत्म करने का बड़ा फैसला लिया है। यह नई पॉलिसी 1 मई 2026 यानी शुक्रवार से लागू हो गई है और 30 अप्रैल 2028 तक जारी रहेगी। चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने इसका ऐलान करते हुए कहा कि, चीन के साथ डिप्लोमैटिक संबंध रखने वाले देशों के प्रोडक्ट्स पर जीरो टैरिफ लगेगा। इस कदम के जरिए चीन खुद को अफ्रीका का मजबूत आर्थिक साझेदार और ओपन मार्केट वाले देश के तौर पर पेश करना चाहता है। खासकर ऐसे समय में जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने हाल ही में अफ्रीकी देशों पर टैरिफ बढ़ाए थे। चीन का दावा है कि वह अफ्रीका को जीरो टैरिफ देने वाला पहला बड़ा देश बन गया है।

टर्म इंश्योरेंस लेते समय रखें ध्यान, वरना टूट जाएगा 'सुरक्षा कवच'

सुझाव | बिजनेस डेस्क

टर्म इंश्योरेंस किसी भी व्यक्ति की वित्तीय योजना का सबसे अहम हिस्सा होता है। यह वह सुरक्षा कवच है, जो आपके न रहने पर आपके परिवार को आर्थिक संकट से बचाता है। लेकिन अक्सर लोग जानकारी के अभाव या थोड़े पैसे बचाने के लालच में ऐसी गलतियां कर बैठते हैं, जिनका खामियाजा उनके परिवार को उठाना पड़ता है। कई मामलों में तो क्लेम तक रिजेक्ट हो जाता है और पूरी योजना बेकार साबित हो जाती है। इसलिए जरूरी है कि टर्म इंश्योरेंस लेते समय कुछ बुनियादी बातों का खास ध्यान रखा जाए।

पर्याप्त कवर न लेना: सबसे बड़ी भूल

अक्सर लोग कम प्रीमियम के चक्कर में कम बीमा राशि चुन लेते हैं। यह सबसे गंभीर गलती है। बीमा का उद्देश्य केवल औपचारिकता पूरी करना नहीं, बल्कि परिवार को पूरी आर्थिक सुरक्षा देना है। विशेषज्ञों के अनुसार, आपकी बीमा राशि आपकी सालाना आय का कम से कम 15 से 20 गुना होनी चाहिए। इसके अलावा, होम लोन, कार लोन और अन्य देनदारियों को भी इसमें शामिल करना जरूरी है, ताकि आपके बाद परिवार पर कर्ज का बोझ न आए।

बीमा लेने में देरी करना

कई लोग यह सोचकर टर्म इंश्योरेंस लेने में देरी करते हैं कि वे अभी युवा और स्वस्थ हैं। लेकिन बीमा के मामले में देरी महंगी पड़ती है। कम उम्र में प्रीमियम सस्ता होता है और वह पूरे कार्यकाल के लिए लॉक हो जाता है। जैसे-जैसे उम्र बढ़ती है, बीमारियों का खतरा बढ़ता है और बीमा लेना मुश्किल या महंगा हो सकता है। इसलिए जितनी जल्दी हो सके, टर्म प्लान लेना समझदारी है।

क्लेम सेटलमेंट रेशियो को नजरअंदाज करना

सिर्फ कम प्रीमियम या बड़े ब्रांड के नाम पर कंपनी चुनना सही नहीं है। सबसे जरूरी है कंपनी का क्लेम सेटलमेंट रेशियो (सीएसआर), जो बताता है कि कंपनी कितने प्रतिशत क्लेम्स का भुगतान करती है। हमेशा ऐसी कंपनी चुनें, जिसका सीएसआर 95% या उससे अधिक हो। इससे यह भरोसा मिलता है कि जरूरत पड़ने पर आपका परिवार क्लेम पाने में परेशानी का सामना नहीं करेगा।

नॉमिनी की गलत या पुरानी जानकारी

नॉमिनी की जानकारी सही और अपडेट होना बेहद जरूरी है। कई बार लोग नॉमिनी का नाम या अन्य विवरण अपडेट नहीं करते, जिससे क्लेम के समय कानूनी जटिलताएं पैदा हो जाती हैं। शादी, तलाक या नॉमिनी के निधन जैसी स्थितियों में तुरंत जानकारी अपडेट करना जरूरी है। साथ ही, अपडेट का प्रमाण भी संभालकर रखना चाहिए।

राइडर्स व एड-ऑन्स को नजरअंदाज करना

टर्म इंश्योरेंस के साथ मिलने वाले राइडर्स आपके प्लान को और मजबूत बनाते हैं, लेकिन लोग थोड़े पैसे बचाने के लिए इन्हें नजरअंदाज कर देते हैं। यह एक बड़ी गलती है। क्रिटिकल इलनेस राइडर गंभीर बीमारियों में आर्थिक सहायता देता है, वहीं प्रीमियम वेवर राइडर विकलांगता या बीमारी की स्थिति में भविष्य के प्रीमियम माफ कर देता है। एक्सीडेंटल डेथ बेनिफिट भी परिवार को अतिरिक्त सुरक्षा प्रदान करता है। ये छोटे-छोटे एड-ऑन्स मुश्किल समय में बड़ा सहारा बनते हैं।

स्वास्थ्य और जानकारी छुपाना

बीमा लेते समय अपनी स्वास्थ्य संबंधी जानकारी, धूम्रपान की आदत या पहले से चल रही बीमारियों को छुपाना सबसे खतरनाक गलती है। बीमा कंपनी आपके मेडिकल रिकॉर्ड की जांच करती है, और यदि जानकारी गलत पाई जाती है तो क्लेम रिजेक्ट हो सकता है। इसलिए पूरी पारदर्शिता रखना बेहद जरूरी है। ईमानदारी ही यह सुनिश्चित करती है कि जरूरत के समय आपका परिवार बिना किसी परेशानी के क्लेम प्राप्त कर सके।

सही कवर चुने

टर्म इंश्योरेंस कोई निवेश नहीं, बल्कि आपके परिवार के भविष्य की सुरक्षा का वादा है। इसे लेते समय छोटी-छोटी गलतियां भी बड़े नुकसान का कारण बन सकती हैं। सही कवर चुनना, समय पर पॉलिसी लेना, कंपनी की विश्वसनीयता जांचना और पूरी ईमानदारी से जानकारी देना ये सभी बातें आपके फैसले को मजबूत बनाती हैं। याद रखें, आज लिया गया एक सही निर्णय आपके परिवार को कल आर्थिक संकट से बचा सकता है।

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

- सिर्फ चांदी नहीं, पोर्टफोलियों में डाइवर्सिफिकेशन ही असली ताकत
- ईटीएफ और डिजिटल सिल्वर भी बन रहे हैं निवेशकों की पसंद

40% टूटी चांदी, सावधानी और धैर्य के साथ करेंगे निवेश तो होगा लाभ

चांदी की गिरावट में छिपा मौका लेकिन रणनीति भी बेहद जरूरी

जनवरी 2026 में जहां चांदी 4 लाख रुपये प्रति किलो के स्तर को पार कर गई थी, वहीं अब यह करीब 2.3–2.4 लाख रुपये के दायरे में कारोबार कर रही है। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यही है। क्या यह गिरावट खरीदारी का सुनहरा अवसर है या अभी सतर्क रहने का समय?

चांदी (सिल्वर) की कीमतों में हालिया गिरावट ने निवेशकों के बीच नई बहस छेड़ दी है। जो धातु साल 2025 में शानदार प्रदर्शन करते हुए निवेशकों की पहली पसंद बनी हुई थी, वही अब अपने ऑल टाइम हाई से करीब 40% नीचे फिसल चुकी है। जनवरी 2026 में जहां चांदी 4 लाख रुपये प्रति किलो के स्तर को पार कर गई थी, वहीं अब यह करीब 2.3–2.4 लाख रुपये के दायरे में कारोबार कर रही है। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यही है—क्या यह गिरावट खरीदारी का सुनहरा अवसर है या अभी सतर्क रहने का समय?

गिरावट के पीछे क्या हैं कारण

चांदी की कीमतों में आई इस तेज गिरावट के पीछे कई वैश्विक और आर्थिक कारण एक साथ काम कर रहे हैं। सबसे प्रमुख कारण अमेरिकी डॉलर की मजबूती है। जब डॉलर मजबूत होता है, तो अन्य देशों के लिए चांदी खरीदना महंगा हो जाता है, जिससे इसकी मांग में कमी आती है और कीमतों पर दबाव बनता है। इसके अलावा, वैश्विक स्तर पर ब्याज दरों में बढ़ोतरी की उम्मीद ने भी निवेशकों के रुझान को बदला है। निवेशक अब ऐसे विकल्पों की ओर झुक रहे हैं जो उन्हें नियमित आय दे सकें। चूंकि चांदी से कोई ब्याज या डिविडेंड नहीं मिलता, इसलिए इसमें निवेश अपेक्षाकृत कम आकर्षक हो जाता है। तीसरा बड़ा कारण है मुनाफावसूली। लंबे समय तक तेजी के बाद निवेशकों ने अपने मुनाफे को सुरक्षित करना शुरू किया, जिससे बाजार में बिकवाली बढ़ी और कीमतें तेजी से नीचे आईं।

इंडस्ट्रियल डिमांड: चांदी की ताकत

चांदी की खासियत यह है कि यह केवल निवेश का माध्यम नहीं है, बल्कि इसका बड़ा उपयोग उद्योगों में भी होता है। इसकी कुल मांग का 60% से अधिक हिस्सा इंडस्ट्रियल सेक्टर से आता है। इलेक्ट्रॉनिक्स, सोलर पैनल, ऑटोमोबाइल और ग्रीन एनर्जी जैसे सेक्टर में चांदी की मांग लगातार बढ़ रही है। विशेष रूप से सोलर इंडस्ट्री में इसका उपयोग तेजी से बढ़ा है, जो भविष्य में इसकी कीमतों को मजबूती दे सकता है। यही वजह है कि भले ही कीमतों में गिरावट आई हो, लेकिन इसके फंडामेंटल अभी भी मजबूत माने जा रहे हैं।

जियोपॉलिटिकल तनाव का असर

वैश्विक तनाव भी चांदी की कीमतों को प्रभावित करते हैं। आमतौर पर जब दुनिया में अनिश्चितता बढ़ती है, तो निवेशक सुरक्षित विकल्पों जैसे सोना और चांदी की ओर रुख करते हैं। लेकिन इस बार स्थिति थोड़ी अलग रही। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और कच्चे तेल की कीमतों में उछाल के कारण निवेशकों ने नकदी को प्राथमिकता दी। ऐसे हालात में अक्सर देखा जाता है कि अच्छे एसेट्स भी बिक जाते हैं, क्योंकि निवेशक अपने पोर्टफोलियो को संतुलित करने के लिए नकदी बढ़ाना चाहते हैं।

क्या यह निवेश का सही समय है?

विशेषज्ञों की राय में इस गिरावट को पूरी तरह नकारात्मक नजरिए से नहीं देखना चाहिए। यदि कीमतों में गिरावट अस्थायी कारणों जैसे डॉलर की मजबूती या बाजार की घबराहट की वजह से है, तो यह निवेश का अवसर बन सकती है। लंबी अवधि के निवेशकों के लिए यह "बाय ऑन डिप्स" यानी गिरावट पर खरीदारी का अच्छा मौका हो सकता है। हालांकि, इसमें एकमुश्त निवेश करने के बजाय धीरे-धीरे निवेश करना ज्यादा सुरक्षित माना जाता है।

निवेश के लिए सही रणनीति

- एक बार में पूरी रकम निवेश करने से बचें
- चरणबद्ध तरीके से निवेश करें (एसआईपी या नियमित खरीदारी)
- अपने पोर्टफोलियो में विविधता बनाए रखें
- केवल चांदी पर निर्भर न रहें
- ईटीएफ या डिजिटल सिल्वर जैसे विकल्पों पर भी विचार करें
- आज के समय में कई निवेशक फिजिकल चांदी खरीदने के बजाय ईटीएफ और डिजिटल माध्यमों को प्राथमिकता दे रहे हैं, क्योंकि ये अधिक सुरक्षित और सुविधाजनक होते हैं।

तकनीकी संकेत क्या कहते हैं?

तकनीकी विश्लेषण के अनुसार, चांदी के कुछ महत्वपूर्ण स्तर सामने आए हैं। अगर कीमतें 2.46 लाख के ऊपर टिकती हैं, तो आगे 2.48 लाख तक तेजी देखने को मिल सकती है। वहीं, नीचे की ओर 2.35–2.30 लाख का स्तर मजबूत सपोर्ट माना जा रहा है। इसका मतलब है कि यहां से गिरावट सीमित हो सकती है, और कीमतें स्थिर होने की संभावना बनती है।

सप्लाई-डिमांड का समीकरण

चांदी के पक्ष में एक और मजबूत फैक्टर इसका सप्लाई-डिमांड बैलेंस है। पिछले कुछ वर्षों से बाजार में सप्लाई की तुलना में मांग अधिक बनी हुई है, जिससे सप्लाई डेफिसिट की स्थिति पैदा हो गई है। इसके अलावा, चीन जैसे बड़े बाजारों से लगातार मांग बनी हुई है। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कम इन्वेंट्री भी इस बात का संकेत देती है कि आने वाले समय में कीमतों को सपोर्ट मिल सकता है।

घबराएं नहीं, आगे बढ़ें

चांदी में आई हालिया गिरावट निश्चित रूप से चिंता पैदा करती है, लेकिन इसे पूरी तरह नकारात्मक संकेत नहीं माना जा सकता। बाजार में उतार-चढ़ाव स्वाभाविक है, खासकर तब जब किसी एसेट में पहले तेज तेजी देखने को मिली हो। लंबी अवधि के निवेशकों के लिए चांदी अभी भी एक आकर्षक विकल्प बनी हुई है, बशर्ते निवेश सोच-समझकर और रणनीति के साथ किया जाए।

यह रखें ध्यान

- जल्दबाजी में निवेश से बचें
- गिरावट को अवसर के रूप में देखें, लेकिन जोखिम समझें
- चरणबद्ध निवेश सुरक्षित तरीका है
- पोर्टफोलियो में संतुलन बनाए रखें
- निवेश का सही समय वही होता है जब आप सही रणनीति और धैर्य के साथ फैसला लेते हैं।

सुरक्षा और ग्रोथ का संतुलन बनाकर महंगाई को दें मात, अपनाएं स्मार्ट निवेश रणनीति

45 के बाद निवेश : डर नहीं, समझदारी से ही बन पाएगी 'गोल्डन' रिटायरमेंट

तैयारी | बिजनेस डेस्क

आज के दौर में महंगाई सबसे बड़ा खतरा है। जो चीज आज 100 रुपये में मिलती है, वही 15-20 साल बाद 250 रुपये या उससे अधिक में मिल सकती है। ऐसे में केवल सुरक्षित निवेश विकल्पों पर निर्भर रहना आपके पैसे की वास्तविक वैल्यू को घटा सकता है। इसलिए जरूरी है कि निवेश का एक हिस्सा ऐसे साधनों में लगाया जाए, जो महंगाई को मात दे सकें और लंबी अवधि में बेहतर रिटर्न दे सकें।

45 साल की उम्र को अक्सर निवेश के लिहाज से एक 'टर्निंग पॉइंट' माना जाता है। इस उम्र में पहुंचते ही अधिकांश लोग जोखिम लेने से कतराने लगते हैं और अपनी पूरी बचत को फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) या पारंपरिक स्कीमों में डालने की सोचने लगते हैं। लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि यह सोच अधूरी है। दरअसल, 45 की उम्र 'फिनिश लाइन' नहीं, बल्कि रिटायरमेंट की तैयारी का सबसे अहम दौर है। अभी भी आपके पास लगभग 15 साल का समय है, जिसे सही रणनीति के साथ इस्तेमाल कर आप अपने बुढ़ापे को आर्थिक रूप से मजबूत और सुरक्षित बना सकते हैं। आज के दौर में महंगाई सबसे बड़ा खतरा है। जो चीज आज 100 रुपये में मिलती है, वही 15-20 साल बाद 250 रुपये या उससे अधिक में मिल सकती है। ऐसे में केवल सुरक्षित निवेश विकल्पों पर निर्भर रहना आपके पैसे की वास्तविक वैल्यू को घटा सकता है। इसलिए जरूरी है कि निवेश का एक हिस्सा ऐसे साधनों में लगाया जाए, जो महंगाई को मात दे सकें और लंबी अवधि में बेहतर रिटर्न दे सकें। 45 के बाद निवेश का सबसे महत्वपूर्ण सिद्धांत है संतुलन। न तो पूरा पैसा जोखिम वाले विकल्पों में लगाना समझदारी है और न ही पूरी तरह सुरक्षित विकल्पों में। इसके लिए 40:40:20 का फॉर्मूला काफी प्रभावी माना जाता है। इस फॉर्मूले के अनुसार, 40% निवेश सुरक्षा के लिए (बीमा और पेंशन योजनाएं), 40% ग्रोथ के लिए (म्यूचुअल फंड या इक्विटी) और 20% स्थिरता के लिए (सोना या सरकारी बॉन्ड) में लगाया जाना चाहिए।

बीमा और पेंशन: मजबूत नींव

45 की उम्र के बाद सबसे पहले आपको अपने और अपने परिवार की वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए। टर्म इंश्योरेंस इस मामले में एक मजबूत ढाल का काम करता है, जो आपके न रहने पर परिवार को आर्थिक सुरक्षा देता है। वहीं, हेल्थ इंश्योरेंस भी बेहद जरूरी है, क्योंकि इस उम्र के बाद स्वास्थ्य संबंधी जोखिम बढ़ने लगते हैं और इलाज का खर्च आपकी बचत को तेजी से खत्म कर सकता है। इसके अलावा, एन्युटी या पेंशन योजनाएं रिटायरमेंट के बाद नियमित आय का भरोसा देती हैं। इससे आपको दूसरों पर निर्भर रहने की जरूरत नहीं पड़ती और आप आत्मनिर्भर जीवन जी सकते हैं।

इक्विटी से दूरी बनाना गलती

अक्सर लोग यह मान लेते हैं कि 45 के बाद शेयर बाजार में निवेश करना जोखिम भरा है, इसलिए वे इससे दूरी बना लेते हैं। लेकिन यह एक बड़ी गलती हो सकती है। महंगाई को मात देने के लिए इक्विटी निवेश जरूरी है। हालांकि, इसमें निवेश सोच-समझकर और लंबे समय के नजरिए से करना चाहिए। यदि सीधे शेयर बाजार की समझ नहीं है, तो म्यूचुअल फंड के जरिए निवेश करना बेहतर विकल्प हो सकता है। जब भी बाजार में अस्थिरता बढ़ती है, सोना आपके पोर्टफोलियो को संतुलन देता है। इसलिए कुल निवेश का 10-20% हिस्सा सोने में रखना एक अच्छी रणनीति मानी जाती है।

अनुशासन और धैर्य जरूरी

45 की उम्र में सबसे बड़ा जोखिम 'जल्दी अमीर बनने' की चाह होती है। कई लोग ज्यादा रिटर्न के लालच में गलत निवेश कर बैठते हैं और अपनी पूंजी गंवा देते हैं। इसलिए इस उम्र में निवेश करते समय अनुशासन और धैर्य बेहद जरूरी है। नियमित निवेश लंबी अवधि का नजरिया सफलता की कुंजी हैं।

वित्तीय ज्ञान बढ़ाना भी जरूरी

सिर्फ निवेश करना ही काफी नहीं है, बल्कि निवेश की समझ होना भी जरूरी है। अच्छी वित्तीय किताबें पढ़ना, विशेषज्ञों की सलाह लेना और समय-समय पर अपने पोर्टफोलियो की समीक्षा करना आपको सही दिशा में आगे बढ़ने में मदद करता है। याद रखें, अमीर बनना जितना जरूरी है, उतना ही जरूरी है अमीर बने रहना।

समझदारी से मैनेज करें

45 के बाद निवेश का मतलब जोखिम से भागना नहीं, बल्कि उसे समझदारी से मैनेज करना है। यह वह समय है जब आपको अपनी कमाई को सुरक्षित रखने के साथ-साथ उसे बढ़ाने पर भी ध्यान देना चाहिए। सही रणनीति, संतुलित पोर्टफोलियो और अनुशासित निवेश के जरिए आप अपने रिटायरमेंट को न केवल सुरक्षित, बल्कि आरामदायक भी बना सकते हैं। आज लिया गया सही फैसला ही आने वाले वर्षों में आर्थिक स्वतंत्रता और मानसिक शांति देगा।

बच्चों की पढ़ाई के लिए ऐसे तैयार करें 1 करोड़ का फंड

बिजनेस डेस्क

आज के दौर में शिक्षा सिर्फ जरूरत नहीं, बल्कि एक बड़ा वित्तीय लक्ष्य बन चुकी है। खासकर अगर आप अपने बच्चे को विदेश में पढ़ाना चाहते हैं, तो खर्च आसानी से 1 करोड़ रुपये या उससे अधिक तक पहुंच सकता है। ऐसे में माता-पिता के सामने सबसे बड़ा सवाल यही होता है। इतनी बड़ी रकम कैसे जुटाई जाए? अच्छी बात यह है कि सही रणनीति, समय पर शुरुआत और अनुशासित निवेश के जरिए यह लक्ष्य पूरी तरह हासिल किया जा सकता है।

जल्दी शुरुआत ही सबसे बड़ी ताकत

बच्चे की पढ़ाई के लिए फंड बनाने में समय सबसे अहम फैक्टर है। अगर आपका बच्चा अभी 2–5 साल का है, तो आपके पास 12–15 साल का लंबा समय होता है। यह समय आपको कंपाउंडिंग (ब्याज पर ब्याज) का पूरा फायदा देता है। जितनी जल्दी निवेश शुरू करेंगे, उतना कम पैसा लगाकर भी बड़ा फंड बना सकते हैं।

सही रणनीति

टर्म प्लान+एसआईपी का कॉम्बिनेशन

टर्म इंश्योरेंस क्यों जरूरी
अगर परिवार के कमाने वाले व्यक्ति के साथ कोई अनहोनी हो जाए, तो बच्चे की पढ़ाई प्रभावित न हो—इसके लिए टर्म प्लान सुरक्षा कवच का काम करता है।

एसआईपी कैसे मदद करती है?
म्यूचुअल फंड में एसआईपी के जरिए हर महीने छोटी-छोटी रकम निवेश करके बड़ा फंड बनाया जा सकता है।

ऐसे समझें
- अगर आप हर महीने 20,000 एसआईपी में निवेश करते हैं और औसतन 12% रिटर्न मिलता है, तो 12–15 साल में लगभग 90 लाख रुपये से 1 करोड़ रुपये तक का फंड तैयार हो सकता है।
- सिर्फ शेयर बाजार (इक्विटी) में निवेश करना जोखिम भरा हो सकता है। इसलिए निवेश को संतुलित रखना जरूरी है।

पीपीएफ (पब्लिक प्रोविडेंट फंड)

अगर आप हर साल 1.5 लाख रुपये (महीने के 12,500 रुपये) पीपीएफ में निवेश करते हैं, तो 15 साल में करीब 40 लाख रुपये का फंड बन सकता है।

एसआईपी+पीपीएफ का कॉम्बिनेशन

- 10,000 मासिक एसआईपी लगभग 60 लाख रुपये
- 1.5 लाख सालाना पीपीएफ लगभग 40 लाख रुपये
- कुल मिलाकर: 1 करोड़ रुपये का लक्ष्य हासिल

बेटी के लिए सुकन्या समृद्धि योजना

अगर आपकी बेटी है, तो सुकन्या समृद्धि योजना (एसएसवाई) एक शानदार विकल्प है। इसमें सरकार द्वारा तय किया गया आकर्षक ब्याज मिलता है और यह पूरी तरह सुरक्षित है। लंबे समय में एसएसवाई से लगभग 60–70 लाख रुपये तक का फंड बन सकता है। इसके साथ 3,000–5,000 रुपये की एसआईपी जोड़ने से 1 करोड़ का लक्ष्य आसानी से पूरा किया जा सकता है।

चाइल्ड इंश्योरेंस प्लान : फायदे और सीमाएं

कुछ माता-पिता चाइल्ड इंश्योरेंस प्लान भी चुनते हैं, जिसमें बीमा और निवेश दोनों शामिल होते हैं। माता-पिता के न रहने पर भी प्रीमियम जारी रहता है। मैच्योरिटी पर बच्चे को पूरा पैसा मिलता है।

कुछ कमियां भी

- रिटर्न अपेक्षाकृत कम
- लंबा लॉक-इन पीरियड
- कम लचीलापन
- इसलिए विशेषज्ञ आमतौर पर टर्म प्लान+एसआईपी को ज्यादा बेहतर विकल्प मानते हैं। अगर आप हर साल 1–1.5 लाख रुपये का निवेश करते हैं और औसतन 10–12% का रिटर्न मिलता है, तो 12–15 साल में 1 करोड़ रुपये का लक्ष्य हासिल किया जा सकता है।

अनुशासित निवेश व कंपाउंडिंग, मामूली बचत को बना देगा बड़ा

रणनीति | बिजनेस डेस्क

हर माह 10,000 के निवेश से बना सकते हैं 3 करोड़ तक, '10x12x30' के फॉर्मूले से समझें अमीर बनने का गणित, छोटी बचत, लंबा समय और कंपाउंडिंग का जादू देगा आर्थिक ताकत

हर व्यक्ति चाहता है कि उसकी रिटायरमेंट लाइफ आर्थिक रूप से सुरक्षित और तनावमुक्त हो। लेकिन अक्सर यह सवाल उठता है कि करोड़ों का फंड आखिर कैसे तैयार किया जाए? क्या इसके लिए भारी-भरकम कमाई या कोई बड़ी विरासत जरूरी है? जवाब है नहीं। सही रणनीति, अनुशासन और समय के साथ आप एक सामान्य आय में भी बड़ा फंड बना सकते हैं। इसी सोच को आसान बनाने के लिए वित्तीय जगत में एक लोकप्रिय फार्मूला चर्चा में है '10x12x30' फॉर्मूला। यह कोई जादू नहीं, बल्कि एक साधारण गणित है, जो म्यूचुअल फंड एसआईपी के जरिए करोड़ों का फंड तैयार करने का रास्ता दिखाता है।

क्या है '10x12x30' फॉर्मूला?

- यह फॉर्मूला तीन मुख्य स्तंभों पर आधारित है—बचत, रिटर्न और समय।
- 10 (बचत) : हर महीने 10,000 रुपये की नियमित निवेश राशि।
- 12 (रिटर्न): औसतन 12% सालाना रिटर्न (लॉन्ग टर्म इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में संभावित)।
- 30 (समय): लगातार 30 साल तक धैर्य के साथ निवेश किया जाए।
- इन तीनों का संयोजन ही इस फॉर्मूले की ताकत है। यह बताता है कि छोटे-छोटे निवेश भी समय के साथ कितना बड़ा रूप ले सकते हैं।

कैसे बनता है 3 करोड़ रुपये का फंड

- मान लीजिए आप 30 साल की उम्र में निवेश शुरू करते हैं और 60 साल तक जा री रखते हैं।
- मासिक एसआईपी : 10,000 रुपये
- कुल अवधि: 30 साल
- अनुमानित रिटर्न: 12%
- इस दौरान आपका कुल निवेश होगा करीब 36 लाख रुपये, लेकिन कंपाउंडिंग की वजह से यह रकम बढ़कर लगभग 3.08 करोड़ रुपये तक हो सकती है।
- यानी आपने जितना पैसा लगाया, उससे कई गुना ज्यादा आपको रिटर्न के रूप में मिलता है। यही इस फॉर्मूले का असली आकर्षण है।

कंपाउंडिंग: असली गेम चेंजर

इस पूरी रणनीति की जान है कंपाउंडिंग, जिसे "ब्याज पर ब्याज" भी कहा जाता है। शुरुआती वर्षों में आपका निवेश धीमी गति से बढ़ता नजर आता है। कई लोगों को लगता है कि फायदा कम हो रहा है, लेकिन यही वह समय होता है जब नींव तैयार हो रही होती है। जैसे-जैसे समय बढ़ता है, आपका निवेश तेजी से बढ़ने लगता है। खासकर आखिरी 10-15 सालों में कंपाउंडिंग का असर विस्फोटक हो जाता है। उदाहरण के तौर पर, पहले 15 साल में जो ग्रोथ दिखती है, उससे कई गुना ज्यादा ग्रोथ अगले 15 साल में देखने को मिलती है।

जल्दी शुरुआत का बड़ा फायदा

इस फॉर्मूले का सबसे अहम हिस्सा है समय। अगर आप 30 की बजाय 25 साल की उम्र में निवेश शुरू करते हैं और 35 साल तक एसआईपी जारी रखते हैं, तो वही 10,000 की राशि करीब 6 करोड़ रुपये तक पहुंच सकती है। इसका मतलब साफ है कि जितनी जल्दी शुरुआत करेंगे, उतना ज्यादा फायदा मिलेगा।

स्टेप-अप एसआईपी से लक्ष्य आसान

केवल 10,000 रुपये पर ही टिके रहना जरूरी नहीं है। जैसे-जैसे आपकी आय बढ़ती है, वैसे-वैसे एसआईपी राशि भी करीब 10 फीसदी तक बढ़ाई जानी चाहिए। इसे ही स्टेप-अप एसआईपी कहा जाता है।अगर आप हर साल अपनी एसआईपी में 5% से 10% की बढ़ोतरी करते हैं, तो आप 3 करोड़ का लक्ष्य और भी जल्दी हासिल कर सकते हैं। यह तरीका खासतौर पर उन लोगों के लिए उपयोगी है, जिनकी सैलरी हर साल बढ़ती है।

निवेश के दौरान रखें ध्यान

1. **अनुशासन बनाए रखें** : बाजार में गिरावट या उतार-चढ़ाव के समय एसआईपी बंद करना सबसे बड़ी गलती हो सकती है।
2. **लंबी अवधि का नजरिया रखें** : शेयर बाजार में शॉर्ट टर्म उतार-चढ़ाव सामान्य है, लेकिन लंबी अवधि में ग्रोथ की संभावना अधिक रहती है। इसलिए हमेशा लंबी अवधि के लिए निवेश करें।
3. **धैर्य जरूरी है** : पहले कुछ सालों में रिटर्न कम दिख सकता है, लेकिन धैर्य रखने से ही बड़ा फायदा मिलता है।

क्या यह फॉर्मूला हर किसी के लिए सही है

यह फॉर्मूला एक सामान्य गाइडलाइन है, न कि गारंटी। 12% रिटर्न एक अनुमान है, जो बाजार की स्थिति पर निर्भर करता है। इसलिए निवेश शुरू करने से पहले अपनी जोखिम क्षमता, लक्ष्य और समय सीमा को समझना जरूरी है। जरूरत पड़े तो वित्तीय सलाहकार से भी सलाह ली जा सकती है।

सही योजना और अनुशासन जरूरी

'10x12x30' फॉर्मूला यह साबित करता है कि अमीर बनने के लिए असाधारण आय नहीं, बल्कि सही योजना और अनुशासन जरूरी है। 10,000 रुपये जैसी साधारण मासिक बचत भी 30 साल में 3 करोड़ सही योजना और अनुशासन जरूरी से ज्यादा का फंड बना सकती है बस जरूरत है समय, धैर्य और निरंतरता की। कुल मिलाकर यही कहा जा सकता है कि निवेश की दुनिया में सबसे बड़ा हथियार पैसा नहीं, बल्कि समय और अनुशासन है। जो व्यक्ति इन दोनों को सही तरीके से इस्तेमाल करता है, वही असली मायने में आर्थिक रूप से मजबूत बनता है और आपकी आर्थिक आजादी को सुनिश्चित करता है।

चुनाव खत्म होते ही देश की राजनीतिक धड़कनें तेज हो जाती हैं और इसी के साथ एग्जिट पोल का दौर शुरू होता है। टीवी स्क्रीन, डिजिटल प्लेटफॉर्म व सोशल मीडिया पर आंकड़ों की बाढ़ आ जाती है, जहां हर एजेंसी अपने-अपने अनुमान पेश करती है। ये आंकड़े न सिर्फ राजनीतिक दलों के लिए रणनीतिक संकेत होते हैं, बल्कि आम मतदाता के लिए भी जिज्ञासा और बहस का विषय बन जाते हैं, लेकिन सवाल यह है कि क्या एग्जिट पोल वास्तव में जनादेश का सटीक प्रतिबिंब हैं या महज एक अनुमान, जो कई बार हकीकत से काफी दूर होता है? पिछले कुछ वर्षों में एग्जिट पोल की विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल खड़े हुए हैं। कई चुनावों में इनके नतीजे वास्तविक परिणामों से मेल नहीं खा पाए, जिससे जनता के बीच अविश्वास की भावना बढ़ी है। खासकर पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में, जहां सामाजिक, राजनीतिक व सांस्कृतिक जटिलताएं अधिक हैं, एग्जिट पोल अक्सर वास्तविक जनमत को पकड़ने में असफल रहे हैं। दरअसल, भारत जैसे विशाल देश में कुछ हजार लोगों के सैंपल के आधार पर करोड़ों मतदाताओं के रुझान का सटीक आकलन करना चुनौतीपूर्ण है। फिर भी एग्जिट पोल पूरी तरह निरर्थक नहीं हैं। वे चुनावी प्रवृत्तियों, मतदाता मनोविज्ञान और संभावित राजनीतिक दिशा का एक प्रारंभिक संकेत जरूर देते हैं। ***इन्हीं हालातों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...।***

केवल प्रतिक्रियाओं के अनुसार मत न बनाएं

एग्जिट पोल

अवधेश कुमार

ओपिनियन पोल और एग्जिट पोल पर राजनीतिक दलों व कुछ टिप्पणीकारों द्वारा उठाए जा रहे प्रश्नों से उनकी विश्वसनीयता को गहरा आघात लगा है। ऐसा माहौल बना हुआ है मानो सारे एग्जिट पोल आज तक गलत ही साबित हुए हैं। सच ऐसा नहीं है। एग्जिट पोल का यह अर्थ नहीं कि वे जितनी सीटें बताते हैं वास्तव में उतने ही आ सकते हैं या आने चाहिए। एग्जिट पोल से हमें चुनाव परिणाम का भावी ट्रेंड यानी प्रवृत्ति या दिशा का आभास मिलता है। अनेक बार एक्जिट पोल लगभग परिणाम के आसपास भी रहे हैं। कई बार गलत भी साबित हुए हैं। इसलिए केवल प्रतिक्रियाओं के आधार पर ही मत नहीं बनाएं।

भारत में ओपिनियन पोल यानी चुनाव पूर्व सर्वेक्षण हो या एग्जिट पोल मतदान के बाद का सर्वेक्षण ऐसा कोई वर्ष नहीं जब इस पर जबरदस्त विवाद तथा तू -तू -मैं -मैं न होती हो। मतदान के बहुमत की प्रवृत्ति या दिशा जिस पार्टी या समूह के विरुद्ध दिखाई जाती है यानी जिसके पराजित होने की संभावना व्यक्त होती है वह इसका विरोध करता है। हालांकि विरोध सामान्य या तथ्यों के आधार पर प्रश्न उठाया जाए या कोई तार्किक आपत्ति हो तो समस्या नहीं। अगर किसी एजेंसी या मीडिया संस्थान को ओपिनियन पोल या एग्जिट पोल करने और उसे सामने लाने का अधिकार है तो संबंधित पार्टियों को भी विरोध करने का। किंतु पिछले कुछ वर्षों से ऐसी सभी एजेंसियों और संस्थाओं को भाजपा द्वारा या सरकार द्वारा प्रायोजित बता कर उसकी साख को भी समाप्त करने का अभियान चलता है।

पश्चिम बंगाल के एग्जिट पोल पर तृणमूल कांग्रेस की प्रतिक्रियाएं देख लीजिए। हालांकि इनमें भी ज्यादातर एजेंसियों ने तृणमूल और भाजपा के मतों मटन एवं सीटों में बहुत ज्यादा अंतर नहीं दिखाया है। हां, ज्यादातर में भाजपा के विजय कि प्रवृत्ति अवश्य दर्शायी गई है। इनमें अंतर इतने महीन हैं कि इन एग्जिट पोलों के आधार पर भी आप निश्चयात्मक नहीं मान सकते कि हां यही परिणाम आएगा। केवल एक एजेंसी टुडेज चाणक्या ने भाजपा को तृणमूल से मतों एवं सीटों दोनों में काफी आगे बताया है। तृणमूल कांग्रेस के शीर्ष नेत्री ममता बनर्जी से लेकर अभिषेक बनर्जी, उनके मंत्री, सांसद और यहां तक कि टीवी पर बैठने वाले प्रवक्ता व पैनलिस्ट एजेंसियों और चैनलो पर हमले कर रहे हैं। एक एजेंसी ने घोषणा कर दिया कि पश्चिम बंगाल का एग्जिट पोल नहीं दिखाएंगे और इसके कारण दिए हैं। ओपिनियन पोल और एग्जिट पोल पर राजनीतिक दलों तथा कुछ टिप्पणीकारों द्वारा उठाए जा रहे प्रश्नों से उनकी विश्वसनीयता को गहरा आघात लगा है। ऐसा माहौल बना हुआ है मानो सारे एग्जिट पोल आज तक गलत ही साबित हुए हैं। सच ऐसा नहीं है। एग्जिट पोल का यह अर्थ नहीं कि वे जितनी सीटें बताते हैं वास्तव में उतने ही आ सकते हैं या आने चाहिए। एग्जिट पोल से हमें चुनाव परिणाम का भावी ट्रेंड यानी प्रवृत्ति या दिशा का आभास मिलता है। अनेक बार एक्जिट पोल लगभग परिणाम के आसपास भी रहे हैं। कई बार गलत भी साबित हुए हैं। राजनीतिक दलों, एक्टिविस्टों और पत्रकारों के एक वर्ग की अपनी समस्या है। उन्हें केवल एग्जिट पोल को नकारना है। 2024 लोकसभा चुनाव परिणाम में एग्जिट पोलों के द्वारा दिए गए आंकड़ों से परिणाम भिन्न आए। आवाज यहां तक उठी कि एग्जिट पोल को प्रतिबंधित कर देना चाहिए। कोई नेता या संगठन दावा करे कि हम इतनी सीटें प्राप्त करेंगे तो उन पर चुनाव प्रक्रिया के बीच आचार संहिता के माध्यम से भी रोक नहीं लग सकती, लेकिन कोई एजेंसी या मीडिया संस्थान ऐसा न करे यह कहां का न्याय होगा? लोकसभा चुनाव के साथ ही आंध्र प्रदेश और ओडिशा के ज्यादातर एग्जिट पोल लगभग सही साबित हुए। आंध्र में तेलुगू देशम के नेतृत्व में राजग तथा ओडिशा में भाजपा के लिए बहुमत का आंकड़ा दिया था और परिणाम वहीं आया। 2024 लोकसभा चुनाव में कुल सीटों के अनुसार अवश्य एग्जिट पोल विफल हुए, भाजपा बहुमत से 32 सीट पीछे रह गई। बावजूद भाजपा लोकसभा में इतनी बड़ी पार्टी बनी कि इसके आसपास कोई दल नहीं है। अधिकतर एग्जिट पोल 2024 लोकसभा चुनाव में मुख्यतः तीन राज्यों उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल में विफल साबित हुए। अन्य राज्यों के आंकड़े देखें तो उन्हें आप विफल नहीं कर सकते। 2014, 2019 लोकसभा चुनावों में एग्जिट पोल और परिणाम की दिशा एक रही।

ओपिनियन पोल और एग्जिट पोल वर्तमान चुनाव प्रणाली में मतदाताओं की मनः स्थिति समझने का माध्यम है। ओपिनियन पोल में आप अलग-अलग क्षेत्र में जाते हैं, लोगों से बातें करते हैं और गणना करते हुए निष्कर्ष निकालते हैं। केवल किसको मत देंगे और क्यों देंगे यही प्रश्न नहीं होता। मुद्दों, उम्मीदवारों, नेताओं, उनके कार्यों, विकास आदि इतने प्रश्न होते हैं कि उनसे काफी कुछ धरातली वास्तविकता समझा जा सकता है। तब भी ओपिनियन पोल परिणाम चुनाव परिणाम की प्रवृत्ति से अलग हो सकते हैं। कारण, ये मतदान पूर्व होते हैं और चुनाव अभियानों से लेकर मतदान तक लोगों का मन बदल सकता है। वैसे भी अब आचार संहिता लागू होने के बाद ओपिनियन पोल नहीं दिखाया जा सकता। सर्वेक्षण में पारदर्शिता भी होनी चाहिए। पारदर्शिता का अर्थ है कि आपके सैंपल साइज यानी कितने लोगों से अपने मत पूछा और उनमें किन-किन क्षेत्रों से और किस श्रेणी के लोग थे। आपके सर्वेक्षण करने का तरीका क्या था आदि आदि। पहले मतदान केंद्र के बाहर ही एजेंसियां अपना छाया मतदान पेटी लगाती थी जिसमें निकलने वाले लोग मत डालते थे। बाद में लैपटॉप और टैब से यह काम किया जाने लगा। जहां लैपटॉप टैब नहीं लगा सकते वहां मतदान कर निकलने वालों से पूछ कर नोट किया जाता है या ऑडियो विजुअल टेप रहता है। अगर ईमानदारी और पेशेवर तरीके से एग्जिट पोल हो तथा उनमें आए तथ्यों का आंकड़ों में ठीक से आकलन जाए तो परिणाम की दिशा अवश्य सामने आ जाएगी। चाहे ओपिनियन पोल हो या एग्जिट पोल उनमें आरंभ से ही ईमानदारी और पेशे की वास्तविक समझ की आवश्यकता है। फिर आपके पास सर्वेक्षण आ गए और उनको आंकड़ों में परिवर्तन करने में आप पारंगत नहीं है तो गड़बड़ी हो सकती है। मतदान प्रतिशत के बाद उन्हें सीटों में प्रेषित करना सबसे कठिन काम है। अगर मतदान प्रतिशत में 2,3,4 प्रतिशत का अंतर हो तो परिणाम किसी दिशा में पलट सकता है। इसलिए मत प्रतिशत को सीटों में बदलना जोखिम भरा है। सामान्यतः लोग मत प्रतिशत नहीं सीटें देखते हैं और परिणाम आने के बाद उसी को लेकर हमला करने लगते हैं। तृणमूल कांग्रेस के शासन में विरोधियों के विरुद्ध हुई भयानक हिंसा, भ्रष्टाचार , सत्ता और निहित स्वार्थी तत्वों तथा सिंडिकेट के जुड़ाव के कारण लोगों में असंतोष हो ही नहीं ऐसा कैसे संभव है? इसलिए पार्टियों की आलोचना के आधार पर हम ओपिनियन पोल या एग्जिट पोल के बारे में मत न बनायें। वैसे भी सोशल मीडिया के माध्यम से नॉरेटिव के हल्ला बोल वाले दौर में सच को झूठ और झूठ को सच बनाना आसान हो गया है। इसलिए स्वयं संबंधित प्रदेश या क्षेत्र के शासन के प्रभावों का मूल्यांकन कर निष्कर्ष निकालें कि वहां क्या हो सकता है। फिर एग्जिट पोल या ओपिनियन पोल के साथ उसकी तुलना करें निष्कर्ष स्वयं निकल जाएगा।

पारदर्शिता से काम करें सर्वे कंपनियां

उम्मीद

योगेश कुमार सोनी
वरिष्ठ पत्रकार

बीते दशकभर में अब एग्जिट पोल्स पर से लोगों का भरोसा उठता हुआ दिखने लगा है। कारण यह है कि एग्जिट पोल्स सटीक तरीके से चुनाव नतीजों के साथ मेल नहीं खा रहे। पिछले कुछ चुनावों में कुछ एग्जिट पोल तो बिल्कुल ही गलत साबित हुए हैं। जैसा कि अभी हाल ही में पांच राज्यों में चुनाव चल रहे हैं तो सबकी निगाह यहां बनी हुई है। हाल ही में तमिलनाडु, असम, केरल,पुडुचेरी और पश्चिम बंगाल हुए चुनावों के एग्जिट पोल जो दिखाए जा रहे हैं, लेकिन इस बार लोग उस पर विश्वास नहीं कर रहे। इस कारण भी सबके सामने हैं, लेकिन अब सवाल यही उठता है कि आखिर ऐसा क्यों हो रहा है? पहले केवल विधानसभा या लोकसभा एक हजार लोगों से राय लेते थे और उससे ही उस सीट की जीत व हार तय करते थे, लेकिन अब पांच व दस हजार लोगों से राय लेकर भी एग्जिट पोल्स सटीक नहीं बैठ रहे। और ज्ञात हो कि चुनाव संपन्न होने के बाद ही सर्वे कंपनियां अपना रिजल्ट बता दी थी, लेकिन अब पहले चरण में हुए चुनाव से ही अपने रिजल्ट रख देते हैं व इसके अलावा अब आरोप यह लगने लगे कि सर्व कंपनियों को किसी भी पार्टी के पक्ष में हवा बनाए रखने के लिए गलत रिपोर्ट देने लगी जिससे की पार्टी को फायदा हो। दूसरा पहलू यह है कि एग्जिट पोल के सर्वे इस बात पर आधारित होते हैं कि वोटिंग करके मतदान केंद्रों से निकल रहे लोग सही जवाब देंगे लेकिन ऐसा होता नहीं है। कुछ मतदाता वास्तव में झिझकते हैं व कुछ गोलमोल जवाब देते हैं तो कुछ गलत भी बताते हैं। समझा यह भी जाता है कि मतदाता दबाव, डर, सामाजिक परिस्थितियों के चलते खुलकर अपने मत का खुलासा नहीं करते। एग्जिट पोल करने वाली एजेंसियां सभी मतदान केंद्रों को कवर नहीं कर पातीं। रैंडम सैंपलिंग की कमी और छोटी सैंपल साइज के कारण भी परिणाम गलत हो सकते हैं। अक्सर सर्वे एजेंसियां वोट शेयर का अनुमान तो सही लगा लेती हैं, लेकिन वह वोट किस सीट पर कितना प्रभावी होगा इसका सटीक अनुमान नहीं लगा पातीं। कई बार एग्जिट पोल का इस्तेमाल सत्ताधारी पार्टी माहौल बनाने के लिए किया जाता है। सर्वेक्षकों के पक्षपातपूर्ण रवैये और सत्ताधारी पार्टी के पक्ष में झुकाव होने के कारण भी परिणाम वास्तविक नतीजों से अलग हो सकते हैं।

एग्जिट पोल लोकतंत्र में रुझान समझने का माध्यम हैं, लेकिन घटती सटीकता व पक्षपात के आरोपों ने भरोसा कमजोर किया है। विश्वसनीय बनाए रखने के लिए पारदर्शिता, बेहतर सैंपलिंग और निष्पक्षता जरूरी है, अन्यथा इनकी उपयोगिता पर सवाल उठते रहेंगे।

मतदान के अंतिम चरणों या वोट डालने से ठीक पहले के रुझान सर्वे में कैद नहीं हो पाते जिससे अंतिम परिणाम सर्वे में बताए हुए परिणामों के व विपरीत दिखते हैं। यह बात लगातार दिखने लगी और इस वजह से सर्व की गंभीरता कम होने लगी। एक रिपोर्ट के अनुसार भारत में पिछले चार दशकों में 833 सर्वेक्षणों जिसमें 386 पूर्व मतदाता पोल यानी ओपिनियन पोल व 447 एग्जिट पोल शामिल है जिसमें लगभग तीन तिहाई सर्वेक्षणों ने सही विजेता पार्टी का अनुमान लगाया। एग्जिट पोल की सफलता दर भारत में लगभग अस्सी प्रतिशत बताई गई है जाती रही है जबकि पूर्व-मत सर्वेक्षण की सफलता दर सत्तर प्रतिशत से भी ज्यादा थी। कुछ आंकड़ों के अनुसार भारत में एग्जिट पोलों का सटीकता काफी सीमित मानी जाती थी लेकिन अब सबसे ज्यादा अविश्वास हमारे देश में उत्पन्न होने लगा है। एक कहावत भी है कि अति हर चीज की बुरी होती है इसलिए सर्व कंपनियों की कार्यशैली पर लगातार सवालिया निशान खड़े होने से जनता मन में एग्जिट पोल्स की गंभीरता खत्म होने लगी। सर्वे कंपनिया लाखों-करोडों रुपयों खर्च कर सर्व कराती है जिससे चुनाव से पहले एक रोमांच पैदा होने लगा था, लेकिन अब ऐसा नहीं होता। यदि विश्वसनीय को बनाए रखना हो तो सर्व कंपनियों को अपना पैटर्न बदलना होगा जिससे कि उनका काम चलता रहे साथ ही उनके सर्वे पर विश्वसनीयता भी बनी रहे। अन्यथा फ्रांस, इटली, जर्मनी, कनाडा, ब्रिटेन, सिंगापुर, साउथ अफ्रीका, चेक गणराज्य में भी निर्वाचन स्थल पर एग्जिट पोल भारत में प्रतिबंधित न हो जाए। चूंकि इन देशों का मानना है कि किसी भी चुनाव का पहले से रिजल्ट से देश या राज्य में एक नकारात्मकता फैलती है और जो भी निर्णय होगा वो नेता या पार्टी को स्वीकार करना चाहिए। वहीं इससे किसी भी नेता या पार्टी जीतने व हारने को लेकर सट्टेबाज करोडो का सट्टा लगाते हैं जिससे अव्यवस्था फैलती है। एक नजरिये से यह सही लगता है सर्वे नही होना चाहिए चूंकि निर्णय की जिज्ञासा का बना रहना जरूरी है। इसलिए सर्वे हो तो इसकी विश्वसनीयता बनी रही या फिर न हों।

एग्जिट पोल की सटीकता पर उठते गंभीर सवाल

चुनौती

रवि शंकर
स्वतंत्र पत्रकार

चुनाव खत्म होते ही देशभर में सबसे ज्यादा चर्चा अगर किसी चीज की होती है, तो वह है एग्जिट पोल। वोटिंग खत्म होने के कुछ घंटों बाद टीवी चैनलों, डिजिटल प्लेटफॉर्म और सोशल मीडिया पर सीटों के अनुमान आने लगते हैं। लोग यह जानने को उत्सुक रहते हैं कि आखिर किसकी सरकार बन सकती है। राजनीतिक दल भी एग्जिट पोल पर नजर रखते हैं, लेकिन सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या एग्जिट पोल पर पूरी तरह भरोसा किया जा सकता है? दरअसल, भारतीय चुनावों में एग्जिट पोल के परिणाम अक्सर वास्तविक नतीजों से अलग पाए जा रहे हैं, जिससे उनकी सटीकता पर सवाल खड़े हो गए हैं। पिछले कुछ चुनावों का इतिहास दर्शाता है कि कई बार एग्जिट पोल के अनुमान गलत साबित हुए हैं। पश्चिम बंगाल इसका एक प्रमुख उदाहरण है, जहां 2021 और 2016 के विधानसभा चुनावों में एग्जिट पोल ने कांटे की टक्कर या अलग परिणाम दिखाए थे, जबकि तृणमूल कांग्रेस ने भारी बहुमत से जीत हासिल की। दरअसल, कई बार एग्जिट पोल और असल नतीजों में मामूली अंतर होता है। लोगों के मन में सवाल है कि एग्जिट पोल स्टीक क्यों नहीं हो पाते हैं। करीब 100 करोड़ के मतदाताओं वाले देश में चंद हजार लोगों से बातचीत के आधार पर एग्जिट पोल का सर्वे किया जाता है। एग्जिट पोल में शामिल होने वाला मतदाता क्या सच बोल रहा है या नहीं ये भी एक बड़ा सवाल है। वहीं, विधानसभा और लोकसभा क्षेत्र में कई पोलिंग बूथ होते हैं। एग्जिट पोल का सर्वे करने वाली एजेंसियां क्या सभी पोलिंग बूथ पर मतदाताओं से बात करती हैं या कुछ एक बूथ पर ही जाती हैं। हर पोलिंग बूथ और क्षेत्र में मतदाताओं का रुझान अलग: अलग होता है। पिछले तीन दशक में ऐसे कई मौके आए हैं जब एग्जिट पोल औंधे मुंह गिरा है। बता दें, एग्जिट पोल की शुरुआत भारत में सबसे पहले 1970 अंत और 1980 के दशक के शुरू में हुई थी। ये शुरुआती पोल बहुत ही बुनियादी थे और कुछ अग्रणी संगठनों और मीडिया घरानों द्वारा संचालित किए गए थे। वे काफी हद तक प्रयोगात्मक थे और परिष्कृत नमूनाकरण तकनीकों और डेटा विश्लेषण उपकरणों की कमी के कारण हमेशा सटीक नहीं होते थे। 1990 के दशक में एग्जिट पोल की संख्या और दायरे में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई। भारतीय अर्थव्यवस्था के उदारीकरण और निजी टेलीविजन चैनलों के आगमन के साथ, मीडिया घरानों ने राजनीतिक कवरेज और विश्लेषण में अधिक निवेश करना शुरू कर दिया। इस अवधि में विशेषीकृत मतदान एजेंसियों का उदय भी हुआ। अपनी बढ़ती लोकप्रियता के बावजूद, इस समय के दौरान एग्जिट पोल को अक्सर उनकी अशुद्धियों और मतदाता व्यवहार पर संभावित प्रभाव के लिए आलोचना का सामना करना पड़ा। हालांकि, 2000 के दशक की शुरुआत में चुनाव आयोग ने चुनावी प्रक्रिया पर एग्जिट पोल के संभावित प्रभाव पर ध्यान देना शुरू किया। 1998 में आयोग ने मतदाताओं को प्रभावित करने से बचने के लिए मतदान के कुछ चरणों के दौरान एग्जिट पोल के प्रकाशन को प्रतिबंधित करने के लिए दिशा-निर्देश जारी किए। प्रौद्योगिकी में प्रगति के साथ, मतदान एजेंसियों ने अधिक परिष्कृत तरीके अपनाना शुरू कर दिया। कम्प्यूटरीकृत डेटा संग्रह और विश्लेषण ने एग्जिट पोल की सटीकता और विश्वसनीयता में कुछ हद तक सुधार अवश्य हुआ। इस अवधि में भारत में अध्ययन के एक सम्मानित क्षेत्र के रूप में सेफोलॉजी का उदय भी देखा गया। स्पष्ट है, जब नजर संतुलित हो, तभी सच साफ दिखता है-एग्जिट पोल को लेकर यही सबसे बड़ा समाधान है। ये न पूरी तरह गलत हैं, न पूरी तरह सही- इनका मूल्य इस बात पर निर्भर करता है कि हम इन्हें कैसे देखते हैं। यदि इन्हें संकेतक माना जाए, तो ये उपयोगी हैं; लेकिन यदि अंतिम निर्णय मान लिया जाए, तो भ्रम पैदा करते हैं। 2026 के इन महत्वपूर्ण चुनावों में जरूरी है कि हम आंकड़ों की चमक से प्रभावित होने के बजाय वास्तविकता की प्रतीक्षा करें। क्योंकि लोकतंत्र की सच्ची तस्वीर वही होती है जो मतपेटियों से निकलती है, न कि वह जो स्क्रीन पर दिखाई जाती है।

एग्जिट पोल लोकतंत्र में रुझान समझने का उपयोगी माध्यम हैं, लेकिन सीमाएं व त्रुटियां नजरअंदाज नहीं की जा सकतीं। इन्हें अंतिम परिणाम मानना भ्रम पैदा करता है। बेहतर होगा कि इन्हें केवल संकेत के रूप में देखें।

चुनाव विश्लेषण : नतीजों से पहले परिणाम की जंग

चिंतन

चरणजीत 'चरण'
वरिष्ठ पत्रकार

भारत में चुनाव विश्लेषण (एग्जिट पोल) सरकार के बदलने विधायक, सांसद, बदलने की सम्भावना प्रक्रिया मात्र नहीं है, बल्कि भारत का एग्जिट पोल अलग-अलग लोगों के लिए अलग-अलग तरह से उसका विश्लेषण करने गुना-भाग करने और परिणाम घोषित होने से पहले अपने आकड़ों पर डिबेट करने का एक माध्यम है। भौतिक रूप से बेशक इसका कोई फायदा नज़र न आता हो, लेकिन तकनीकी रूप से इस प्रक्रिया के द्वारा भी लोकतंत्र की मज़बूती का मार्ग प्रसस्त होता है। जो लोग चुनाव में थोड़े निष्क्रिय रहते हैं वो भी अपने पसंद के उम्मीदवार और पार्टी तय कर लेते हैं। इन सभी चुनावी प्रक्रियाओं में वोटिंग से लेकर रिज़ल्ट आने तक के चार पांच दिनों में मतदाता कहीं थका हुआ या ठगा मासूस ना करे तो उसके लिए चुनाव वाले दिन या उससे एक दो दिन आगे एग्जिट पोल की व्यवस्था है। एग्जिट पोल की के माध्यम से ये जानने की कोशिश की जाती है कि मतदाता का रुझान किस तरफ है। वह वर्तमान सरकार को बदलना चाहता है या उसे एक मौक़ा और देना चाहता है। चुनावी विशेलषक या सेफोलॉजिस्ट एग्जिट पोल के द्वारा जुटाए गए आकड़ों के माध्यम से मतदाता के मनोविज्ञान को जानने की कोशिश करते हैं। हालांकि भारतीय मतदाता अपने सात दशकों के लोकतंत्र में इतना परिपक्व हो गया है कि वह अंतिम समय तक किसी को भनक नहीं लगने देता कि उसका मत कहां जाएगा। शायद यही कारण है कि कई बार एग्जिट पोल बुरी तरह उलट जाते हैं। एग्जिट पोल के इतिहास में ऐसा अनेक बार हो चुका है जब अधिकतर एग्जिट पोल जिधर इशारा करते हैं परिणाम उसके बिलकुल उलट होता है। भारत जैसे विविधताओं से भरे समाज में ये संभव ही नहीं है कि कोई विश्लेषक एग्जिट पोल के सटीक परिणाम तक पहुंच सके। इसके पीछे अनेक कारण हैं। जहां एक विधानसभा में मतदाताओं की संख्या तीन से चार लाख तक होती है वहां पांच सौ या हज़ार लोगों की पसंद के आधार पर पूरी विधान सभा का विश्लेषण करना कठिन है। इसके अतिरिक्त

भारतीय मतदाता इतना परिपक्व हो गया है कि वह अंतिम समय तक किसी को भनक नहीं लगने देता कि उसका मत कहां जाएगा।

भारत में भाषा, जाति, धर्म, क्षेत्र, स्त्री, पुरुष, किसान, मजदूर, युवा, नौकरी-पेशा बेरोजगार, गांव, शहर में बंटे मतदाता की समस्याएं और उसके विचार अलग हैं। इसी आधार पर लोग वोट भी करते हैं। इसलिए चुनाव के पश्चात कुछ लोगों की राय के आधार पर हार-जीत का विश्लेषण करना चुनौती पूर्ण रहता है। पिछले कई वर्षों के एक्सिटपोल के आकड़ों पर यदि नज़र डाले तो जहां दो पार्टियों में कांटे का मुकावला होता है वहां 1% का मतान्तर भी आकड़े को 40/60 में बदल देता है। अगर यही अनुपात तीन चार प्रतिशत तक चला जाए तो एक पार्टी को दो तिहाई बहुमत तक मिल जाता है ऐसी स्तिति में किसी भी सेफोलॉजिस्ट के लिए कुछ सैंपल साइज़ के आदर पर सटीक आकड़े देना बहुत कठिन कार्य है। 2023 और 2024 के छत्तीसगढ़ और हरियाणा के चुनाव इसका सटीक उदाहरण है। 2023 के छत्तीसगढ़ विधान सभा चुनाव में जहां लगभग सभी एग्जिट पोल जिस पार्टी के पक्ष में थे उसे हार का सामना करना पड़ा। उसी तरह 2024 के हरियाणा विधानसभा चुनाव में सभी एक्सिटपोल जिस रूलिंग पार्टी के विपरीत जा रहे थे उसे तीसरी बार बहुत मिला। कई सेफोलॉजिस्ट का मानना है कि भारत में जातीय और धार्मिक रूप से पिछड़े, दबे, कुचले मतदाता अपनी राय सार्वजानिक करने से डरते हैं। या उनके मन में थोड़ी हिचकिचाहट रहती है। इस भाव को सर्पिल ऑफ साइलेन्स कहा जाता है। 2015 का बिहार विधानसभा चुनाव इसका सटीक उदाहरण है जहां अधिकतर पोल महागठबंधन की जीत का पूर्व आंकलन नहीं कर सके और परिणाम परिणाम एग्जिट पोल के बिलकुल विपरीत निकले। क्योंकि बिहार और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में अक्सर दलित और पिछड़े मतदाता अंतिम क्षण तक खुलकर बात नहीं कर पाते। कुल मिलाकर निष्कर्ष ये निकलता है कि एग्जिट पोल मतदाता की मनःस्थिति का आंकलन नहीं है। बल्कि संभावित परिणाम का मात्र एक चित्र है। एक सेफोलॉजिस्ट समाज के भीतर चल रहे विचार, समस्या और संभावनाओं का आंकलन करता है। आकड़ों को सटीकता तक पहुंचाना हमेशा चूनौतीपूर्ण ही रहेगा। क्योंकि भारत का विविधतओं से भरा समाज व मर्यादाओं में बंधी संस्कृति शायद कभी एक मतदाता को ये इजाज़त नहीं देगी कि वह अपने मत की गोपनीयता को भंग कर दे। भारत में मतदाता की चुप्पी एक तरह से पुरे चुनाव को व्यावहारिक और रोमांचक बनाती है। और यह चुप्पी बनी रहनी चाहिए यही लोकतंत्र के हित में भी है।

रिकॉर्ड तोड़ वोटिंग से कयासों के भंवर में दल

दृष्टिकोण

अम्बरीष प्रजापति
स्वतंत्र स्तंभकार

पश्चिम बंगाल के चुनावी इतिहास में इस बार का मतदान प्रतिशत एक ऐसा कीर्तिमान स्थापित कर चुका है, जिसने दुनिया भर के राजनीतिक विश्लेषकों को चौंका दिया है। 23 और 29 अप्रैल को संपन्न हुए दो चरणों के इस महाकुंभ में जनता ने जिस तरह दिल खोलकर अपने मताधिकार का प्रयोग किया, वह इस बात का साक्ष्य है कि बंगाल का मतदाता अपने भविष्य को लेकर कितना जागरूक और मुखर है। सड़कों पर उमड़ा जनसैलाब और लंबी-लंबी कतारें महज एक प्रक्रिया का हिस्सा नहीं थीं, बल्कि एक बड़े बदलाव या एक बड़े समर्थन की मौन पदचाप थीं, जिसका असली खुलासा अब 4 मई को होगा। ममता बनर्जी के नेतृत्व में टीएमसी जहां अपनी 'माटी और मानुष' की राजनीति को सुरक्षित रखने के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगा रही है, वहीं बीजेपी ने बंगाल में भगवा परचम लहराने के लिए अपनी पूरी सांगठनिक शक्ति झोंक दी है। इस बार के चुनावों में मतदान का रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचना दोनों ही खेमों के लिए कशमकश और कयासों का केंद्र बना हुआ है। राजनीतिक गलियारों में यह बहस छिड़ गई है कि आखिर यह बढ़ा हुआ मतदान प्रतिशत किसके हक में जाएगा। क्या यह सत्ता विरोधी लहर का प्रतीक है या फिर मौजूदा सरकार के प्रति जनता के अटूट विश्वास का प्रमाण है। चुनाव के संपन्न होते ही बंगाल की आबोहवा में दावों और प्रतिदावों का दौर शुरू हो गया है। टीएमसी का मानना है कि महिलाओं के लिए चलाई गई योजनाओं, ग्रामीण विकास और स्थानीय अस्मिता के मुद्दे ने जनता को घरों से बाहर निकाला है। उनका तर्क है कि जब जनता बड़े पैमाने पर वोट करती है, तो वह अक्सर स्थिर सरकार और लोकप्रिय नेतृत्व के पक्ष में होता है। दूसरी ओर, बीजेपी के खेमे में भी उत्साह की कोई कमी नहीं है। उनके अनुसार, यह भारी मतदान परिवर्तन की आकांक्षा का सूचक है। बीजेपी का मानना है कि जनता भ्रष्टाचार, कानून व्यवस्था और रोजगार जैसे मुद्दों पर आक्रोशित है और इसी

पोल ऑफ पोल्स की स्थिति इतनी धुंधली है कि किसी निष्कर्ष पर पहुंचना जल्दबाजी होगी। यह अनिश्चितता ही इस चुनाव के रोमांच को बढ़ा रही है।

आक्रोश ने उन्हें मतदान केंद्रों तक खींचा है। दोनों दलों के शीर्ष नेतृत्व से लेकर बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं तक, हर कोई अपनी-अपनी जीत को लेकर आश्वस्त तो दिख रहा है, लेकिन भीतर ही भीतर एक अनजाना डर और संशय भी बना हुआ है। बंगाल का यह चुनाव कई मायनों में अनूठा रहा। अब एग्जिट पोल के आंकड़ों ने इस कशमकश को और भी बढ़ा दिया है। विभिन्न सर्वेक्षणों में जहां कुछ एजेंसियां बीजेपी को बहुमत के करीब दिखा रही हैं, वहीं कुछ अन्य टीएमसी की वापसी की भविष्यवाणी कर रही हैं। 'पोल ऑफ पोल्स' की स्थिति भी इतनी धुंधली है कि किसी एक निष्कर्ष पर पहुंचना फिलहाल जल्दबाजी होगी। यह अनिश्चितता ही इस चुनाव के रोमांच को द्विगुणित कर रही है। जब 4 मई को मतपेटियां खुलेंगी और ईवीएम के बटन दबेंगे, तब पता चलेगा कि जनता ने वास्तव में किसे अपना भाग्य विधाता चुना है। क्या ममता बनर्जी की 'हैट्रिक' के बाद चौथी बार सत्ता की चाबी उनके पास रहेगी या फिर सुवेंदु अधिकारी के नेतृत्व में बीजेपी बंगाल की सत्ता के गलियारों में पहली बार प्रवेश करेगी। इस बार के चुनावों में निर्वाचन आयोग की भूमिका और सुरक्षा इंतजामों की भी चर्चा लाजिमी है। छिटपुट हिंसा की घटनाओं को छोड़ दें, तो मतदान की प्रक्रिया को सुचारू रूप से संपन्न कराना एक बड़ी चुनौती थी, जिसे पार कर लिया गया है। मतदाता सूची में किए गए संशोधनों और विशेष सर्वेक्षणों के कारण इस बार मतदाताओं की संख्या में जो बदलाव आए, उसने भी प्रतिशत के आंकड़ों को प्रभावित किया है। लेकिन इन तकनीकी पहलुओं से परे, सबसे महत्वपूर्ण पहलू मतदाता का वह मौन संकल्प है जो उसने ईवीएम के अंदर दर्ज किया है। बंगाल की जनता अपनी चुप्पी के लिए जानी जाती है और अक्सर यह चुप्पी बड़े-बड़े दिग्गजों के राजनीतिक भविष्य को धाराशायी कर देती है। अंततः बीजेपी और टीएमसी के बीच की यह कसमकश इस बात का प्रतीक है कि लोकतंत्र में कोई भी पद स्थायी नहीं है और जनता ही सर्वोपरि है। तब तक कयासों का बाजार गर्म रहेगा, चर्चाएं चलती रहेंगी और धड़कनें बढ़ी रहेंगी। बंगाल ने अपना फैसला सुना दिया है, बस उसका सार्वजनिक होना बाकी है। सत्ता का ताज किसके सिर सजेगा, यह तो वक्त की कोख में है, लेकिन इस रोमांचक मुकाबले ने यह जरूर साबित कर दिया है कि बंगाल की राजनीति में कभी भी कुछ भी संभव है।

शादी से लौटते वक्त हादसा, कार के परखच्चे उड़े

अमकुई के पास कार पेड़ से टकराई, चालक की मौत, 5 घायल

सतना।

जसो थाना क्षेत्र में शनिवार दोपहर एक दर्दनाक सड़क हादसे में कार चालक की मौके पर ही मौत हो गई,जबकि तीन बच्चों सहित पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा तेज रफ्तार के कारण कार के अनियंत्रित होकर पेड़ से टकराने से हुआ। मृतक की पहचान अमकुई निवासी पवन सोनी के रूप में हुई है।

वे वर्तमान में सतना के धवारी में रहते थे। बताया जा रहा है कि पवन शुक्रवार को अपने भांजे की शादी में शामिल होने ओंकार पैलेस गए थे। समारोह के बाद शनिवार दोपहर वे रिश्तेदारों को कार से गांव छोड़ने के लिए निकले थे। अमकुई गांव के नजदीक पहुंचते ही कार अचानक अनियंत्रित हो गई और सड़क किनारे पेड़ से जा भिड़ी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। चालक पवन सोनी की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में कार सवार तीन बच्चों सहित पांच लोग घायल हुए हैं। घायलों को तत्काल नागौद अस्पताल ले जाया गया,जहां प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया। घायलों में 7, 9 और 11 साल के बच्चों की हालत गंभीर बताई जा रही है। परिजन उन्हें आगे इलाज के लिए निजी अस्पताल ले गए हैं।

तेज रफ्तार बनी हादसे की वजह

घटना की सूचना मिलते ही जसो थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस ने मर्ग कायम कर हादसे के कारणों की पड़ताल शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार और वाहन से नियंत्रण खोना दुर्घटना की मुख्य वजह माना जा रहा है।

आंधी, बारिश से 20 हजार क्विंटल अनाज भीगा

छतरपुर। किसान की मेहनत और पसीने की कमाई उसकी फसल के रूप में तैयार होती है यही फसल इन दिनों प्रदेश की मंडियों में पहुंच रही है। पिछले साल के मानसून के कारण गेहूं उत्पादन करने वाले जिलों में इस बार बंपर पैदावार हुई है जब किसान अपनी इसी फसल को लेकर खरीद केन्द्रों पर पहुंचे तो उन्हें मुसीबतों का सामना करना पड़ा। कई किसान हैं जो समय पर स्लॉट बुक नहीं हो पाने के कारण दुखी हैं, कई किसानों की तुलाई दो-दो दिन नहीं हो पा रही है। किसान अपनी फसल को ट्रेक्टर में लादे है और इसी दौरान बारिश हो गई तो फसल तबाह। मप्र के छतरपुर जिले में पिछले दो दिनों में ऐसे ही हालात निर्मित हुए हैं। जिले के अलग-अलग खरीद केन्द्रों पर खुले आसमान के नीचे रखा किसान का अनाज और तौल के बाद सरकार का हो चुका अनाज भीग गया है। खबर है कि लगभग 20 हजार क्विंटल अनाज इस बारिश के कारण प्रभावित हुआ है। विभाग अपनी खामियों को पॉलीथिन से छिपाने में जुटा है।

भाजपा का शासन भी और प्रशासन भी, हम तो सिर्फ आईना दिखाने का काम कर रहे हैं : अनुभा मुंजारे

शराब दुकान हटाने को लेकर महिलाओं का आंदोलन जारी

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

बालाघाट शहर की बुढ़ी शराब दुकान हटाने को लेकर चल रहे आंदोलन में शुक्रवार रात एक अनोखा वाकया सामने आया। दुकान पर शराब खरीदने आए एक व्यक्ति का आंदोलनकारी महिलाओं ने फूलमालाओं से स्वागत किया। इसी दौरान वहां मौजूद विधायक अनुभा मुंजारे ने उस व्यक्ति को जमकर फटकार लगाई।

विधायक मुंजारे ने शराब खरीदने आए व्यक्ति से कहा, ₹तुम्हें शर्म नहीं आती? मां-बहनें यहां शराब दुकान हटाने को लेकर आंदोलन कर रही हैं और तुम शराब लेने आए हो। तुम्हारे घर में मां-बहनें नहीं हैं क्या?₹ इस पर व्यक्ति ने बताया कि वह किसी और के लिए शराब लेने आया था।

दरअसल, महिलाएं लगभग 25 दिनों से इस शराब दुकान को हटाने की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रही हैं। इस आंदोलन को समय-समय पर भाजपा, कांग्रेस और अन्य दलों का समर्थन भी मिल रहा है। शुक्रवार रात विधायक अनुभा मुंजारे भी आंदोलनकारी महिलाओं के समर्थन में पहुंची थीं।

मीडिया से बात करते हुए विधायक मुंजारे ने कहा कि प्रदेश में भाजपा की सरकार है और प्रशासन भी उन्हीं का है। उन्होंने कहा, ₹हम तो विपक्ष में बैठे हैं और सरकार को आईना दिखाने का काम कर रहे हैं। यदि हमारी सरकार होती तो महिलाओं को इतने दिनों तक आंदोलन नहीं करना पड़ता।₹

आंदोलन कर रही महिलाओं ने बताया कि उनका प्रदर्शन तब तक जारी रहेगा जब तक दुकान को हटाया नहीं जाता। इस मामले में प्रशासन या आबकारी विभाग की ओर से कोई आधिकारिक पक्ष सामने नहीं आया है, जिससे प्रदर्शनकारियों का गुस्सा और बढ़ रहा है। विरोध प्रदर्शन के कई वीडियो भी सामने आए हैं, जिनमें महिलाएं कभी डंडे के दम पर तो कभी गांधीगिरी शैली में फूल देकर अपना विरोध दर्ज कराती दिख रही हैं। 27 अप्रैल को नगरपालिका परिषद की बैठक में नपाध्यक्ष ने बुढ़ी शराब भट्टी के 50 साल से भी अधिक पुराने भवन का निरीक्षण करने के आदेश दिए थे। हालांकि, चार दिन बीत जाने के बाद भी अब तक नगरपालिका का अमला निरीक्षण के लिए नहीं पहुंचा है।

बताया जाता है कि भवन की जर्जर हालत के निरीक्षण के लिए जो टीम, नपा सीएमओ ने गठित की है, उस टीम के एक सदस्य की तबियत खराब हो गई है, जिसके कारण, टीम शराब भट्टी तक नहीं पहुंच सकी। संभवतः सोमवार को टीम भवन का निरीक्षण करने पहुंचेगी।

अतिक्रमण हटाने पहुंची टीम के सामने युवक ने की आत्मदाह की कोशिश, मचा हड़कंप!

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

बालाघाट की ग्राम पंचायत कोसमी में शुक्रवार दोपहर प्रशासन की अतिक्रमण विरोधी कार्रवाई के दौरान हाई वोल्टेज ड्रामा देखने को मिला। आबादी भूमि पर किए गए निर्माण को हटाने पहुंची टीम के सामने अतिक्रमणकारी मुकेश माहुले ने खुद पर पेट्रोल डालकर आत्मदाह का प्रयास किया। मौके पर तैनात पुलिस बल ने मुस्तैदी दिखाते हुए उसे आग लगाने से पहले ही सुरक्षित बचा लिया।

तहसीलदार सुनील वर्मा ने बताया कि यह कार्रवाई एसडीएम कोर्ट से अपील खारिज होने के बाद पूरी तरह नियमानुसार की गई है। राजस्व और पुलिस की संयुक्त टीम ने मौके पर पहुंचकर जेसीबी की मदद से अवैध भवन और बाउंड्रीवाल को जमींदोज कर दिया। प्रशासन का कहना है कि यह भूमि

आबादी क्षेत्र में आती है, जिस पर अवैध कब्जा किया गया था।

अतिक्रमण का यह विवाद तब शुरू हुआ जब कोसमी निवासी इमलाबाई निकोसे और उनके पुत्र विकास निकोसे ने जनसुनवाई में शिकायत की थी। उन्होंने बताया था कि मुकेश माहुले द्वारा रास्ते की जमीन पर कब्जा करने से उनका आवागमन बाधित हो रहा है। तहसील न्यायालय में सुनवाई के बाद अतिक्रमण हटाने के आदेश जारी किए गए थे।

कार्रवाई के दौरान पीड़ित मुकेश माहुले ने प्रशासन पर एकतरफा कार्रवाई का आरोप लगाया। उनका दावा है कि यह जमीन उनके मामा डाली दमाहे के समय से यानी पीढ़ियों से उनके परिवार के पास है।

मुकेश ने बताया कि मामा की हत्या के बाद से वे ही इस स्थान की देखरेख कर रहे हैं। फिलहाल प्रशासन ने निर्माण हटाकर जमीन को अतिक्रमण मुक्त कर दिया है।

मौसंबी से लदा ट्रक अनियंत्रित होकर पलटा

हरिभूमि न्यूज ⏩ सिवनी।

जिले में नेशनल हाईवे-44 पर एक सड़क हादसा हुआ है। मोहगांव सुकतरा के पास दोपहर में मौसंबी से लदा एक ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया। इस दुर्घटना में ट्रक चालक गंभीर रूप से घायल हो गया और हाईवे पर यातायात बाधित हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ट्रक तेज गति से नागपुर की ओर जा रहा था। मोहगांव सुकतरा के समीप एक मोड़ पर चालक पवम यादव (40 वर्ष) ने वाहन से नियंत्रण खो दिया। इसके बाद ट्रक लहराते हुए बीच सड़क पर पलट गया। हादसे में चालक पवम यादव ट्रक के केबिन में बुरी तरह फंस गया था। आसपास के ग्रामीण तुरंत सहायता के लिए पहुंचे और काफी मशक्कत के बाद उसे बाहर निकाला। मौके पर पहुंची एंबुलेंस की मदद से घायल चालक को तत्काल जिला अस्पताल भेजा गया, जहां उसका उपचार जारी है। चिकित्सकों के अनुसार, चालक की हालत गंभीर बनी हुई है।सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को संभाला। क्रेन की सहायता से पलटे हुए ट्रक को सड़क किनारे हटाया गया। इसके बाद सड़क पर बिखरी मौसंबी को हटाकर मार्ग की सफाई करवाई गई। करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद यातायात को सुचारु रूप से बहाल किया जा सका। पुलिस ने इस मामले की जांच शुरू कर दी है। प्राथमिक जांच में तेज रफ्तार और मोड़ पर वाहन से नियंत्रण खोना ही हादसे की मुख्य वजह मानी जा रही है।ट्रक पलटने के कारण सड़क पर मौसंबी बिखर गई, जिससे मार्ग अवरुद्ध हो गया। इसके चलते हाईवे पर दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और यातायात कुछ देर के लिए पूरी तरह प्रभावित रहा। हादसे के समय ट्रक की चपेट में कोई अन्य वाहन नहीं आया।

ज्येष्ठ मास में जल दान सबसे बड़ा दान: रामरतन दास महाराज

प्रयागराज फलाहारी आश्रम पीठाधीश्वर सहित संत राम नाम बैंक पधारे, टंकियों में भरा पानी

छतरपुर। ज्येष्ठ मास की तपती गर्मी में प्यासे प्राणियों की सेवा को सर्वोपरि बताते हुए फलाहारी आश्रम प्रयागराज के महंत रामरतन दास महाराज ने कहा कि इस माह में जलदान सबसे बड़ा पुण्य का कार्य है। इसी भावना के साथ हिंदू उत्सव समिति के पशु पक्षी पेयजल अभियान के तहत टंकियां और सकोरों के विशेष पूजन एवं सेवा कार्यों का आयोजन किया गया। फलाहारी आश्रम पीठाधीश्वर रामरतन दास महाराज के सान्निध्य में विधिवत पूजा-अर्चना की गई। इस अवसर पर पूज्य महंत रामनारायण दास जी भुवनेश्वर, महंत जयराम दास जी श्रृंगवेरपुर धाम की गरिमामय उपस्थिति रही। जानकारी के मुताबिक एक धार्मिक कार्यक्रम में शामिल होने आए प्रयागराज के अरेल स्थित फलाहारी आश्रम पीठाधीश पूज्य रामरतन दास महाराज, उड़ीसा भुवनेश्वर के रामनारायण दास महाराज एवं श्रृंगवेरपुर के जय रामदास महाराज हिंदू समिति के राम नाम बैंक में पधारे। इस समय हिंदू उत्सव समिति का पशु पक्षी पेयजल अभियान चल रहा है इस अभियान में संतों की सन्निधि प्राप्त हुई। पवन संतो के पूजन के पश्चात विभिन्न स्थानों पर पानी की टंकियां रखवाई गईं तथा पेड़ों और सार्वजनिक स्थलों पर सकोरे (मिट्टी के पात्र) टांगे गए, ताकि पशु पक्षियों को आसानी से जल उपलब्ध हो सके। इस अवसर पर हिंदू उत्सव समिति के अध्यक्ष पवन मिश्रा ने संतों का स्वागत किया। संतों ने समिति के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि समाज को भी इससे प्रेरणा लेकर कार्य करना चाहिए। संतों ने अपने संदेश में कहा कि जल ही जीवन है और ज्येष्ठ मास में जलदान न केवल धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है बल्कि मानवीय संवेदना का भी प्रतीक है। उन्होंने लोगों से अधिक से अधिक जल सेवा करने और पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लेने की अपील की।

गोंदिया की जगह रीवा इटवारी ट्रेन अब सिवनी छिंदवाड़ा होकर गुजरेगी

सिवनी। नागपुर रेल मंडल के गोंदिया स्टेशन पर ट्रैक सुधार का काम शुरू होने जा रहा है, जिसकी वजह से रेलवे ने रीवा-इतवारी एक्सप्रेस के रूट में बड़ा बदलाव किया है। यह काम 3 मई से 22 मई तक चलेगा, जिससे गोंदिया की जगह अब यह ट्रेन सिवनी और छिंदवाड़ा होकर गुजरेगी। गोंदिया स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर-4 पर पुराने वॉशेबल एप्रन को हटाकर नया बैलेस्टेड ट्रैक बिछाया जा रहा है। **सिवनी-छिंदवाड़ा होकर चलेंगी ये ट्रेनें**-रीवा से चलने वाली गाड़ी संख्या 11754 (रीवा-इतवारी एक्सप्रेस) 2 मई से 18 मई के बीच तय तारीखों पर जबलपुर-नैनपुर के बाद गोंदिया जाने के बजाय सीधे सिवनी और छिंदवाड़ा होते हुए इतवारी पहुंचेगी। इसी तरह, वापसी में गाड़ी संख्या 11753 (इतवारी-रीवा एक्सप्रेस) 3 मई से 19 मई तक इसी परिवर्तित मार्ग से संचालित की जाएगी। अधिकारियों के मुताबिक, सामान्य दिनों में यह ट्रेन सप्ताह में सिर्फ चार दिन सिवनी मार्ग से चलती थी और तीन दिन गोंदिया होकर जाती थी। अब गोंदिया स्टेशन पर काम के चलते इसे पूरी तरह सिवनी मार्ग पर शिफ्ट कर दिया गया है।

तहसीली का रौब दिखाकर पड़ोसी से विवाद, गाली-गलौज व धमकी पर दो भाइयों के खिलाफ मामला दर्ज

पुलिस को भी दी खुली चुनौती, 112 जवानों से अभद्रता

हरिभूमि न्यूज लांजी।

लांजी थाना क्षेत्र के सुनारककोड़ी गांव में घर के सामने खड़ी चार पहिया वाहन को लेकर शुरू हुआ विवाद गंभीर झगड़े में बदल गया। आरोप है कि पड़ोसी ने न केवल गाली-गलौज की, बल्कि जान से मारने की धमकी भी दी। पुलिस ने शिकायत के आधार पर दो भाइयों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार, संजीव पिता पांडुरंग वाघाड़े निवासी सुनारककोड़ी ने थाना लांजी में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि 29 अप्रैल की सुबह लगभग 8:30 बजे वे अपने घर पर थे। तभी बाहर से शोर सुनाई देने पर जब वे बाहर पहुंचे तो सामने रहने वाला शोभाराम सोनवाने उनके नाम से अपशब्द कहता हुआ विवाद कर रहा था। विवाद का कारण घर के सामने सड़क किनारे खड़ी उनकी चार पहिया गाड़ी बताया गया है। शिकायतकर्ता के अनुसार, जब उन्होंने गाली देने का विरोध किया तो शोभाराम का भाई बालकिशन सोनवाने भी मौके पर पहुंच गया। दोनों ने मिलकर अश्लील गालियां दीं और विरोध करने पर जान से खत्म करने की धमकी दी। घटना के दौरान आसपास के ओमप्रकाश बडघैया, बिसन वाघाड़े सहित अन्य लोगों ने हस्तक्षेप कर मामला शांत कराया। पीड़ित ने यह भी आरोप लगाते हुए बताया कि आरोपी खुद को तहसील कायाज़्लय में अर्जी निवेशन का कार्य करने वाला बताते हुए रौब झाड़ रहा था और पुलिस को भी चुनौती दे रहा था। मौके पर पहुंचे डायल 112 के आरक्षक के साथ भी आरोपियों ने अभद्र व्यवहार किया और अपमानजनक बातें कहीं। घटना के बाद शिकायतकर्ता अपनी पत्नी के साथ थाना लांजी पहुंचे और लिखित शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए शोभाराम सोनवाने और बालकिशन सोनवाने के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 296(बी), 351(3), 3(5) के तहत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

कुत्तों के हमले से सांभर शावक की मौत

बालाघाट। बालाघाट जिले के लामता सामान्य परिक्षेत्र में शनिवार को एक सांभर शावक का शव खेत में मिला। ग्रामीण ईश्वरीप्रसाद ऐड़े ने बताया कि उन्होंने खेत में शावक को मृत अवस्था में देखा, जिसके बाद उन्होंने पंचायत सरपंच और वन विभाग को सूचना दी। पशु चिकित्सक डॉ. बादल पटले के अनुसार, मृत शावक लगभग 8 माह का था। उसके पिछले हिस्से में दांतों के निशान मिले हैं।

भानेगांव में आधी रात खूनी खेलः शादी से लौट रहे युवकों पर चाकुओं से ताबड़तोड़ हमला

बस स्टैंड पर 6-7 हमलावरों का कहर, गले-सिर पर वार कर एक युवक को किया गंभीर घायल, इलाके में दहशत

हरिभूमि न्यूज लांजी।

लांजी थाना क्षेत्र के भानेगांव में आधी रात उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब शादी समारोह से लौट रहे तीन युवकों पर अचानक चाकुओं से हमला कर दिया गया। रात करीब 1:30 बजे बस स्टैंड के पास हुई इस सनसनीखेज वारदात ने पूरे गांव को दहला दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, 6 से 7 हमलावरों ने युवकों को घेरकर पहले विवाद किया और फिर अचानक चाकुओं से ताबड़तोड़ वार शुरू कर दिए। जानकारी के मुताबिक, प्रदीप ठाकरे, प्रमोद ठाकरे और तुषार ठाकरे शादी से लौट रहे थे। इसी दौरान बस स्टैंड स्थित एक दुकान के सामने पहले से मौजूद आरोपियों ने उन्हें रोक लिया। हमलावरों में बालू ठाकरे, शुभम ठाकरे निवासी भानेगांव और डूलेष सिल्हारे निवासी पारडी सहित अन्य शामिल बताए जा रहे हैं। देखते ही देखते मामूली कहासुनी हिंसक झगड़े में बदल गई और आरोपियों ने धारदार हथियारों से हमला कर दिया। हमले की भयावहता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि प्रदीप ठाकरे के गले, सिर, कंधे और हाथों पर कई गहरे वार किए गए, जिससे वह बुरी तरह लहूलुहान होकर गिर पड़ा। वहीं उसके दोनों साथी भी हमले में घायल हो गए। घटना के बाद मौके पर भगदड़ मच गई और लोग दहशत में आ गए। घटना के तुरंत बाद घायलों को लांजी थाना ले जाया गया, जहां से उन्हें सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने अस्पताल पहुंचकर घायलों के बयान दर्ज किए और त्वरित कार्रवाई करते हुए सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि हमले के पीछे पुरानी रंजिश कारण हो सकती है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ बीएनएस की धारा 296(बी), 115(2), 351(3), 3(5) और 118(1) के तहत मामला दर्ज किया है। इस खौफनाक वारदात के बाद भानेगांव और आसपास के क्षेत्रों में दहशत का माहौल है। वहीं पुलिस का दावा है कि मामले की गहराई से जांच कर जल्द ही पूरे घटनाक्रम का खुलासा किया जाएगा।

क्या 'भूत बंगला' में किरदार छोटा होने से खफा हैं तब्बू..?

मुंबई। फिल्म 'भूत बंगला' सिनेमाघरों में रिलीज होने के बाद से अच्छा प्रदर्शन कर रही है। 'हेरा फेरी' (2000) के बाद, अक्षय कुमार और तब्बू ने इस फिल्म से 25 साल बाद साथ में वापसी की है। काफी वक्त से चर्चा थी कि फिल्म में कथित तौर पर किरदार छोटा किए जाने के कारण तब्बू निर्माताओं से खफा हैं। यह भी कहा गया कि अक्षय ने उनका किरदार छोटा कराया था। अब निर्देशक प्रियदर्शन ने इन खबरों पर प्रतिक्रिया दी है। पिंकविला से बातचीत में, निर्देशक ने दावों को खारिज करते हुए कहा, मुझे नहीं पता कि ये नकारात्मक खबरें कौन और क्यों फैला रहा है। मैं 'भूत बंगला' का निर्देशक हूं।

लाइफ Style

सान्या

'पगलैट' बनकर करेंगी दमदार वापसी

एजेंसी ▶▶ मुंबई

सान्या मल्होत्रा ने अपने करियर में हमेशा अलग-अलग तरह की भूमिका निभाकर दर्शकों को प्रभावित किया है। साल 2021 में उनकी फिल्म 'पगलैट' आई थी जो एक डार्क कॉमेडी ड्रामा थी। इस फिल्म में अभिनेत्री ने एक ऐसा चुनौतीपूर्ण किरदार निभाया था जो शादी के तुरंत बाद विधवा हो जाती है।

ताजा खबर है कि नेटफ्लिक्स पर आई यह फिल्म सीक्वल के साथ दोबारा दर्शकों का मनोरंजन करने लौटेगी। यह सिखिया एंटरटेनमेंट और नेटफ्लिक्स इंडिया की साझेदारी का प्रतीक होगी। रिपोर्ट के मुताबिक, सिखिया एंटरटेनमेंट और नेटफ्लिक्स इंडिया अपनी डार्क ड्रामा-कॉमेडी फिल्म के सीक्वल 'पगलैट 2' के लिए साथ आ रहे हैं। सीक्वल पर काम शुरू हो चुका है और सान्या अपने किरदार 'संध्या गिरी' के रूप में वापसी करेंगी। मूल फिल्म के निर्देशक उमेश बिष्ट ही सीक्वल का निर्देशन करेंगे और कहानी को एक नए दृष्टिकोण से आगे बढ़ाएंगे। हालांकि यह तय नहीं हुआ है कि सीक्वल पहले भाग की कहानी को आगे बढ़ाएगा या नई कहानी लाएगा।

रिपोर्ट के अनुसार, निर्माताओं द्वारा सीक्वल में पहले भाग की तरह ही हास्य और भावनात्मक गहराई का अनूठा मिश्रण बरकरार रखा जाएगा। फिल्म की शूटिंग अगस्त या अक्टूबर, 2026 के आसपास से शुरू होने की उम्मीद है। काम की बात करें, तो सान्या को आखिरी बार राजकुमार राव की फिल्म 'टोस्टर' में देखा गया था। यह फिल्म हाल ही में नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई थी। आने वाले दिनों में अभिनेत्री बॉबी देओल की फिल्म 'बंदर' (5 जून, 2026) में दिखेंगी।

हॉलीवुड मसाला

पहले ही दिन 1.95 करोड़ की कमाई की...

लॉस एंजिल्स। 'द डेविल वियर्स प्राडा 2' सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। लोगों की तरफ से फिल्म को लेकर पॉजिटिव रिएक्शन देखने को मिल रहे हैं। फिल्म 'द डेविल वियर्स प्राडा' का सीक्वल है, जिसे नए अंदाज में बनाया गया है। आइए जानते हैं फिल्म ने पहले दिन बॉक्स ऑफिस और वर्ल्डवाइड कितना कलेक्शन किया है। हॉलीवुड फिल्म 'द डेविल वियर्स प्राडा 2' एक मई को सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। रिलीज के बाद से ही फिल्म सुर्खियों में थी। फिल्म ने भारत में खबर लिखे जाने तक टोटल नेट 1.95 करोड़ की कमाई कर ली है। फिलहाल इसके आंकड़ों में बढ़ोतरी हो सकती है।

नशा और बेकाबू रफ्तार पर ब्रिटनी पर आरोप तय...

लॉस एंजिल्स। पॉप स्टार ब्रिटनी स्पीयर्स पर कैलिफोर्निया में शराब और ड्रग्स के प्रभाव में गाड़ी चलाने का औपचारिक आरोप दर्ज किया गया है। यै मामला मार्च 2026 की उस घटना से जुड़ा है, जब उन्हें अपनी कार को लापरवाही से चलाने के लिए रोका गया था। फिलहाल, ब्रिटनी स्वेच्छा से एक रिहैब सेंटर में अपना इलाज करा रही हैं, जबकि इस मामले में उनकी कोर्ट में सुनवाई सोमवार को होनी तय हुई है। सोमवार 4 मई को होने वाली सुनवाई में उन्हें व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने की जरूरत नहीं है, उनकी जगह वकील पक्ष रखेंगे। कैलिफोर्निया के वेंचुरा काउंटी जिला अटॉर्नी कार्यालय ने उन पर शराब और ड्रग्स के संयुक्त प्रभाव में गाड़ी चलाने का आरोप लगाया है।

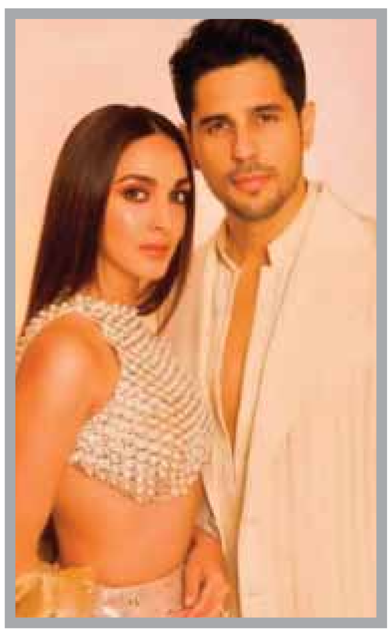

सिद्धार्थ- कियारा की पर्दे पर होगी वापसी

मुंबई। सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी अब एक बेटी के माता-पिता बन चुके हैं। हालांकि उनकी प्रेम कहानी की शुरुआत फिल्म 'शेरशाह' (2021) के सेट पर हुई थी और दोनों की जोड़ी को फैंस ने खूब पसंद किया था। लगता है कि यह जोड़ा एक बार फिर फिल्मी पर्दे पर साथ आने की तैयारी कर रहा है। ऐसा हम नहीं कह रहे हैं, बल्कि अभिनेता की ताजा इंस्टाग्राम पोस्ट देखकर लोगों ने अंदाजा लगाना शुरू कर दिया है। सिद्धार्थ ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर शूटिंग की एक तस्वीर साझा की है। पीछे से ली गई तस्वीर में उनके साथ कियारा भी मौजूद हैं और दोनों कैमरे की ओर देख रहे हैं। जहां अभिनेता ने सफेद शर्ट के साथ नील जींस पहनकर कैजुअल लुक लिया, तो वहीं कियारा ने गुलाबी धारीदार शर्ट और सफेद पैंट पहनी है।

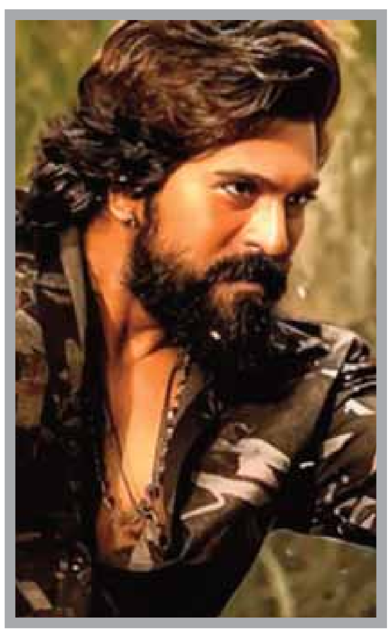

'पेड्डी' को मिली नई रिलीज तारीख...

मुंबई। सुपरस्टार राम चरण और जाह्नवी कपूर की फिल्म 'पेड्डी' एक बार फिर चर्चा में हैं। निर्माताओं ने आधिकारिक ऐलान करते हुए आखिरकार इसकी नई रिलीज तारीख से पर्दा उठा दिया है। पहले फिल्म अप्रैल में रिलीज करने की तैयारी थी, लेकिन निर्देशक बुची बाबू सना ने इसे आगे बढ़ाने का फैसला लिया। उन्होंने बची हुई शूटिंग का हवाला देते हुए रिलीज को स्थगित करने ऐलान किया था। हालांकि, अब 'पेड्डी' को जून में रिलीज किया जाएगा। संगीतकार एआर रहमान ने 'पेड्डी' का नया पोस्टर जारी करते हुए लिखा, 'दृढ़ संकल्प ही उसकी कहानी है। दृढ़ निश्चय ही उसका हथियार है। #पेड्डी 4 जून, 2026 को विश्वव्यापी रिलीज।' पहले 4 जून को यश अभिनीत फिल्म 'टॉक्सिक' को रिलीज होना था, लेकिन अब उसे टाल दिया गया है।

टीवी मसाला

'सिंगल हूं, कमजोर नहीं', एक शो से रातोंरात स्टार बनी थीं एक्ट्रेस...

नई दिल्ली। टीवी इंडस्ट्री की जानी-मानी एक्ट्रेस रश्मि देसाई ने हाल ही में अपनी पर्सनल लाइफ, करियर और जिंदगी के संघर्षों को कई राज खोले हैं। रश्मि ने बताया कि उन्होंने जिंदगी में कई उतार-चढ़ाव देखे हैं, लेकिन हर मुश्किल के बाद खुद को और मजबूत बनाया है। रश्मि ने कहा कि वह खुद को एक मजबूत सोच वाली सिंगल महिला मानती हैं। उनके मुताबिक जिंदगी में बदलाव आना बिल्कुल सामान्य है और हर इंसान को बदलाव को अपनाना सीखना चाहिए। उन्होंने कहा कि वक्त के साथ हर चीज बदलती है, इसलिए इंसान को भी आगे बढ़ते रहना चाहिए। एक्ट्रेस ने आगे कहा कि उन्होंने जिंदगी से सबसे जरूरी बात यही सीखी है कि कभी रुकना नहीं चाहिए। अगर इंसान रुक जाता है तो पीछे छूट जाता है। मुश्किल समय में भी आगे बढ़ते रहना ही असली हिम्मत है। बता दें कि अपने करियर में रश्मि देसाई ने कई हिट और सुपरहिट शोज में काम किया है लेकिन जो पहचान और घर-घर में उन्हें पहचाना गया है, वो शो है 'उतरन'। इस शो में तप्पू का किरदार निभाकर तो वह रातोंरात स्टार बन गई थी। शो में नेगेटिव रोल में उन्होंने जान फूंक दी थी।

कपिल फिर खोलेंगे मस्ती का पिटारा

नई दिल्ली। कॉमेडियन कपिल शर्मा इन दिनों आगामी फिल्म 'दादी की शादी' को लेकर चर्चा में हैं। नीतू कपूर की मुख्य भूमिका वाली यह फिल्म सिनेमाघरों में 8 मई, 2026 को रिलीज होने के लिए बिल्कुल तैयार है। हालांकि इससे पहले कपिल अपनी कॉमेडी की टोली के साथ वापसी करेंगे और दर्शकों को हंसी की डोज देंगे। अगर आप सोच रहे हैं कि उनका 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' लौट रहा है, तो आप सही हैं, लेकिन यहां एक ट्विस्ट भी है।

विश्व हास्य दिवस पर दर्शकों को मिलेगा तोहफा : नेटफ्लिक्स ने ऐलान किया है कि विश्व हास्य दिवस के खास अवसर पर कपिल का शो एक दिन के लिए वापसी करेगा। उन्होंने कैप्शन में लिखा, 'मस्ती की कमी खल रही है? हम दोनों को! विश्व हास्य दिवस के अवसर पर इस शनिवार को एक विशेष एपिसोड भी प्रसारित किया गया। बता दें, 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' के अब तक 4 सीजन आ चुके हैं।

सिनेमा के शौकीनों के लिए मई में धमाल मचाने आएंगी कई फिल्में

मुंबई। फिल्मों के शौकीनों के लिए आने वाला मई का महीना जबरदस्त मनोरंजन से भरपूर होने वाला है। रितेश देशमुख से लेकर आयुष्मान खुराना तक, कई सितारे अपनी फिल्मों के साथ सिनेमाघरों का रुख करेंगे। इन फिल्मों में ऐतिहासिक ड्रामा, कॉमेडी, थ्रिलर और रोमांच से भरपूर कई शैली शामिल हैं, जिन्हें दर्शक अपनी-अपनी पसंद के हिसाब से देख सकते हैं। चलिए मई, 2026 में सिनेमाघरों में आने वाली सभी फिल्मों की सूची पर एक नजर डालते हैं।

'राजा शिवाजी' और 'एक दिन' : रितेश द्वारा निर्देशित और अभिनीत ऐतिहासिक फिल्म 'राजा शिवाजी' 1 मई को रिलीज हो चुकी है। इस फिल्म में अभिनेता छत्रपति शिवाजी महाराज के किरदार को पर्दे पर जीवंत करते दिखाई देंगे। उनके साथ जेनेलिया डिसूजा, अभिषेक बच्चन और विद्या बालन जैसे सितारे भी नजर आएंगे। इसी दिन सिनेमाघरों में जुनैद खान और साई पल्लवी की फिल्म 'एक दिन' भी रिलीज होगी। यह एक इमोशनल ड्रामा फिल्म है, जिसका निर्माण आमिर खान प्रोडक्शन के तहत किया गया है।

'कृष्णावतारम', 'आखिरी सवाल' और 'दादी की शादी': भगवान श्रीकृष्ण को समर्पित पौराणिक फिल्म 'कृष्णावतारम' का पहला भाग 7 मई को रिलीज होगा। इसमें सिद्धार्थ गुप्ता और संस्कृति जयना मुख्य किरदार में हैं। संजय दत्त की फिल्म 'आखिरी सवाल' 8 मई को रिलीज हो रही है। अभिजीत मोहन वारंग द्वारा निर्देशित और निखिल नंदा, संजय दत्त द्वारा निर्मित यह फिल्म देश के संवेदनशील ऐतिहासिक विषयों पर आधारित है। इसी दिन नीतू कपूर और कपिल शर्मा की कॉमेडी ड्रामा फिल्म 'दादी की शादी' भी रिलीज हो रही है।

'पति पत्नी और वो 2' और 'चांद मेरा दिल': आयुष्मान, सारा अली खान, वामिका गब्बी और रकुल प्रीत सिंह की कॉमेडी-ड्रामा फिल्म 'पति पत्नी और वो 2' 15 मई को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। मुदस्सर अजीज द्वारा निर्देशित यह कार्तिक आर्यन की फिल्म ' पति पत्नी और वो' (2019) का सीक्वल है। एक हफ्ते बाद, 22 मई को अनन्या पांडे और लक्ष्य अभिनीत फिल्म 'चांद मेरा दिल' सिनेमाघरों का रुख करेगी। करण जौहर द्वारा निर्मित यह फिल्म प्यार और दर्द के इर्द-गिर्द बुनी गई एक भावनात्मक प्रेम-कहानी है।

'क्रांतिवीर' का वो आखिरी सीन, जिसने नाना पाटेकर को बनाया रील की दुनिया का बादशाह

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता नाना पाटेकर की फिल्म क्रांतिवीर 1994 में रिलीज हुई थी। मेहुल कुमार के निर्देशन में बनी इस फिल्म के डायलॉग्स आज भी लोगों के जहन में है। खासकर नाना पाटेकर का 'आ गए मेरी मौत का तमाशा देखने'. इस सीन को लेकर खुद अभिनेता ने बताया कि यह दृश्य शूट करने का कोई प्लान नहीं था। जानिए फिर कैसे बना यह सीन।

नाना पाटेकर ने क्या कहा?

अभिनेता नाना पाटेकर ने एक इंटरव्यू में इस बात का खुलासा किया था। उन्होंने कहा कि 'क्रांतिवीर' का आखिरी का सीन जो था वो लिखा हुआ ही नहीं है। आ गए मेरी मौत का तमाशा देखने, उसे तो ऐसे ही बोल दिया था। फिल्म के क्लाइमैक्स सीन से पहले नाना पाटेकर बीमार हो गए थे और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। उसके दूसरे दिन ही उस सीन की शूटिंग होनी थी। फिल्म के डायरेक्टर मेहुल कुमार अभिनेता ने मिलने पहुंचे और उनसे नाना पाटेकर ने कहा कि वो तय समय पर ही क्लाइमैक्स सीन की शूटिंग करेंगे। इसके बाद अभिनेता ने अस्पताल से छुट्टी ले ली।

एक ही टेक में पूरा किया सीन

उस सीन के लिए डायरेक्टर ने नाना पाटेकर से कहा कि जो उन्हें मन में आए बोल दें। थोड़ी देर प्रैक्टिस करने के बाद अभिनेता ने अपने बनाए शब्दों को बोल डाला और एक ही टेक में शूटिंग पूरी हो गई। फिल्म रिलीज के बाद यह सीन सबसे यादगार बन गया और आज भी लोगों के रील्स में यह डायलॉग दिख जाता है।

फिल्म के बारे में

इस फिल्म में नाना पाटेकर के साथ डिंपल कपाड़िया, ममता कुलकर्णी, परेश रावल जैसे कलाकार नजर आए थे। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार कमाई की थी। फिल्म की कहानी की बात करें, तो अपने परिवार द्वारा बेदखल किए जाने पर, एक किशोर जुआरी, प्रताप (नाना पाटेकर) मुंबई आता है, जहाँ उसे लक्ष्मीनाथ (परेश रावल) द्वारा अपनाया जाता है। हालांकि, जब लक्ष्मीनाथ की हत्या हो जाती है, तो प्रताप बदला लेने की कसम खाता है।

एके47 राइफलों के साथ आगे बैठे थे और मैं जो भी गाने गाता था, वे हवा में चलाते थे गोलियां

जब कुमार सानू से बंदूक की नोक पर गवाया गया एक ही गाना 16 बार

मुंबई। *सन 90 के दशक के सबसे लोकप्रिय गायकों में से एक कुमार सानू अपनी सुरीली आवाज से आज भी कई लोगों के दिलों पर राज करते हैं। गायक ने एक बार ऐसा खुलासा किया था कि सब हैरान हो गए थे. उन्हें बंदूक की नोक पर 16 बार गाना गाने के लिए मजबूर किया गया था और वे बड़ी मुश्किल से वहां से जान बचाकर भागे थे। चलिए जानते हैं वो चौंका देने वाला किस्सा।*

'हवा में गोलियां चलाते थे'

गायक कुमार सानू एक बार कॉमेडियन कपिल शर्मा के शो में शामिल हुए थे। वहां उन्होंने बताया कि वह एक बार बिहार के पटना में अपनी प्रस्तुति देने गए थे। उसी दौरान उन्होंने कहा, 'कुछ देर बाद, मैंने देखा कि उनमें से कुछ लोग एके47 राइफलों के साथ आगे बैठे थे और मैं जो भी गाने गाता था, वे हवा में गोलियां चलाते थे।' गायक ने बताया कि गोलीबारी के कारण कार्यक्रम में लगे तम्बू में लगभग 60 से 70 छेद हो गए थे, लेकिन उन्होंने इसे नजरअंदाज करते हुए अपना प्रदर्शन जारी रखा।

जब डर गए सिंगर

आगे बताते हुए गायक ने बताया, 'मैंने 'मैं दुनिया भुला दूंगा' गाना शुरू किया और जैसे ही मैंने गाना बदला, राइफल लिए एक आदमी आया और मुझसे पूछा कि आपको यह गाना बंद करने के लिए किसने कहा। वह आदमी शराब के नशे में था और उसने यह भी कहा कि यह उसका पसंदीदा गाना है। फिर उसने मुझसे कहा, 'सानू जी, मैं यह गाना एक बार और सुनना चाहता हूं और आपको मेरे लिए यह गाना गाना होगा।' यह सुनकर मैं डर गया।'

जब तान दी बंदूक

गायक ने यह भी बताया कि उन्होंने उस व्यक्ति को समझाने की कोशिश की कि वे उससे अलग गाना गाएंगे, लेकिन सब व्यर्थ रहा। कुमार सानू ने बताया कि उस व्यक्ति ने उन पर बंदूक तान दी और उन्होंने फिर से वही गाना गाना शुरू कर दिया। उन्होंने उस दिन वह गाना 16 बार गाया। उन्होंने आगे बताया, 'वे बंदूकें लेकर मंच पर आए और गाना गाने लगे। जब मैंने देखा कि मामला बिगड़ रहा है, तो मैं जल्दी से पीछे से निकल गया और पास के एक होटल में रुक गया। वहां सुबह 5 बजे तक गोलीबारी जारी रही।

धरती के बंजर जमीन पर मौजूद है विशाल आंख रेगिस्तान के बीच आसमान की तरफ देखती है

वॉशिंगटन। ब्रह्मांड की गहराइयों से जब धरती की तरफ देखा जाता है, तो सहारा के रेगिसतान के बीचों-बीच एक ऐसी आकृति दिखाई देती है, जिसे देखकर वैज्ञानिक भी हैरान हो जाते हैं। इसे दुनिया आई ऑफ द सहारा या रिचट स्ट्रक्चर के नाम से जानती है। लगभग 40 किलोमीटर के व्यास में फैली यह विशालकाय नीली आंख जैसी आकृति इतनी साफ दिखाई देती है कि अंतरिक्ष यात्री दशकों से इसका इस्तेमाल अंतरिक्ष में अपने लैंडमार्क के रूप में करते आए हैं। अंतरिक्ष से देखने पर यह बिल्कुल किसी विशालकाय इंसानी आंख की तरह दिखाई देती है, यह अफ्रीका के मॉरिटानिया देश में स्थित है।

फिर कैसे बनी धरती पर यह 'आंख'?

वैज्ञानिकों के मुताबिक यह कोई आसमानी हमला नहीं, बल्कि धरती के भीतर होने वाली हलचल के कारण बनी आकृति है। यह एक डोम यानी गुंबद की तरह है। लाखों साल पहले जमीन के नीचे से चट्टानों की परतें ऊपर उठीं, जिससे एक गुंबद जैसा ढांचा बना। जिसको संयम के साथ हवा और बारिश ने धीरे-धीरे ऊपरी चट्टानों को काटना शुरू किया। जो चट्टानें नरम थीं, वे जल्दी घिस गईं और जो सख्त थीं, वे मजबूत बनी रहीं। इसी डिफरेंशियल इरोजन यानी अलग-अलग रफ्तार से होने वाला कटाव के कारण से वहां गोल घेरा बन गया। केंद्र में पुरानी चट्टानें हैं और बाहर की तरफ नई, जो मिलकर एक आंख जैसी आकृति बनाती हैं।

नासा ने खोला इसका राज

क्या यह उल्कापिंड के गिरने से बना गड्ढा है?

कई सालों तक वैज्ञानिक यह मानते थे कि रेगिस्तान में यह आकृति किसी विशाल उल्कापिंड के टकराने के कारण बनी है। इसकी बनावट इतनी सटीक है कि इसे प्राकृतिक मानना मुश्किल लगता है। लेकिन, नासा और और भू-वैज्ञानिकों ने अब इस थ्योरी को पूरी तरह खारिज कर दिया है। रिसर्च में यहां किसी भी तरह के झटके या बाहरी मलबे के कोई सबूत नहीं मिले हैं, जो किसी भी उल्कापिंड के टकराने के बाद मिलते हैं।

अंतरिक्ष यात्रियों का लैंडमार्क

सहारा रेगिस्तान अंतरिक्ष से देखने पर काफी सपाट दिखाई देता है, जिससे अंतरिक्ष यात्रियों को अपनी दिशा समझने में परेशानी होती है। ऐसे में यह आंख की आकृति उनके लिए एक लैंडमार्क का काम करती है। नासा के अनुसार, शुरुआती अंतरिक्ष मिशनों से ही अंतरिक्ष यात्री इसका इस्तेमाल नेविगेशन के लिए करते आ रहे हैं।

पूरी दुनिया को खाद देता है सहारा

नासा की स्टडी में एक और चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। सहारा सिर्फ एक बंजर रेगिस्तान नहीं है, बल्कि यह दुनिया के इकोसिस्टम का एक जरूरी हिस्सा है। हर साल यहां से लगभग 18 करोड़ टन धूल उड़ती है। इसमें से करोड़ों टन धूल अमेजन के जंगलों में जाती है, जो वहां के पौधों के लिए फास्फोरस जैसे जरूरी पोषक तत्व पहुंचाने का काम करती है।

अब तक बेची गई सबसे महंगी फुटबॉल जर्सी, करोड़ों में है जिनकी कीमत

फुटबॉल दुनिया का सबसे लोकप्रिय खेल है, जिसे वैश्विक स्तर पर अनुमानित 400 करोड़ लोग देखते हैं। लिहाजा, फुटबॉल खिलाड़ियों की प्रसिद्धि भी आसमान छूती है। इन खिलाड़ियों ने जिन भी जेर्सी को एक बार पहन लिया, वे बेशकीमती हो जाती हैं। उन्हें खरीदने के लिए लोग लाखों क्या, करोड़ों रुपये खर्च करने से भी पीछे नहीं हटते हैं। इसी कड़ी में आज हम आपको अब तक बिकने वाली 5 सबसे महंगी फुटबॉल जेर्सी के बारे में बताएंगे।

डिएगो माराडोना की 'हैंड ऑफ गॉड' जर्सी

डिएगो माराडोना अर्जेंटीना के महान फुटबॉलर थे, जिन्हें इतिहास के महानतम खिलाड़ियों में से एक माना जाता है। उन्होंने 1986 फीफा विश्व कप के क्वार्टर फाइनल में जो जर्सी पहनी थी, वह इस सूची में पहले स्थान पर है। उन्होंने इसे अपने प्रसिद्ध 'हैंड ऑफ गॉड' गोल के दौरान पहना था। आपको जानकर हैरानी होगी कि इस जर्सी की कीमत 87 करोड़ रुपये से ज्यादा लगी है। इसे 4 मई, 2022 को एक अज्ञात व्यक्ति ने खरीदा था।

सर जेफ हर्स्ट की जर्सी

सर जेफ हर्स्ट एक दिग्गज अंग्रेजी फुटबॉलर हैं, जो विश्व कप फाइनल में हैट्रिक बनाने वाले पहले और एकमात्र खिलाड़ी हैं। उनकी 1966 वाले विश्व कप फाइनल के दौरान पहनी गई जर्सी इस सूची में चौथे स्थान पर है। इसे साल 2000 में 1.13 करोड़ रुपये में नीलाम किया गया था। इसे 2016 में दोबारा नीलामी के लिए उपलब्ध कराया गया था, लेकिन यह बिकी नहीं थी। फिलहाल यह मैनचेस्टर स्थित राष्ट्रीय फुटबॉल संग्रहालय में प्रदर्शित है।

मेसी की विश्व कप फाइनल की जर्सी

लियोनल मेसी को बच्चा-बच्चा जानता है। जाहिर सी बात है कि उनका नाम इस सूची में जरूर शामिल होगा। मेसी की 2022 के विश्व कप फाइनल की जर्सी दुनिया की दूसरी सबसे महंगी बिकने वाली जर्सी है। इस प्रतिष्ठित जर्सी की कीमत 75 करोड़ रुपये से ज्यादा लगी थी।

पेले की फाइनल की जर्सी

पेले का नाम फुटबॉल के इतिहास में सुनहरे अक्षरों में लिखा जाता है। उन्हें लोग प्यार से 'राजा' कहकर पुकारते थे। 1970 के विश्व कप फाइनल में पेले द्वारा पहनी गई जर्सी ब्राजील के फुटबॉल के स्वर्णिम युग का प्रतीक है। यह दुनिया की तीसरी सबसे महंगी बिकने वाली जर्सी है, जो 1.94 करोड़ रुपये में बेची गई थी। इसे इतालवी खिलाड़ी रॉबर्टो रोसाटो ने बेची था, जिन्होंने फाइनल के अंत में पेले के साथ अपनी जर्सी बदल ली थी।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड मण्डला (म.प्र.)
दूरभाष - 07642-252443 ई-मेल -eephedmal@mp.nic.in फेक्स –07642-253622

निविदा क्रमांक 14/2026-27/ नि.शाखा/लो.स्वा. यॉं./2026 **निविदा आमंत्रण सूचना** मण्डला, दिनांक 30.04.2026

निम्नानुसार कार्य हेतु ऑनलाईन वेबसाईट http://mptenders.gov.in/nicgep/app पर निविदा आमंत्रित किये जाते है। ऑन लाईन निविदा प्रस्तुत किये जाने की अंतिम तिथि 12/05/2026 सायं 17.30 बजे तथा निविदा खुलने का दिनांक 14/05/2026 दोपहर 12.00 बजे के पश्चात है। निविदा से सम्बंधित कोई भी संशोधन ई-टेण्डरिंग पोर्टल पर प्रदर्शित है। विस्तृत निविदा एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाईट http://mptenders.gov.in/nicgep/app पर देखा जा सकता है।

NIT No.	Tender ID No.	Name of Villeges	Call	Name of Block	PAC	EMD	Tender Doc. Fee	Time
1	2	3	4	5	6	7	8	9
14/ 26-27	2026_PHED _504539_1	Arrengement For Aadiutsav At Village Ramnagar Fort Of Block Bichhiya and Chougan Block Mohgaon District Mandla.	1ST	Bichhiya & Mohgaon	33.84	50000	2000	01 माह वर्षा काल सहित

नोट :- निविदा पत्र उपरोक्त वेबसाईट पर कैश कार्ड, ए.टी.एम. कम डेबिट कार्ड या इंटरनेट बैंकिंग एकाउण्ट के माध्यम से ऑनलाईन भुगतान पर क्रय किया जा सकता है।

कार्यपालन यंत्री
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, खण्ड, मण्डला

G-12359/26 "स्वच्छता ही सेवा"

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय मेकेनिकल खण्ड, छुई खदान, बेदीनगर जबलपुर
Phone - 0761-2977337 E-mail-eephmecib@yahoo.com

निविदा क्र. 01/2026-27/तक./का.यं./लो.स्वा.या.मैके खण्ड/ जबलपुर दिनांक 30.04.2026

ऑन-लाईन निविदा आमंत्रण सूचना

मध्यप्रदेश के राज्यपाल की ओर से अधोहस्ताक्षरकर्ता द्वारा निम्नानुसार प्रतिष्ठित फर्मो / एजेन्सी से ऑन-लाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। जिसका अवलोकन http://www.mptender.gov.in वेबसाईट में किया जा सकता है।

क्र.	निविदा क्रमांक	पोर्टल निविदा क्रमांक	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत रुपए (रुपए में)	प्रतिभूति राशि (रुपए में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रुपए में)	निविदा प्रपत्र ऑन-लाईन क्रय करने की दिनांक	निविदा प्रपत्र ऑन-लाईन जमा करने की अंतिम दिनांक
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	01/ 2026 -27	2026_ PHED_ 504075_1	जिला मण्डला में ग्रेवल पैक नलकूपों हेतु ग्रेवल पूर्ती कार्य।	8,46,000	16,920	2000	30.04.2026 से 11.05.2026	12.05.2026

नोट:- निविदा में किसी भी प्रकार का कोई संशोधन होता है तो केवल ऑन-लाईन किया जायेगा, समाचार पत्रों में नहीं होगा।

(एस.के. कुरील) कार्यपालन यंत्री
लोक स्वा. यां. मैके. खण्ड जबलपुर

G-12357/26 "स्वच्छता ही सेवा"

खतरनाक फंगस ने कर दी मेंढकों की दुनिया तबाह

टर्र-टर्र के पीछे मौत का सन्नाटा!

सिडनी। काइट्रिड नाम के फंगस ने दुनिया भर में मेंढकों की संख्या में अचानक से गिरावट ला दी है। ये रोग सिर्फ ऑस्ट्रेलिया तक सीमित नहीं है, बल्कि दुनिया के कई हिस्सों में बहुत तेजी से फैल चुका है। ये फंगस इतना घातक है कि यह मेंढकों की त्वचा पर हमला करता है और धीरे-धीरे उन्हें मौत के करीब ले जाता है। पिछले कुछ दशकों में इसने सैकड़ों प्रजातियों को खत्म होने की कगार पर पहुंचा दिया है। ऑस्ट्रेलिया में मेंढकों की टर्र-टर्र भले ही आम और पहचान भरी आवाज़ लगे, लेकिन हकीकत इससे कहीं ज़्यादा चिंताजनक है। सिर्फ ऑस्ट्रेलिया ही नहीं, दुनिया भर में मेंढकों की आबादी तेजी से खतरे में है। इस खतरे की जड़ में है एक खतरनाक फंगस काइट्रिड , जिसने बीते कुछ दशकों में सैकड़ों प्रजातियों को खत्म करने की कगार पर ला दिया है। सिडनी शहर के केंद्र से महज आधे घंटे की दूरी पर स्थित ओलंपिक पार्क का एक हिस्सा इस संकट से लड़ाई की अहम कड़ी बन चुका है। यह जगह आम लोगों की नजरों से दूर है, जहां 2000 ओलंपिक खेलों के दौरान इस्तेमाल किए गए इलाके का एक कोना अब मेंढकों के लिए सुरक्षित आश्रय स्थल में बदल दिया गया है।

काइट्रिड फंगस ने खत्म कर दी मेंढकों की 90 प्रजातियां

सिडनी ओलंपिक पार्क अथॉरिटी की इकोलॉजिस्ट जेनी ओ' मीरा कहती हैं, 'हम पूरी कोशिश करते हैं कि कोई भी फंगस यहां तक न पहुंचे. यही इस प्रोजेक्ट की सबसे बड़ी वजह है।' काइट्रिड फंगस मेंढकों के लिए बेहद घातक है। यह उनकी त्वचा और तंत्रिका तंत्र पर हमला करता है, जिससे उनकी मौत हो जाती है। 2019 में 16 देशों के 41 वैज्ञानिकों द्वारा किए गए एक वैश्विक अध्ययन के मुताबिक, इस बीमारी ने 90 से अधिक मेंढक प्रजातियों को पूरी तरह खत्म कर दिया है।

मेंढकों की उम्मीद की किरण बना ब्रिक पिट

सबसे बड़ी चुनौती यह है कि एक बार यह फंगस किसी पारिस्थितिकी तंत्र में फैल जाए, तो उसे पूरी तरह खत्म करना लगभग असंभव हो जाता है। ऐसे में 'ब्रिक पिट' जैसे सुरक्षित आवास ही उम्मीद की एक किरण बनकर

उभर रहे हैं, जहां सावधानी और विज्ञान के सहारे इन नन्हे जीवों को बचाने की कोशिश जारी है। साल 2000 के ओलंपिक खेलों के दौरान इस्तेमाल हुए इस इलाके का एक कोना अब खास तौर पर इन छोटे जीवों के लिए सुरक्षित ठिकाने में बदल दिया गया है। यहां वैज्ञानिक और पर्यावरणविद मिलकर कोशिश कर रहे हैं कि इन नाजुक प्रजातियों को इस जानलेवा फंगस से बचाया जा सके।

'ब्रिक पिट' बना मेढकों का संरक्षण केंद्र

इस इलाके को 'ब्रिक पिट' कहा जाता है। कभी यहां से सिडनी के निर्माण के लिए मिट्टी और सामग्री निकाली जाती थी, लेकिन 1988 में इसके बंद होने के बाद एक अहम खोज ने इसकी किस्मत बदल दी। यहां दुर्लभ और लुप्तप्राय ग्रीन एंड गोल्डन बेल फ्रॉग्स ने अपना घर बना लिया था। इसके बाद इस जगह को संरक्षित प्राकृतिक आवास में बदल दिया गया। आज इस इलाके की सुरक्षा इतनी सख्त है कि इसे करीब 5 किलोमीटर लंबी बाड़ से घेरा गया है। यहां आने वाले सीमित लोगों के लिए भी सख्त नियम हैं। जैसे प्रवेश से पहले जूतों को डिसइंफेक्टेंट से साफ करना। इसका मकसद है किसी भी तरह से काइट्रिड फंगस को इस सुरक्षित क्षेत्र में प्रवेश करने से रोकना।

मेंढकों की संख्या तेजी से घट रही

दरअसल, ये संकट सिर्फ ऑस्ट्रेलिया तक सीमित नहीं है। दुनिया के कई हिस्सों में मेंढकों की संख्या तेजी से घट रही है। इसके पीछे सबसे बड़ा कारण है एक खतरनाक फंगस काइट्रिड. ये फंगस इतना घातक है कि यह मेंढकों की त्वचा पर हमला करता है और धीरे-धीरे उन्हें मौत के करीब ले जाता है। पिछले कुछ दशकों में इसने सैकड़ों प्रजातियों को खत्म होने की कगार पर पहुंचा दिया है। सिडनी के बीचों-बीच से करीब आधे घंटे की दूरी पर एक जगह है ओलंपिक पार्क. आमतौर पर लोग इसे खेल और हरियाली के लिए जानते हैं, लेकिन बहुत कम लोगों को पता है कि इसका एक हिस्सा अब मेंढकों की जिंदगी बचाने के मिशन का केंद्र बन चुका है।

कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला - अनूपपुर (म.प्र.)
E-mail- modgmanu@mp.gov.in

क्र. / / खनिज / 2026 / अनूपपुर, दिनांकः-

म.प्र. गौण खनिज नियम, 1996 के नियम 18 (1 - क) के अंतर्गत उत्खनिपट्टा आवेदन प्राप्त करने के लिए,

प्रथम सूचना

यह सूचित किया जाता है कि, आवेदक मेसर्स ओम सांई कन्टक्शन श्री युवराज कुमार नायक निवासी ग्राम वार्ड नं. 10 सरई पोस्ट सरई तहसील पुष्पराजगढ जिला अनूपपुर म.प्र. द्वारा उत्खनिपटटा प्राप्त करने हेतु निम्न क्षेत्र पर ऑनलाईन आवेदन पत्र दिनांक 10.04.2026 को प्रस्तुत किया गया है। दिनांक 28.05.2026 तक इस क्षेत्र पर यथा स्थिति उत्खनिपटटा आवेदन ऑनलाईन आमंत्रित किये जाते है। आवेदन ई-खनिज पोर्टल https://ekhanij.mp.gov.in पर प्रस्तुत किये जायेंगे।

आवेदन का संक्षिप्त विवरण

जिला	तहसील	ग्राम	खसरा नंबर	रकबा	भूमि का प्रकार	खनिज का नाम	रिमार्क
अनूपपुर	पुष्पराजगढ	तरंग	488/1	2.000	(शासकीय भूमि)	बोल्डर एवं गिटटी	आवेदन

1.उपरोक्त प्रस्तुत ऑनलाईन आवेदन पत्र में आवेदित क्षेत्र के संबंध में अन्य इच्छुक आवेदकों से विज्ञप्ति प्रकाशित होने की तारीख से आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि तक (कार्यालयीन समय सायं 5:30 बजे तक) ऑनलाईन आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते है। 2. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरांत आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तिथि तक 03 अथवा उससे अधिक अन्य आवेदकों के आवेदनपत्र प्राप्त होते है, तो प्रथम आवेदन पत्र एवं प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिजनियम, 1996 के नियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समक्षा जाएगा। 3. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति में उल्लेखित आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि तक 03 से कम आवेदन पत्र प्राप्त होते है तो पुनः 15 दिवस की अवधि आवेदन प्राप्त करने हेतु निर्धारित कर विज्ञप्ति प्रकाशित की जाएगी। विज्ञप्ति प्रकाशन के दिनांक से 15 दिवस के भीतर अन्य आवेदक भी उपरोक्त आवेदित क्षेत्र पर आवेदन पत्र प्रस्तुत कर सकेंगे। उपरोक्त अवधि में प्राप्त आवेदन पत्र तथा पूर्व प्रकाशित विज्ञप्ति की अवधि के दौरान प्राप्त सभी आवेदन पत्रो को म.प्र. गौण खनिज नियम 1996 के नियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा। 4. यदि प्रथम एवं द्वितीय प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरांत भी निर्धारित समयावधि में अन्य कोई आवेदन पत्र प्राप्त नही होता है ता प्रथम आवेदक के पक्ष में नियमानुसार खनि रियायत स्वीकृति पर विचार किया जासकेगा। 5. निर्धारित समयावधि के उपरांत प्राप्त आवेदन पत्रों को विचार में नही लिया जाएगा।

उप संचालक
(खनि प्रशासन) जिला - अनूपपुर (म.प्र.)

G-12346/26 "स्वच्छता ही सेवा"

आवश्यकता

आवश्यकता है- भारत के सबसे बड़े राइड-बुकिंग प्लेटफॉर्म रैपिडो से जुड़ें। ऑटो या ई-रिक्शा चलाकर प्रतिदिन रू 700 तक गारंटीड कमाई बिना कमीशन और रू 2000 तक जॉइनिंग बोनस पाएं। कॉल करें - 8929449955 (रायपुर /17/मई 26)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

सूचना - पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार पत्र में प्रकाशित सभी प्रकार के विज्ञापनों (डिस्प्ले एवं रनिंग क्लासीफाईड में दिए गए तथ्यों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें। हरिभूमि समूह की विज्ञापनों के तथ्यों से संबंधित कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

राशिफल

मेष – आशा-निराशा के भाव मन में हो सकते हैं। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। जीवन साथी के स्वास्थ का ध्यान रखें। शैक्षिक कार्यों पर ध्यान दें।

वृष – धैर्यशीलता बनाये रखने का प्रयास करें। परिवार का साथ मिलेगा। नौकरी में कार्यक्षेत्र में बदलाव की सम्भावना बन रही है। परिश्रम अधिक रहेगा।

मिथुन – मन प्रसन्न रहेगा। कला या संगीत के प्रति रुझान बढ़ सकता है। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। विवाद की स्थितियां बन सकती हैं।

कर्क – आत्मविश्वास भरपूर रहेगा, परन्तु धैर्यशीलता में कमी रहेगी। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव रहेगा। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे।

सिंह – नौकरी के लिए साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी, परन्तु किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं। लंबे समय से चली आ रही समस्याएं खत्म होंगी।

कन्या – शैक्षिक कार्यों में मन लगेगा। शैक्षिक कार्यों के लिए भी विदेश जा सकते हैं। मित्रों का सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में सफलता के योग बन रहे हैं।

तुला – जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। पिता का सानिध्य मिलेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। भागदौड़ भी अधिक रहेगी। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

वृश्चिक – मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। परिवार का साथ मिलेगा, परन्तु पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कारोबार में परिश्रम अधिक रहेगा। खर्च बढ़ेंगे।

धनु – मन प्रसन्न तो रहेगा, परन्तु आत्मसंयत भी रहें। कारोबार में उतार-चढ़ाव रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। व्यर्थ की चिंताओं पर नियंत्रण बनाकर रखें।

मकर – शैक्षिक एवं बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता रहेगी। नौकरी में कोई अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। आय में वृद्धि भी होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें।

कुंभ – भागदौड़ अधिक रहेगी। परन्तु किसी मित्र के सहयोग से आय के साधन बन सकते हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। सफलता के भी योग हैं।

मीन – मन में उतार-चढ़ाव हो सकते हैं। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है। भाग-दौड़ भी अधिक रहेगी।

100 साल पुराने दुर्लभ फूलदान ने तोड़े नीलामी के रिकॉर्ड, 53 लाख में बिका

कोट्सवोल्ड। सभी फूलदान फूलों को रखने और घर की सजावट करने के ही काम आते हैं। हालांकि, कुछ को इतनी खूबसूरती से बनाया जाता है कि उनकी कीमत हजारों नहीं, बल्कि लाखों में लगती है। ऐसा ही एक फूलदान बीते दिन नीलाम हुआ है, जिसने नीलामी के पिछले रिकॉर्ड तोड़ डाले हैं। हम बात कर रहे हैं 100 साल पुराने मूरक्रॉफ्ट के फूलदान की, जो 53 लाख रुपये में बिका है। आपको जानकर हैरानी होगी कि यह दुर्लभ फूलदान लगभग 1925 के आसपास बनाया गया था। इसे मूरक्रॉफ्ट के संस्थापक विलियम मूरक्रॉफ्ट द्वारा डिजाइन किया गया था। मूरक्रॉफ्ट एक प्रसिद्ध ब्रिटिश कंपनी है, जो मिट्टी के बर्तन बनाती है। इस खास फूलदान का निर्माण इंग्लैंड के स्टोक-ऑन-ट्रेंट नामक शहर में किया गया था, जो अपने मिट्टी के बर्तनों के उद्योग के लिए जाना जाता है। इसे फूल रखने के बजाय प्रदर्शित करने के लिए बनाया गया था। इस फूलदान की ऊंचाई 38.5 सेंटीमीटर है और इसे गहरे नीले रंग में बनाया गया है। पूरे फूलदान पर एक खूबसूरत-सा ज्वाला परिदृश्य पैटर्न बनाया गया है, जो इसकी खूबसूरती में चार चांद लगाने का काम करता है। इसमें गहरे नीले, हल्के नीले, गहरे हरे, हल्के हरे और गुलाबी जैसे कई रंगों का इस्तेमाल हुआ है, जिन्होनें मिलकर परिदृश्य को जीवंत बनाया है।

शब्द पहेली - 6214

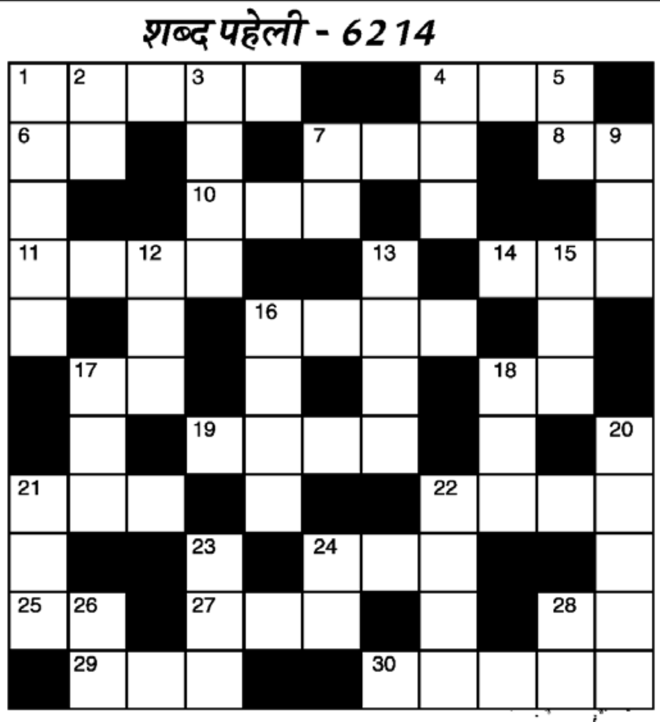

बाएँ से दाए-
1.हाईकमान-5
4.बुशर्ट,शर्ट-3
6.लाख,गोंद-2
7.प्रतिज्ञा-3
8.मां का भाई-2
10.धनवान,रईस-3
11.मरने के बाद शरीर को परीक्षण के लिये दान करना-4
14.जिज्ञासा,उत्साह-3
16.अनगिनत-4
17.वर्ष,बरस-2
18.लय,स्वर-2
19.गदर,बलवा-4
21.ईर्ष्या-3
22.गरुर,घमंड-4
24.राजा,सम्राट-3
25.पानी से सराबोर-2
27.व्यर्थ,फिजूल-3
28.चतुर्थ,चौथा-2
29.बहने का भाव-3
30.मन मोहने वाला-5

ऊपर से नीचे
1.आरामदायी-5
2.एक अनमोल रत्न, दुलारा-2
3.सेवा शुल्क-4
4.अभिव्यक्ति-3
5.बचत,जोड़-2
7.वहम-2
9.स्वामी-3
12.प्रवेश-3
13.धरोहर,थाती-4
15.तरंग,हिलोर-3
16.निरंकुश,मुंहजोर-4
17.किनारा,तट
18.कामधेनू, सुगंध-3
20.नुकसानदेह-5
21.दुनिया,जग-3
22.कहासुनी-4
23.चयन-3
24.चट्टान,शिला (अंग्रेजी-2)
26.ईश्वर,भगवान-2
28.प्रेम,लगन-2

शब्द पहेली -6213 का हल

सूडोकु नवताल - 6224

* * * * ☆ मध्यम

		5			3			
	2			9	5			
9						6		
			9				3	5
	6						7	
4	8				1			
		7						3
			2	4			9	
			8			2		

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6223 का हल

2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2

वर्ल्ड लाफ्टर-डे स्पेशल

आमतौर पर हंसने को सामान्य शारीरिक क्रिया माना जाता है। लेकिन दुनिया भर में हुए अनेक मेडिकल स्टडीज से यह साबित हुआ है कि हंसी, नेचुरल मेडिसिन की तरह होती है। हमारी मेंटल हेल्थ को बेहतर बनाने में हंसने की बहुत कारगर भूमिका होती है। हंसने के क्या फायदे होते हैं, इसे कैसे थेरेपी की तरह यूज कर सकते हैं, इस बारे में विस्तार से जानिए।

स्ट्रेस करे दूर-मेंटल हेल्थ को बनाए बेहतर हंसी

कवर स्टोरी
रजनी अरोड़ा

भारती पीएचडी के अंतिम वर्ष में थी। थीसिस सबमिशन की डेडलाइन नजदीक आने के कारण अत्यधिक तनाव, एंग्जाइटी और नींद न आने की समस्या का सामना कर रही थी। उसका मानसिक संतुलन बिगड़ रहा था, पढ़ाई पर फोकस नहीं कर पा रही थी। यहां तक कि उसकी दिनचर्या भी गड़बड़ा गई थी। पैरेंट्स ने उसकी स्थिति को देखते हुए मनोवैज्ञानिक को कंसल्ट किया। उसकी केस हिस्ट्री जानने और थेरेपेटिक इंटरवेंशन के बाद डॉक्टर ने उसे 'लाफ्टर रूलः 3-10-30' फॉलो करने की सलाह दी। शुरुआत में भारती को यह अभ्यास साधारण और प्रभावहीन लगा, लेकिन दो सप्ताह के भीतर उसने तनाव में कमी, मूड स्थिरता और कंसंट्रेशन में सुधार महसूस किया। यह परिवर्तन केवल संयोग नहीं, बल्कि मनोवैज्ञानिक सिद्धांतों पर आधारित माइक्रो-बिहेवियरल इंटरवेंशन का परिणाम था।

जीवन में बढ़ रहा है तनाव

आज की तेज रफ्तार भरी जिंदगी में बढ़ती अपेक्षाएं, प्रतिस्पर्धा, हाई प्रेशर जॉब्स, डिजिटल निर्भरता ने हम सभी के मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित किया है। व्यक्ति हंसना मानो भूलता जा रहा है। स्ट्रेस, एंग्जाइटी, डिप्रेशन, ओवर थिंकिंग, बर्नआउट जैसी मानसिक समस्याएं तेजी से उभर रही हैं और गंभीर वैश्विक चुनौती बनती जा रही हैं। डब्ल्यूएचओ के अनुसार विश्व स्तर पर लगभग हर 8 में से 1 व्यक्ति किसी न किसी मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्या से जूझ रहा है। भारत में भी लगभग 14 प्रतिशत जनसंख्या अपने जीवनकाल में मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं का अनुभव करती है।

हंसना है कारगर उपाय

एक शोध के अनुसार बच्चे दिन में औसतन 300-400 बार हंसते हैं, जबकि वयस्क केवल 8-10 बार। यानी बड़े होते-होते हम हंसी की यह अद्भुत प्राकृतिक शक्ति खो देते हैं। हालांकि व्यक्ति इन समस्याओं की गिरफ्त में न आने और मानसिक स्वास्थ्य को मजबूत बनाए रखना चाहता है, जिसके लिए कई तरह की साइकोलॉजिकल थेरेपी, मेडिटेशन एप्स, मेडिकेशन का भी सहारा लेता है। लेकिन प्रकृति-प्रदत्त उस सहज उपलब्ध और अनमोल उपहार को अकसर नजरअंदाज कर जाता है। वो उपहार है-हंसी या कुछ पल के लिए खुलकर हंसना। हास-परिहास को मानव की एक सहज भावना या स्वाभाविक प्रक्रिया है। खुशी किसी बड़ी उपलब्धि में नहीं, बल्कि रोजमर्रा के छोटे-छोटे पलों में छिपी होती है। अगर हम डेली रुटीन में पॉवरफुल टूल यानी हास्य को अपनाने की आदत डाल लें तो निश्चय ही तमाम तरह की मानसिक परेशानियों से आसानी से बचा जा सकता है।

फॉलो करें लाफ्टर रूल

जीवन को खुशहाल बनाने के लिए वैज्ञानिक भी 'लाफ्टर रूलः 3-10-30' फॉलो करने पर बल देते हैं। भले ही छोटा लगे, लेकिन इसका प्रभाव बहुत गहरा होता है। माइक्रो-बिहेवियरल इंटरवेंशन के माध्यम से यह रूल व्यक्ति को अपने मानसिक स्वास्थ्य को सुधारने में मदद करता है। इसमें तीन मुख्य घटक हैं- 3 यानी, दिन में कम से कम तीन बार दिल से मुस्कुराएं या खुलकर हंसें। किसी भी रूप में, कुछ मजेदार देखते या सुनते हुए। 10 यानी, अपने कार्य के दौरान दस मिनट का एक लाफ्टर ब्रेक लें। हास्यपूर्ण गतिविधियों में शामिल हों, जो हमें हंसने या मुस्कुराने का मौका दें। जैसे- कॉमेडी वीडियो देखना, मजेदार किताब पढ़ना, दोस्तों या परिवार के साथ हंसी-मजाक करना या बच्चों के साथ खेलना। 30 यानी, दिन में कई बार 30 सेकेंड के लिए हंसने या मुस्कुराने का प्रयास करें। छोटी-छोटी खुशियों को महसूस करना और उन पर मुस्कुराना भी इसमें शामिल है। जैसे- किसी सुंदर दृश्य को देखकर, किसी बच्चे की मासूम हरकत पर या किसी हल्के-फुल्के मजाक पर मुस्कुरा देना।

कैसे काम करती है हंसी

हंसी को नेचुरल एंटी-डिप्रेसेंट भी कहा जाता है। यह एक नेचुरल स्ट्रेस रिलीफ मैकेनिज्म के रूप में कार्य करती है। जब हम खुलकर हंसते हैं, तो हमारे शरीर में कई महत्वपूर्ण न्यूरोकेमिकल का स्राव बढ़ जाता है। एंडोर्फिन (प्राकृतिक दर्द निवारक, जो खुशी और संतुष्टि की भावना उत्पन्न करता है), डोपामाइन (मोटिवेशन और खुशी से जुड़ा न्यूरोट्रांसमीटर), सेरोटोनिन (मूड को संतुलित रखने वाला रसायन)। वहीं हंसी, कॉर्टिसोल (तनाव हार्मोन) के स्तर को घटाती है। ये केमिकल मूड को बेहतर बनाते हैं, शरीर की मांसपेशियों को आराम पहुंचाते हैं और तनाव को कम करते हैं।

हंसी के पीछे का मनोविज्ञान

मनोविज्ञान के सिद्धांतों के माध्यम से भी हंसी के प्रभाव को समझा जा सकता है। इस बारे में यहां विस्तार से बता रहे हैं।

इमोशनल रेग्युलेटरः मनोविज्ञान के अनुसार हंसी एक प्रभावी इमोशनल रेग्युलेटर है, जो तनाव और नकारात्मक भावनाओं को कम करने में मदद करती है। कठिन परिस्थितियों का सामना करने में मदद करती है।

बिहेवियरल एक्टिवेशन थ्योरीः इसके हिसाब से केवल भावनाएं ही व्यवहार को प्रभावित नहीं करतीं, बल्कि व्यवहार भी भावनाओं को बदल सकता है। यानी यदि व्यक्ति जान-बूझकर हंसता है, तो उसका मूड स्वतः बेहतर हो सकता है।

फेशियल फीडबैक हाइपोथीसिसः सिर्फ मुस्कुराने से भी खुशी का अनुभव हो सकता है। मुस्कुराने पर चेहरे की मसल्स अनायास ही ब्रेन को संकेत भेजती हैं, जिससे भावनाएं प्रभावित होती हैं और मूड में सुधार होता है।

मूड कॉन्ग्रुएंट बिहेवियरः यह एक मनोवैज्ञानिक पैटर्न है, जिसमें व्यक्ति अपने वर्तमान मूड के अनुरूप ही कंटेंट या गतिविधियों को चुनता है। जैसे- जब हम दुःखी होते हैं, तो हम दुःख भरे गाने, वीडियो या विचारों की ओर आकर्षित होते हैं। यह पैटर्न नकारात्मक भावनात्मक चक्र को बढ़ा सकता है। लेकिन यदि हम दुखी होने पर सचेत रूप से अपने व्यवहार में बदलाव लाएं या हंसने की कोशिश करें, तो इस नकारात्मक चक्र को तोड़ सकते हैं।

मेंटल बैलेंस को सुधारे हंसी

हंसी केवल खुशी का प्रतीक नहीं, बल्कि मानसिक संतुलन बनाए रखने की एक गहरी और वैज्ञानिक प्रक्रिया भी है। इससे कॉग्नीटिव फ्लेक्सिबिलिटी बढ़ती है। नर्वस सिस्टम पर सकारात्मक असर पड़ता है। जब हम हंसते हैं, तो हमारा ब्रेन अधिक सक्रिय और क्रिएटिव हो जाता है। समस्याओं को नए दृष्टिकोण से देख पाता है और आउट ऑफ द बॉक्स सोच विकसित होती है। कई बार कठिन समस्या का हल भी निकाल पाता है। बार-बार हंसने से दिमाग में नए न्यूरल पाथवे बनते हैं। इससे धीरे-धीरे नकारात्मक सोच की आदत कमजोर और सकारात्मक सोच मजबूत होती है। हंसने से भावनात्मक मजबूती बढ़ती है। मुश्किल परिस्थितियों में भी टिके रहने की शक्ति देती है। जो लोग कठिन समय में भी हल्का-फुल्का हास्य बनाए रखते हैं, वे तनाव और असफलताओं से जल्दी उबर जाते हैं। लगातार काम, जिम्मेदारियों और तनाव के कारण जो थकान या बर्नआउट होता है, उसमें हंसी एक रिचार्ज बटन की तरह काम करती है। दिमाग को रीसेट होने का मौका मिलता है। संक्रामक प्रवृति होने के कारण हंसी, सोशल एंग्जाइटी को कम करती है। यह शरीर में सकारात्मक जैविक बदलाव लाकर तनाव कम करती है, मांसपेशियों को आराम देती है, रक्त संचार को सुधारती है और प्रतिरक्षा तंत्र को मजबूत बनाती है। समग्र भावनात्मक स्वास्थ्य को बेहतर बनाकर व्यक्ति को दीर्घकालिक बीमारियों से लड़ने में सक्षम बनाती है। हंसने से शरीर में मेलाटोनिन हार्मोन का स्राव बढ़ता है, जो रात में सुकून की नींद दिलाने में सहायक है। *

(बहरीन स्थित ब्रिटिश यूनिवर्सिटी में साइकोलॉजी की प्रोफेसर डॉ. कोमल चावला से बातचीत पर आधारित)

बेहतरीन थेरेपेटिक टूल भी है लाफिंग

वर्तमान दौर में हास्य का इस्तेमाल थेरेपेटिक टूल या स्ट्रक्चर थेरेपी की तरह बड़े पैमाने पर किया जा रहा है। कई जगह लाफ्टर क्लब संचालित होते हैं, जिनमें मानसिक स्वास्थ्य, खासकर तनाव प्रबंधन के लिए लाफ्टर-थेरेपी या लाफ्टर-योगा कराया जाता है। इसमें कराई जाने वाली लाफिंग-एक्सरसाइज आर्टिफिशियल हंसी होती है, जिसमें व्यक्ति को बिना किसी कारण के जबरदस्ती हंसाया जाता है। शुरू में भले ही यह हंसी जबरन होती है, लेकिन चंद सेकेंड के बाद यह कुदरती रूप ले लेती है। ब्रेन का पैटर्न बनता है। ब्रेन, असली और बनावटी हंसी में अंतर नहीं कर पाता। आर्टिफिशियल हंसी को वास्तविक इमोशनल सिगनल मानता है और मानसिक परेशानियों को भुलाने में मदद करता है।

लाइफस्टाइल
सरस्वती रमेश

हैप्पी लाइफ के लिए जरूरी है हंसना

हंसने से हेल्थ अच्छी रहती है, सोशल रिलेशन स्ट्रॉन्ग बनते हैं, फील गुड होता है। इसलिए जब जहां मौका मिले खूब हंसिए, खिलखिलाइए, दूसरों को भी हंसाइए और अपनी लाइफ को हैप्पी बनाइए।

दुनिया के महानतम हास्य कलाकारों में से एक चार्ली चैपलिन ने कहा है कि हंसी के बिना बीत गया दिन बर्बाद किया गया दिन है। उनकी इस उक्ति में वास्तव में जीवन का गहनतम दर्शन छिपा हुआ है। क्योंकि हंसी से विहीन जीवन, नीरस और बोझिल होता है। हंसी जीवन को उल्लास से जीने की प्रेरणा है। इस प्रेरणा के सहारे जीवन के उतार-चढ़ाव, कमी-बेसी, जीत-हार भरे दिन धैर्य से बीत जाते हैं। उनसे मिले सबक से जीवन को अनुभवों से युक्त किया जाता है। यही अनुभव भविष्य में हमारे मार्गदर्शक बन जाते हैं और हमें अच्छे दिनों की रोशनी में ले जाते हैं। उस रोशनी में हम अपने प्रियजनों के साथ दिल खोलकर हंसते हैं। खुशियां मनाते हैं।

हंसी एक खजाना हैः अमेरिकी दार्शनिक विलियम जेम्स का कहना है कि हम खुश होते हैं, इसलिए नहीं हंसते बल्कि हम हंसते हैं, इसलिए खुश होते हैं। मतलब साफ है कि जीवन का आनंद हमारी मुट्ठी में है। यदि हम खुश रहना चाहते हैं तो हमें हंसना-हंसाना सीखना होगा। जीवन में हंसी का खजाना बेशकीमती होता है। जिसके पास यह खजाना है, वह दुनिया का सबसे दौलतमंद इंसान है। वह बड़ी से बड़ी परेशानी का सामना हंसते हुए कर लेता है। जरा एक छोटे से बच्चे की हंसी को देखिए। उसकी हंसी कितनी निश्छल और उन्मुक्त होती है। बिल्कुल किसी राजा के शाही खजाने की तरह। ऐसी ही मुस्कान की जरूरत हमें उम्र के हर पड़ाव पर होती है। मगर जीवन की आपाधापी में उम्र बढ़ने के साथ अकसर हम हंसना भूल जाते हैं। हमें हंसी की महत्ता को स्वयं तो समझना ही होगा और दूसरों को भी समझाना होगा। हंसी को संक्रमण की तरह फैलाना होगा। धूप, हवा, पानी और प्रकृति की हजारों नेमतों की तरह हंसी भी मुफ्त का उपहार है। कुदरत ने हमें यह उपहार जीवन को सुंदर बनाने के लिए ही दिया है।

कई बीमारियों के उपचार में सहायकः हंसने के अनेक फायदे होते हैं। मनोचिकित्सकों और डॉक्टरों का कहना है कि हंसने से सिर्फ हमारा मूड अच्छा नहीं होता बल्कि हमारे संपूर्ण स्वास्थ्य पर भी इससे सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। हम मानसिक रूप से बेहतर महसूस करते हैं। आपको जानकार हैरानी होगी कि सिर्फ दस से पंद्रह मिनट हंसने से चालीस कैलोरी तक बर्न होती है। हमारा हार्ट अच्छे से काम करता है और ब्लड प्रेशर नियमित रहता है। कैंसर के मरीजों पर जब लाफ्टर थेरेपी का प्रयोग किया गया तो नतीजे चौंकाने वाले निकले। हंसने से उनका दर्द आधा रह गया था। आपको 'मुन्ना भाई एम. बी. बी. एस.' फिल्म तो याद ही होगी। फिल्म का मुख्य किरदार मुन्ना, मरीजों को हंसाकर और खुश करके ठीक करने की कोशिश करता है। यह महज कल्पना नहीं बल्कि इसमें कुछ सच्चाई भी है। ऐसा कई स्टडीज में पाया गया है कि जिन मरीजों को उपचार के साथ हंसी की खुराक भी मिलती है, वे जल्दी स्वस्थ होते हैं। यानी हंसी से दूर रहने वालों को शारीरिक और मानसिक दोनों तरह का नुकसान भुगतना पड़ सकता है।

सामाजिक रिश्ते बनाए मजबूतः हंसने से हमारे सामाजिक रिश्ते भी मजबूत बनते हैं। किसी के साथ हंसकर बात करने से हम भावनात्मक रूप से सुदृढ़ महसूस करते हैं। यही भावना साथ वाले व्यक्ति के प्रति आत्मीयता में इजाफा करती है और हमारे भरोसे को बढ़ाती है। जब हम अपने मित्रों, परिचितों और रिश्तेदारों के साथ रहते हैं, तब हंसी-मजाक की संभावना भी बढ़ जाती है और रिश्तों में प्रगाढ़ता भी। दरअसल, हंसने-हंसाने से ही हमारे संबंधों को खाद पानी और नई ऊर्जा मिलती है। हमारे परिवार के हर सदस्य को प्रतिदिन हंसी की छोटी-बड़ी खुराक देने की जरूरत पड़ती है।

बढ़ती है इम्यूनिटी पावरः दिल खोलकर हंसने से तनाव कम होता है। कई शोधों से यह भी पता चला है कि हंसने से हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता में भी इजाफा होता है, क्योंकि हंसने से शरीर में एंटीऑक्सीडेंट्स का उत्पादन बढ़ जाता है और यह इम्यून सेल्स को सक्रिय करता है। हमारे शरीर में यही सेल्स बीमारियों और संक्रमण से लड़ने में हमारी मदद करते हैं। इसलिए नियमित रूप से हंसने से इम्यून सिस्टम को बूस्ट मिलता है।

कह सकते हैं कि हंसी जीवन को खुशहाल बनाने का अचूक नुस्खा है। इसलिए मुफ्त में उपलब्ध इस कुदरती नियामत का भरपूर उपयोग करने में ही समझदारी है। *

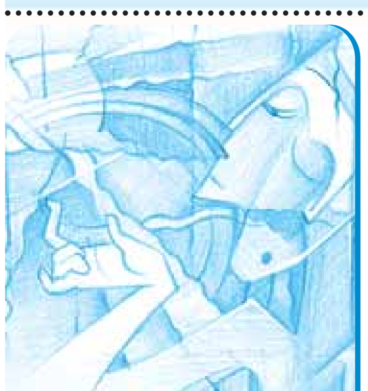

नवगीत
डॉ. गुरु सरन लाल

मुश्किल बहुत बना डाला

कितना सरल है जीवन लेकिन
मुश्किल बहुत बना डाला।
अव्यवस्थित जीवनशैली
बातें भी हैं जाने कैसी
किसी का कोई लिहाज नहीं है
रिश्तों की तो ऐसी-तैसी
अक्ल पर लगा दिया ताला।
भौतिकता के पागलपन में
आपाधापी मची जीवन में
नियम कानून को ताक पे रखते
पानी सूख गए अंखियन में
नैतिकता को पड़ गया पाला।
कितना सरल है जीवन लेकिन
मुश्किल बहुत बना डाला।

व्यंग्य
राजा चौरसिया

जबरन हंसना पड़ेगा

समय बहुत ही परिवर्तनशील है। आज और कल में अर्थात अब और तब में धरती-आसमान जैसा विशाल अंतराल है। यह विकराल होकर भी अनिवार्य रूप से स्वीकार्य है। असली फूलों का विकल्प नकली फूल हैं। जिगर से ज्यादा फिगर तथा मुखड़े से ज्यादा मुखौटे के चलन के प्रतिफलन से ही कुशलता है। उसी के पास अपडेट फिटनेस का सर्टिफिकेट है, जो बयार के अनुसार ही चलता है। इस दिखाऊ युग की कभी जरा भी निंदा करना, जिस थाली में खाना उसी में छेद करना माना जाता है। मगर से बैर करने से खैर नहीं, अगर उसके ही पानी में रहना है। इस जगाने में स्वाभाविकता, सहजता और दुग्ध-धवलता के अकाल के दौर में जबरन के शिष्टाचार की लपेट या चपेट में आना प्रासंगिक है। अंदर से खुशी या हंसी न रहते हुए भी औपचारिकता के नाम पर जबरदस्ती की हंसी अत्यंतावश्यक हो गई है। बॉस पर क्यों न आपको गुस्सा बेहिसाब आ रहा हो, उसके हंसने पर आपको भी हंसना जरूरी ही नहीं मजबूरी भी हो जाती है। जब पारदर्शिता के बिना प्यारदर्शिता का जलवा है और सच की हालत हलवा है, तब स्वाभाविक हंसी के बारे में किंचित भी चिंतित नहीं होना चाहिए। जब रियल से भी बढ़कर आर्टिफिशियल हो जाए, तब जबरन हंसने की गुणवत्ता की ही महत्ता है।

अंदर से खुश न रहते हुए भी बाहर जबरन हंसना, गुड बीइंग से बढ़कर गुड लुकिंग बनाता है। स्किल से पहले स्किन का तथा कर्म सौंदर्य के पहले चर्म सौंदर्य की मान्यता है। आज आचरण से बढ़-चढ़कर आवरण को लाइक करना स्वयं के लायक होने का प्रमाण है। नकलियत के अनुकूल जबरन हंसमुखता को प्रमुखता प्रदान करने की कला से ही भला है। घोर निंदक होकर भी दूसरों के सम्मुख हंसमुख दिखाकर उनकी प्रशंसा करने की मंशा वह विशेषण है, जिसका विश्लेषण करना मीटर से किलोमीटर नापना है।

चार दिन की चांदनी यह जिंदगी है। किसी को आईना दिखाना, अर्थात दुर्मति के कारण अपनी दुर्गति कराना है। जैसे फोटो खिंचवाते समय स्माइल प्लीज सुनते ही जबरन हंसना पड़ता है, वैसे ही वर्तमान यारी, रिश्तेदारी एवं दुनियादारी को फीड करने और बची-खुची मौलिकता को डिलीट करने का हुनर हर नर में होना चाहिए। 'समथिंग इज बैटर देन नथिंग' के अनुसार सीधी चतुराई से ज्यादा चालाकी वाली ट्रिक को क्लिक ही करना है। बिल्कुल खुश न रहते हुए भी भरपूर खुश दिखने से ही व्यावहारिकता को प्राथमिकता देना है। भीतर से झुलसते हुए भी बाहर से जबरन हंसते हुए नमस्ते करना ही शिष्टाचार का नीक व सटीक प्रतीक है। डिफेक्टिव होकर भी अट्रैक्टिव तथा अफेक्टिव दिखने के जबरिया नेचर को सिग्नेचर जैसे स्थाई बनाए रखना है। बिकाऊ जिंस की तरह जिस्म को भी दिखाऊ तथा रिझाऊ बनाए रखने के चातुर्य का प्राचुर्य होना परिवार में भी बेहद आवश्यक है।

आधुनिकता के परवाने जैसे दीवाने पति महोदय मिर्ची जैसी सुपत्नी को मिश्री से बढ़कर मीठी कहकर, हर तरह की आपत्ति और विपत्ति से मुक्त रहते हैं। क्रुद्ध होकर भी गृहयुद्ध से बचने के लिए जबरन हंसकर प्राणप्यासी को प्राणप्यारी कहना दुःखिया होकर भी सुखिया दिखने की बुद्धिमानी है। वातावरण के अनुसार ही आचरण होना चाहिए।

अब जब हंसने के दिन आए हैं, तो इसे सामयिक कटु सत्य मानकर उसी में चलने-ढलने में ही सार है। जब सब कुछ ऊपर-ऊपर ही चलता है, तब दिल को छूकर देखने की बात हास्यास्पद है। आज तो हर कमाऊ व्यक्ति बहुत ही बिजी होने के कारण ईजी नहीं रह सकता। इसीलिए नकली या फसली हास्य-मुद्राएं ही बेहद आवश्यक हैं। प्योरिटी की श्योरिटी न होने के कारण नकली फूलों पर इत्र का स्प्रे स्वाभाविक है। खाद्य से लेकर पेय तक शुद्धता की गारंटी या वारंटी नहीं है। मंचों पर संबोधन से लेकर उद्बोधन तक जबरन स्माइल की स्टाइल मोस्ट वांटेड है। केवल लाफ्टर डे पर ही नहीं, रोजमर्रा की जिंदगी में भी जबरन ही सही हंसना ही पड़ता है। *

लघुकथा / विनय मोघे

सबक

एक बड़ी मल्टी नेशनल कंपनी की इंदौर शाखा के लिए मैनेजर के पद के लिए कंपनी के एचआर विभाग में हजारों की संख्या में ऑनलाइन और ऑफलाइन आवेदन प्राप्त हुए। हर आवेदन पत्र एक से बढ़कर एक। हर आवेदक ने अपनी योग्यता, अनुभव को अपने रिज्यूमे में आकर्षक ढंग से प्रस्तुत किया था। ऐसा लगता था कि लगभग हर रिज्यूमे को एआई की मदद से बनाया गया है। एचआर विभाग के अनुभवी अधिकारियों ने इन आवेदनों में से कुछ आवेदकों को इंटरव्यू के लिए बुलाया। इंटरव्यू के दिन सभी आवेदक अच्छी वेशभूषा में अपने जरूरी दस्तावेजों के साथ कंपनी के दफ्तर में पहुंचे। सभी आवेदकों को एक हॉल में बिठा दिया गया, जैसे स्कूल-कॉलेज में परीक्षा कक्ष में परीक्षार्थियों को बैठाया जाता है। सभी आवेदकों को निर्देश दिए गए कि उन्हें निश्चित समय में अपना रिज्यूमे वहीं लिखकर तैयार करना है, बिना किसी तकनीकी सहायता के। इंटरव्यू के लिए आए आवेदकों के लिए यह अनपेक्षित था। सभी प्रश्नवाचक नजरों से एक-दूसरे को देखने लगे। उनके चेहरे के हाव-भाव बता रहे थे कि लगभग सभी आवेदकों ने एआई की सहायता से ही अपने रिज्यूमे बनाए थे और अब बिना किसी सहायता के अपना वैसा ही प्रभावी रिज्यूमे बनाना उनको मुश्किल लग रहा था। रेज्यूमे जमा करने का समय खत्म होने वाला था। पर इक्का-दुक्का आवेदकों को छोड़कर किसी ने लिखना तक शुरू नहीं किया था। उन्हें देखकर लग रहा था कि कई सालों बाद वे कागज-कलम का उपयोग कर रहे हैं। आवेदकों में कुछ न लिख पाने के कारण बेचैनी दिखाई दे रही थी। समय समाप्त होने पर दो-तीन आवेदकों ने ही अपना रिज्यूमे लगभग वैसा लिखा था, जैसा उन्होंने भेजा था। इसके बाद सभी आवेदकों को प्रतीक्षा कक्ष में इंतजार करने लिए कहा गया। यहां अपनी बारी का इंतजार करते आवेदक एक-दूसरे से यही बात कर रहे थे कि किसी भी काम के लिए एआई की मदद लेना अच्छी बात है, पर पूरी तरह एआई पर निर्भर होकर अपनी कल्पनाशीलता और मौलिक लिखने की योग्यता को कभी नहीं छोड़ना चाहिए। सभी के चेहरे पर इस बात का संतोष दिखाई दे रहा था कि उन्हें जीवन का एक सबक मिल गया था। *

पत्रिका चर्चा / विज्ञान भूषण

पाठ पत्रिका का असम विशेषांक

विगत बीस वर्षों से निरंतर प्रकाशित हो रही त्रैमासिक पत्रिका 'पाठ' अपने विशेषांकों के लिए खासतौर पर चर्चित रहती है। हाल में ही इसका ताजा अंक 'असम विशेष' के रूप में प्रकाशित होकर आया है। इस विशेषांक से गुजरते हुए लगता है, जैसे अपने छोटे कलेवर में भी पाठ पत्रिका, असम की विविधवर्णी साहित्यिक-सांस्कृतिक झांकी को समेटे हुए है। यहां नंदेश्वर दैमारी और सैयद अब्दुल मलिक की अनूदित कहानियों, चंद्रमोहन और दिनकर कुमार की कविताओं के अलावा असमिया कहानियों, असमिया उपन्यासों, असमिया सिनेमा और असमिया समाज-संस्कृति पर अच्छे लेख मौजूद हैं। विश्व विख्यात गायक भूपेन हजारिका के व्यक्तित्व को प्रकट करता बढ़िया लेख भी यहां पढ़ सकते हैं। असमिया पत्रकारिता और बोडो साहित्य के बदलते रचना संसार को रेखांकित करता लेख, इस पत्रिका के महत्व को और बढ़ा देता है। इसके साथ ही इस अंक में हाल में दिवंगत हुए विनोद कुमार शुक्ल, ज्ञानरंजन और रंजीत भट्टाचार्य पर स्मृति लेख भी हैं। *

पत्रिकाः पाठ (अप्रैल-जून 2026 अंक) असम विशेष, **संपादकः** देवांशु, **मूल्यः** 125 रुपए, **प्रकाशन स्थलः** बिलासपुर, छत्तीसगढ़

आज दोपहर 3.30 बजे से कमिंस और रहाणे की टीमों में भिड़ंत

नाइट राइडर्स के खिलाफ दबदबा बनाए रखने उतरेगा सनराइजर्स

एजेंसी ▶▶| हैदराबाद

अपने बल्लेबाजों के दमदार प्रदर्शन से खिताब के दावेदारों में शामिल हुई सनराइजर्स हैदराबाद की टीम कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) के खिलाफ रविवार को होने वाले आईपीएल में अपनी जीत का सिलसिला जारी रखने के लिए किसी तरह की कसर नहीं छोड़ेगी।

सनराइजर्स की टीम लगातार 5 मैच जीत चुकी है और अंकतालिका में 9 मैचों में 12 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर है। उसने अब तक 6 मैच जीते हैं जबकि 3 मैच में उसे हार का सामना करना पड़ा है। दूसरी ओर अजिंक्य रहाणे की कप्तानी में केकेआर की टीम अभी तक संघर्ष करती रही है, लेकिन उसने अपने आखिरी दो मैच जीते हैं। दस टीमों के इस टूर्नामेंट में वह आठवें स्थान पर है।

सनराइजर्स के पास शानदार बल्लेबाज

सनराइजर्स के पास टूर्नामेंट में अभी तक सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में दूसरे और तीसरे स्थान पर काबिज अभिषेक शर्मा और हेनरिक क्लासेन हैं। ईशान किशन के रूप में सनराइजर्स के पास एक और विस्फोटक बल्लेबाज है, जो किसी भी दिन अपने दम पर मैच का रुख बदल सकता है और उन्होंने इस सत्र में इसे साबित भी किया है।

ऑस्ट्रेलियाई सलामी बल्लेबाज ट्रैविस हेड ने भी सनराइजर्स के पिछले मैच में मुंबई इंडियंस के खिलाफ 76 रन बनाकर फॉर्म में शानदार वापसी की। नीतीश कुमार रेड्डी और सलिल अरोड़ा ने जरूरत पड़ने पर बल्लेबाजी में शानदार प्रदर्शन किया है।

एलन और सीफर्ट नहीं उतरे उम्मीदों पर खरे

फिन एलन और टिम सीफर्ट भी उम्मीदों पर खरे नहीं उतर पाए हैं, जबकि अंगकृष रघुवंशी, कैमरन ग्रीन और रोवमैन पॉवेल जैसे खिलाड़ी अभी तक अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। केकेआर को कमजोर तेज गेंदबाजी आक्रमण और स्पिन गेंदबाज वरुण चक्रवर्ती का नहीं चल पाने से भी नुकसान उठाना पड़ा है। गेंदबाजी में उसकी टीम मुख्य रूप से अनुकूल रॉय, वैभव अरोड़ा और कार्तिक त्यागी जैसे घरेलू खिलाड़ियों पर निर्भर है।

कमिंस की वापसी से सनराइजर्स को मिली मजबूती

सनराइजर्स की गेंदबाजी की बात करें तो कप्तान पैट कमिंस की वापसी से उसे मजबूती मिली है। उनके अलावा प्रफुल्ल हिंगे, ईशान मलिंगा, रेड्डी और साकिब हुसैन भी अपनी भूमिका अच्छी तरह से निभा रहे हैं। सनराइजर्स ने इन दोनों टीम के बीच खेले गए पिछले मैच में 65 रन से जीत हासिल की थी, जिससे वह अधिक आत्मविश्वास के साथ मैदान पर उतरेगी।

कप्तान के रूप में रहाणे के फैसले संदिग्ध

केकेआर की टीम को अभी तक 5 मैच में हार का सामना करना पड़ा जबकि इसका एक मैच बारिश के कारण रद्द करना पड़ा था। केकेआर ने 2025 में निराशाजनक अभियान के बावजूद रहाणे को कप्तान बनाए रखा लेकिन यह बल्लेबाज अभी तक टीम को प्रेरित करने में नाकाम रहा है। उन्होंने एक बल्लेबाज के रूप में टुकड़ों में अच्छा प्रदर्शन किया है लेकिन कप्तान के रूप में उनके कुछ फैसले संदिग्ध रहे हैं। यह देखना बाकी है कि क्या केकेआर आखिरकार रचिन रविंद्र को टीम में शामिल करता है या नहीं, क्योंकि वह काफी समय से बेंच पर बैठे हैं। **मैच का समय : दोपहर 3.30 बजे**

आज शाम 7.30 बजे गिल और अय्यर होंगे आमने-सामने

वापसी को बेताब पंजाब किंग्स गुजरात की हैट्रिक पर नजर

एजेंसी ▶▶| अहमदाबाद

पिछले मैच में पंजाब किंग्स का जीत का सिलसिला टूट गया और वह लगातार तीसरी जीत हासिल करने के लिए प्रतिबद्ध गुजरात टाइटंस के खिलाफ रविवार को होने वाले आईपीएल में अपने अभियान को फिर से पटरी पर लाने की कोशिश करेगा।

राजस्थान रॉयल्स ने इस सप्ताह के शुरू में पंजाब किंग्स के अजेय अभियान पर रोक लगा दी थी। हालांकि पंजाब किंग्स की टीम 8 मैचों में 13 अंकों के साथ तालिका में शीर्ष पर बनी हुई है, लेकिन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी), सनराइजर्स हैदराबाद और राजस्थान रॉयल्स उससे सिर्फ एक अंक पीछे हैं।

पंजाब किंग्स की गेंदबाजी चिंताजनक

पंजाब किंग्स की गेंदबाजी विभाग को लेकर कुछ चिंताएं हैं। पंजाब के बल्लेबाजों की तरह उसके गेंदबाज अपने प्रदर्शन में निरंतरता नहीं बना पाए हैं। उसके बल्लेबाजों के अच्छे प्रदर्शन के कारण गेंदबाजों की कमियां खुलकर सामने नहीं आई हैं लेकिन टूर्नामेंट अब महत्वपूर्ण मोड़ पर पहुंच चुका है और ऐसे में कोई कमजोरी टीम पर भारी पड़ सकती है। गेंदबाजों की असफलता के कारण पंजाब के बल्लेबाजों पर दबाव पड़ रहा है, क्योंकि या तो उन्हें बड़े लक्ष्य हासिल करने पड़ रहे हैं या फिर पहले बल्लेबाजी करते हुए बड़ा स्कोर बनाना पड़ रहा है। ऐसे में पंजाब को अब अधिक स्पष्ट रणनीति के साथ मैदान पर उतरना होगा।

गुजरात का गेंदबाजी आक्रमण अनुशासित

पिछले मैच में गुजरात के लिए एक और उत्साहजनक संकेत उसकी गेंदबाजी रही। गेंदबाजी आक्रमण अधिक अनुशासित दिखाई दिया। लेंथ पर बेहतर नियंत्रण और महत्वपूर्ण चरणों में बेहतर प्रदर्शन करते हुए उन्होंने आरसीबी को 155 रन पर आउट कर दिया था। **मैच का समय : शाम 7:30 बजे**

बल्लेबाजी पंजाब की सबसे बड़ी ताकत

पंजाब की फील्डिंग भी अच्छी नहीं रही है और उसने कई कैच छोड़े हैं। टीम प्रबंधन को इस विभाग में भी काम करने की जरूरत है। हालांकि बल्लेबाजी अब भी पंजाब की सबसे बड़ी ताकत है। सलामी बल्लेबाज प्रियांश आर्य और प्रभसिमरन सिंह ने अच्छी शुरुआत दी है, वहीं कूपर कोनोली ने भी रन बनाए हैं। कप्तान श्रेयस अय्यर की अगुवाई वाला मध्य क्रम मजबूत स्कोर बनाने या लक्ष्य का पीछा करने में सक्षम साबित हुआ है।

उतार-चढ़ाव वाला टाइटन्स का अभियान

दूसरी ओर गुजरात टाइटन्स की टीम लगातार दो मैच जीतकर इस मैच में उतर रही है, हालांकि उसका अभियान उतार चढ़ाव वाला रहा है। चेन्नई सुपर किंग्स और फिर आरसीबी के खिलाफ लगातार जीत के बाद टाइटन्स 10 अंकों के साथ तालिका में पांचवें स्थान पर हैं। गुजरात की बल्लेबाजी उसके शीर्ष तीन बल्लेबाजों साई सुदर्शन, कप्तान शुभमन गिल और जोस बटलर के इर्द-गिर्द घूमती रही है।

आईपीएल पाइंट टेबल

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक
पंजाब	8	6	1	13
बेंगलुरु	9	6	3	12
हैदराबाद	9	6	3	12
राजस्थान	10	6	4	12
गुजरात	9	5	4	10
दिल्ली	9	4	5	8
चेन्नई	8	3	5	6
कोलकाता	8	2	5	5
मुंबई	8	2	6	4
लखनऊ	8	2	6	4

ऑरेंज कैप: लोकेश राहुल, 433 रन, दिल्ली

पर्पल कैप: भुवनेश्वर कुमार, 17 विकेट, बेंगलुरु

इंडियन इंडोर ओपन : एथलीट कुलदीप ने तोड़ा में राष्ट्रीय रिकॉर्ड

एजेंसी ▶▶| भुवनेश्वर

मध्य प्रदेश के पोल वॉल्ट एथलीट कुलदीप कुमार ने पहले 'इंडियन इंडोर ओपन कंबाइंड इवेंट्स और पोल वॉल्ट' प्रतियोगिता के पहले दिन 5.41 मीटर की ऊंचाई पार करके राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ दिया। 21 साल के कुमार अपने पहले इंडोर टूर्नामेंट में हिस्सा ले रहे थे। उन्होंने ने अपने पहले ही प्रयास में जीतने वाली छलांग लगाई। उन्होंने पिछले साल मध्य प्रदेश के ही एक और एथलीट देव कुमार मीना के बनाए 5.40 मीटर के राष्ट्रीय रिकॉर्ड को बेहतर बनाया।

देव कुमार मीना खुद कलिंगा स्टेडियम की इंडोर सुविधा में 5.20 मीटर के प्रयास के साथ तीसरे स्थान पर रहे। कुमार ने मार्च में इसी जगह पर पहली राष्ट्रीय इंडोर चैंपियनशिप के दौरान तमिलनाडु के रीगनजी के बनाए 5.30 मीटर के राष्ट्रीय इंडोर रिकॉर्ड को भी बेहतर बनाया। रीगन शनिवार को 5.25 मीटर के साथ रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

न्यूजीलैंड ने बांग्लादेश को हराया, सीरीज में की बराबरी

एजेंसी ▶▶| मीरपुर

बेवन जैकब्स के पहले अर्धशतक की बदौलत न्यूजीलैंड ने खराब शुरुआत से उबरते हुए शनिवार को बारिश से प्रभावित तीसरे टी20 मैच में बांग्लादेश को 6 विकेट से हराकर तीन मैच की सीरीज 1-1 से बराबर कर ली। जैकब्स की 31 गेंदों पर खेली गई 62 रन की नाबाद पारी में पांच चौके और तीन छक्के शामिल थे। उनकी पारी ने टीम को 11.4 ओवर में चार विकेट 104 रन के स्कोर तक पहुंचाकर जीत दिलाने में मदद की। बांग्लादेश की टीम इससे पहले 14.2 ओवर में 102 रन के ऑल आउट हो गई थी। बांग्लादेश ने पहला मैच छह विकेट से जीता था। दूसरा मैच बारिश की वजह से रद्द हो गया था।

वैभव को आउट कर जश्न पड़ा भारी जेमीसन को चेतावनी और दंड

एजेंसी ▶▶| जयपुर

दिल्ली कैपिटल्स के तेज गेंदबाज काइल जैमीसन को आईपीएल मैच के दौरान राजस्थान रॉयल्स के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को आउट करने के बाद उनके प्रति आक्रामक अंदाज अपनाने के लिए एक डिमैरिट अंक का दंड दिया गया है। आईपीएल ने बयान में कहा, 'काइल जैमीसन ने जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मैच के दौरान खिलाड़ियों और टीम अधिकारियों के लिए आईपीएल की आचार संहिता के लेवल एक का उल्लंघन किया, जिसके लिए उन्हें एक डिमैरिट अंक दिया गया और उन्हें चेतावनी भी दी गई।'

तेज गेंदबाज ने किया आचार संहिता का उल्लंघन

न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज को आईपीएल की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.5 का उल्लंघन करते हुए पाया गया, जो 'ऐसी भाषा, कार्यों या इशारों का उपयोग करने से संबंधित है, जो किसी अन्य खिलाड़ी का अपमान करते हैं या उससे आक्रामक प्रतिक्रिया को उकसा सकते हैं।' यह घटना राजस्थान रॉयल्स की पारी के दूसरे ओवर में घटी, जब 15 वर्षीय सूर्यवंशी को आउट करने के बाद जैमीसन आक्रामक अंदाज में उनके पास गए। सूर्यवंशी ने हालांकि किसी तरह की प्रतिक्रिया नहीं की लेकिन वह ऐसा कर सकते थे।

खबर संक्षेप

फिनिशर की भूमिका का ले रहा हूं आनंद : आशुतोष

जयपुर। दिल्ली कैपिटल्स के बल्लेबाज आशुतोष शर्मा ने कहा कि वह मौजूदा आईपीएल में फिनिशर की भूमिका निभाने का आनंद ले रहे हैं और टीम की जीत में योगदान देकर उन्हें बहुत खुशी होती है। आशुतोष ने कहा, 'मुझे अपनी टीम के लिए फिनिशर की भूमिका निभाकर अच्छा लगता है। टीम ने इन परिस्थितियों में मुझ पर भरोसा किया है और मुझे ऐसे मौकों पर खेलना पसंद है। मुझे हमेशा लगता है कि जब तक मैं क्रीज पर हूं, टीम को जीत दिला सकता हूं।'

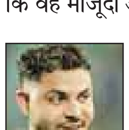

परिस्थितियों को देखकर चुनेंगे सर्वश्रेष्ठ टीम : साउथी

हैदराबाद। कोलकाता नाइट राइडर्स के गेंदबाजी कोच टिम साउथी ने रविवार को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ होने वाले मैच में श्रीलंका के तेज गेंदबाज मथीशा पथिराना को अंतिम एकादश में शामिल करने को लेकर संशय बरकरार रखते हुए कहा कि टीम प्रबंधन परिस्थितियों को देखकर सर्वश्रेष्ठ टीम का चयन करेगा। पथिराना टी20 विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 16 फरवरी को खेले गए मैच के दौरान चोटिल हो गए थे, जिसके कारण वह आईपीएल की शुरुआती मैचों के लिए उपलब्ध नहीं थे लेकिन अब वह फिट हो गए हैं। साउथी ने कहा, ' वह कुछ समय से टीम के साथ है। हम परिस्थितियों को देख कर अपनी सर्वश्रेष्ठ टीम का चयन करेंगे।

टर्किश ओपन : शर्मा ने बनाई कट में जगह, शीर्ष 10 में संधू

एजेंसी ▶▶| बेलेक

भारत के युवराज संधू ने एक अंडर 71 का कार्ड खेला और डीपी वर्ल्ड टूर के टर्किश एयरलाइंस गोल्फ ओपन के दूसरे दौर के बाद शीर्ष-10 में जगह बनाई।

शुभंकर शर्मा कट में जगह बनाने में सफल रहे , हालांकि उनका प्रदर्शन बेहद खराब रहा क्योंकि उन्होंने 13वें और 17वें होल के बीच पांच होल में पांच शॉट गंवा दिए, जिसमें तीन बोगी और एक डबल बोगी शामिल थी। उन्होंने तीन ओवर 75 का स्कोर बनाया और अब एक ओवर के साथ संयुक्त रूप से 57वें स्थान पर हैं। इससे पहले उन्होंने चार बर्डी और दो बोगी लगाई थीं। संधू ने चौथे, आठवें, 11वें और 14वें होल पर बर्डी लगाई, जबकि सातवें, 13वें और 17वें होल पर शॉट गंवा दिए।

सात साल के इशांक ने बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड 10 घंटे में एक देश से तैरकर पहुंचे दूसरे देश

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

रांची के 7 वर्षीय इशांक सिंह ने श्रीलंका और भारत के बीच पाक स्ट्रेट में 29 किलोमीटर तैराकी का नया वर्ल्ड रिकॉर्ड बना डाला है। 7 साल के इशांक सिंह ने श्रीलंका के तलैमन्नार से तैरना शुरू किया और भारत के धनुषकोडी पहुंचे। गजब की बात यह रही कि उन्होंने यह दूरी 9 घंटे 50 मिनट में तय कर ली। रिपोर्ट्स के अनुसार 7 वर्षीय इशांक सिंह दुनिया के सबसे युवा तैराक बन गए हैं, जिन्होंने पाक स्ट्रेट मार्ग को पार किया है। यह अपने आप में एक वर्ल्ड रिकॉर्ड बन गया है। इस मार्ग को पार करना बहुत मुश्किल माना जाता है क्योंकि यहां समुद्र की ऊंची-ऊंची लहरें और पानी के तेज बहाव होता है। इसके बावजूद इशांक ने 9 घंटे 50 मिनट में यह दूरी पार की।

सर्वश्रेष्ठ तैराक का मिला अवॉर्ड

इस उपलब्धि के लिए इशांक सिंह को यूनिवर्सल रिकॉर्ड फोरम की ओर से 'सबसे कम उम्र का और सबसे तेज पाक जलडमरूमध्य तैराक का अवॉर्ड मिला है। कोच अमन कुमार जायसवाल और बजरंग कुमार ने इस कठिन चुनौती के लिए इशांक को तैयार किया था। बताया जा रहा है कि 29 किलोमीटर तक तैराकी के लिए, जो स्टैमिना चाहिए था, उसे हासिल करने के लिए इशांक हर रोज 4-5 घंटे अभ्यास किया करते थे। इशांक सिंह रांची स्थित डीएवी श्यामली स्कूल में तीसरी कक्षा में पढ़ते हैं। इस अनोखी उपलब्धि के लिए स्कूल ने उन्हें सम्मानित किया।

मैड्रिड ओपन

सिनर ने की 350वीं जीत हासिल, फाइनल में एंट्री

- यानिक ने आर्थर फिल्स को 6-2, 6-4 से हराया
- फाइनल में एलेक्जेंडर ज़्वेरेव से होगी भिड़ंत

एजेंसी ▶▶| मैड्रिड

विश्व के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए अपने कॅरियर की 350वीं जीत हासिल की और पहली बार मैड्रिड ओपन टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई।

सिनर ने आर्थर फिल्स को 6-2, 6-4 से हराकर अपनी जीत का सिलसिला 22 मैच तक बढ़ा दिया। सिनर लगातार पांचवें मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट में दुनिया में तीसरे नंबर के खिलाड़ी एलेक्जेंडर ज़्वेरेव का सामना करेंगे। जर्मन खिलाड़ी ने सेमीफाइनल में बेल्जियम के एलेक्जेंडर ब्लॉकक्स को 6-2, 7-5 से हराया। सिनर लगातार पांच मास्टर्स 1000 खिताब जीतने वाले पहले पुरुष खिलाड़ी बनने की कोशिश करेंगे। उन्होंने इससे पहले पेरिस, इंडियन वेल्स, मियामी और मोंटे कार्लो में खिताब जीते थे। सिनर 2000 के दशक में जन्में पहले ऐसे खिलाड़ी बन गए हैं, जिन्होंने अपने करियर में 350 मैच जीते हैं।

थॉमस कप : दाहिनी कोहनी में सूजन के कारण मैच से हटे सेन

भारत को करारा झटका, सेमीफाइनल नहीं खेलेंगे लक्ष्य

एजेंसी ▶▶| होर्सेंस

भारत को फ्रांस के खिलाफ होने वाले थॉमस कप बैडमिंटन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल मुकाबले से पहले करारा झटका लगा है क्योंकि उसके स्टार खिलाड़ी लक्ष्य सेन दाहिनी कोहनी में सूजन के कारण इसमें नहीं खेल पाएंगे और उनकी अनुपस्थिति में विश्व के 30वें नंबर के खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत कोर्ट पर उतरेंगे।

लक्ष्य ने क्वार्टर फाइनल में दो मैच प्वाइंट बचाकर विश्व के छठे नंबर के खिलाड़ी चोउ टिएन चेन पर एक घंटे 28 मिनट तक चले मैराथन मुकाबले में 18-21 22-20 21-17 से जीत दर्ज की, जिससे भारत ने चीनी ताइपे पर 3-0 से जीत हासिल की। इस मैच के दौरान हालांकि लक्ष्य की कोहनी में चोट लग गई थी और वह अभी तक इससे पूरी तरह से नहीं उबर पाए हैं।

विश्व के 30वें नंबर के खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत उतरेंगे कोर्ट पर

लक्ष्य के पैरों में पड़े छाले

लक्ष्य के मेंटोर विमल कुमार ने कहा, ' उनके पैरों में छाले भी पड़ गए हैं।' लक्ष्य की अनुपस्थिति में युवा आयुष शेट्टी विश्व के चौथे नंबर के खिलाड़ी क्रिस्टो पोपोव के खिलाफ शुरुआती एकल मैच खेलेंगे। पोपोव ने 2024 में हाइलो ओपन में भारतीय खिलाड़ी को हराया था। श्रीकांत दूसरे एकल मुकाबले में विश्व के 10वें नंबर के खिलाड़ी एलेक्स लैनियर का सामना करेंगे।

प्रणय का सामना जूनियर पोपोव से

तीसरे एकल खिलाड़ी के रूप में एचएस प्रणय का सामना विश्व के 17वें नंबर के खिलाड़ी टोमा जूनियर पोपोव से होगा, जिनका भारतीय खिलाड़ी के खिलाफ 1-0 का रिकॉर्ड है। यदि मुकाबला एकल से आगे बढ़ता है तो हरिहरन आमसकारुनन और एमआर अर्जुन पहले युगल मुकाबले में एलोई एडम और लियो रॉसी का सामना करेंगे। अंतिम मैच में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी का मुकाबला पोपोव बंधुओं से होगा।

लक्ष्य फाइनल के लिए उपलब्ध रहेंगे

भारतीय बैडमिंटन संघ (बाइ) के सचिव संजय मिश्रा ने कहा, हमारे पास अच्छी टीम है, हर कोई आत्मविश्वास से भरा है और अगर हम यह मैच जीत जाते हैं, तो उम्मीद है कि लक्ष्य फाइनल के लिए उपलब्ध रहेगा।' टूर्नामेंट के नियमों के अनुसार मुकाबले आम तौर पर खिलाड़ियों की रैंकिंग के आधार पर होते हैं। प्रत्येक टीम के सर्वोच्च रैंकिंग वाले एकल और युगल खिलाड़ी आमने सामने होते हैं। यदि खिलाड़ियों को एकल और युगल दोनों में प्रतिस्पर्धा करनी है, तो उन्हें युगल में जोड़ी बनाने से पहले अपने एकल मैच पूरे करने होंगे। फ्रांस के मामले में इसका मतलब है कि पहले तीनों एकल मैच खेले जाएंगे और उसके बाद युगल मैच होंगे।

▶ बरगी क्रूज हादसे ने उजागर की सुरक्षा की सच्चाई, दो शव मिले दो अब भी लापता

▶ मासूमों की मौत से सन्न जबलपुर, तेज हवाओं में जूझता रेस्क्यू, पायलट की माफी और प्रशासन पर गंभीर सवाल

तूफान, त्रासदी और तंत्र की नाकामी

मासूमों की मौत से सन्न जबलपुर, तेज हवाओं में जूझता रेस्क्यू, पायलट की माफी और प्रशासन पर गंभीर सवाल

हरिभूमि, जबलपुर।

बरगी डैम की शांत जलराशि पर गुरुवार की शाम अचानक ऐसा कहर टूटा, जिसने न सिर्फ कई जिंदगियां लील लीं, बल्कि पूरे प्रशासनिक ढांचे की तैयारियों और जिम्मेदारियों पर भी गहरे सवाल खड़े कर दिए। तेज आंधी और तूफानी हवाओं के बीच डबल डेकर क्रूज के डूबने की घटना ने जबलपुर ही नहीं, पूरे प्रदेश को झकझोर दिया है।

हादसे के तीसरे दिन भी राहत और बचाव कार्य जारी है, लेकिन मौसम की बेरुखी और लहरों की उग्रता रेस्क्यू टीमों के सामने बड़ी चुनौती बनी हुई है। शनिवार सुबह 7 बजे से सेना, एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की संयुक्त टीमों ने एक बार फिर सर्च ऑपरेशन शुरू किया। मोटरबोट्स, गोताखोरों और अत्याधुनिक उपकरणों की मदद से लापता लोगों की तलाश की जा रही है, लेकिन तेज हवाओं के कारण जलस्तर में उठ रही ऊंची लहरें हर प्रयास को कठिन बना रही हैं।

मासूमों की मौत ने तोड़ा दिल, दो अब भी लापता

रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान देर शाम दो मासूम बच्चों के शव बरामद किए गए कोतवाली निवासी 4 वर्षीय विराज सोनी और खमरिया वेस्टलैंड निवासी 5 वर्षीय श्रीतमिल। इन नन्हीं जिंदगियों की असमय मौत ने पूरे शहर को शोक में डुबो दिया है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है, वहीं अस्पताल परिसर में पसरा सन्नाटा इस त्रासदी की गहराई को बयां कर रहा है। वहीं अब भी ओएफके कर्मी 45 वर्षीय कामराज और 9 वर्षीय मयूरन लापता हैं। हर गुजरते घंटे के साथ उम्मीदें क्षीण होती जा रही हैं, लेकिन रेस्क्यू टीमें पूरी ताकत के साथ खोज में जुटी हैं। मौके पर आईएएस अधिकारी डॉ. इलैया राजा टी, कलेक्टर राघवेंद्र सिंह, पुलिस कप्तान संपत उपाध्याय सहित वरिष्ठ अधिकारी डटे हुए हैं और अभियान की पल-पल की निगरानी कर रहे हैं।

तूफानी हवाएं बनीं सबसे बड़ी बा

रेस्क्यू टीमों के सामने सबसे बड़ी चुनौती मौसम बना हुआ है। बरगी डैम में लगातार तेज हवाएं चल रही हैं, जिससे नावों का संचालन जोखिमभरा हो गया है। कई बार गोताखोरों को बीच अभियान से लौटना पड़ रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार, तेज हवाओं के कारण पानी की सतह पर बनने वाली ऊंची लहरें न केवल दृश्यता कम करती हैं, बल्कि पानी के भीतर खोज कार्य को भी अत्यंत कठिन बना देती हैं। इसके बावजूद जवान अपनी जान जोखिम में डालकर लगातार प्रयासरत हैं।

शव भेजने में अव्यवस्था, विरोध के बाद जागा प्रशासन

हादसे के बाद मृतकों के शवों को उनके गृह राज्यों विशेषकर तमिलनाडु और दिल्ली भेजने को लेकर प्रशासन की कार्यप्रणाली सवालों के घेरे में आ गई। शुरुआत में परिजनों को सीमित यात्रा अनुमति और खर्च खुद उठाने की बात कही गई, जिससे पीड़ित परिवारों में नाराजगी फैल गई। ओएफके कर्मचारी कामराज के साथी अर्नब दास गुप्ता ने बताया कि शव खराब होने लगे थे और परिवार आर्थिक रूप से कमजोर था। इस स्थिति में कर्मचारियों ने विरोध की चेतावनी दी, जिसके बाद प्रशासन हरकत में आया। एसडीएम रांझी ने हस्तक्षेप करते हुए परिजनों को आश्वस्त किया कि उन्हें भी विमान से भेजा जाएगा। शनिवार दोपहर शवों को चार्टर विमान से कोयंबटूर के रास्ते त्रिची भेजा गया, जबकि दिल्ली के पीड़ित परिवार के शव सुबह ही कार्गो विमान से रवाना कर दिए गए। हालांकि समन्वय की कमी के चलते डुमना एयरपोर्ट पर शवों और विमान के समय में बड़ा अंतर देखने को मिला, जिससे व्यवस्थागत खामियां उजागर हुईं।

राजनीतिक घमासानः तनखा ने तंत्र पर उठाए तीखे सवाल

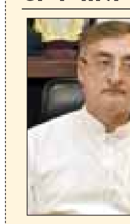

हादसे के बाद राजनीतिक प्रतिक्रिया भी तेज हो गई है। राज्यसभा सांसद विवेक तन्खा ने इसे प्राकृतिक नहीं, बल्कि प्रशासनिक लापरवाही का परिणाम बताया। उन्होंने उच्चस्तरीय जांच की मांग करते हुए मृतकों के परिजनों को न्यूनतम 10 लाख रुपये मुआवजा देने की बात कही। तन्खा ने सवाल उठाया कि जब बरगी जैसे प्रमुख पर्यटन स्थल पर रोजाना सैकड़ों पर्यटक आते हैं, तो वहां सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम क्यों नहीं थे। उन्होंने कहा कि हर बार हादसे के बाद ही कार्रवाई क्यों होती है, पहले से व्यवस्था क्यों नहीं की जाती? उन्होंने यह भी कहा कि आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने के लिए प्रशासन पूरी तरह तैयार नहीं था और राहत कार्य में स्थानीय लोगों की भूमिका अधिक नजर आई।

एक हादसा, कई सबक

30 अप्रैल की शाम आया यह हादसा केवल एक दुर्घटना नहीं, बल्कि चेतावनी है उन सभी व्यवस्थाओं के लिए जो कागजों में तो मजबूत दिखती हैं, लेकिन जमीन पर कमजोर साबित होती हैं। अब तक 11 लोगों की मौत हो चुकी है, 28 लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया है, जबकि दो लोगों की तलाश अभी भी जारी है। हर बीतते पल के साथ यह त्रासदी और गहरी होती जा रही है। बरगी डैम की लहरें भले ही कुछ दिनों में शांत हो जाएं, लेकिन इस हादसे की गूंज लंबे समय तक सुनाई देती रहेगी—एक सवाल बनकर, एक सबक बनकर, और एक ऐसी याद बनकर जिसे भुला पाना आसान नहीं होगा।

पायलट की माफी, लेकिन कई सवाल अनुत्तरित

हादसे के बाद सेवा से बर्खास्त किए गए क्रूज पायलट महेश पटैल ने पहली बार सामने आकर हाथ जोड़कर पीड़ित परिवारों से माफी मांगी। उन्होंने बताया कि यात्रा शुरू होने के समय मौसम सामान्य था, लेकिन बीच में पहुंचते ही अचानक तेज आंधी ने हालात बदल दिए। पटैल के अनुसार उन्होंने तत्काल रिसेप्शन को सूचना देकर दूसरी नाव भेजने का अनुरोध किया था, लेकिन तब तक हालात नियंत्रण से बाहर हो चुके थे। उन्होंने यह भी दावा किया कि उन्हें मौसम को लेकर कोई आधिकारिक चेतावनी या क्रूज संचालन रोकने का निर्देश नहीं मिला था। पायलट का कहना है कि कुछ यात्रियों ने शुरुआत में लाइफ जैकेट पहनने से इनकार किया और माहौल उत्सव जैसा था। लेकिन जैसे ही तूफान आया, अफरा-तफरी मच गई और कुछ ही मिनटों में नाव में पानी भरने लगा।

सुरक्षा मानकों की अनदेखी, लापरवाही की परतें खुलीं

इस हादसे ने पर्यटन विभाग और संबंधित एजेंसियों की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। मौसम विभाग द्वारा पहले ही येलो अलर्ट जारी किया गया था, इसके बावजूद क्रूज को रवाना किया गया। सीसीटीवी फुटेज में 40 से अधिक पर्यटकों के सवार होने की पुष्टि हुई है, जबकि क्रूज पर केवल दो स्टाफ मौजूद थे। नियमों के अनुसार इतनी संख्या में यात्रियों के लिए पर्याप्त लाइफ सेवर और प्रशिक्षित कर्मियों की आवश्यकता होती है, लेकिन यहां इसका पालन नहीं किया गया। सबसे बड़ी चूक यह रही कि अधिकांश यात्रियों ने लाइफ जैकेट नहीं पहनी थी। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में भी यह साफ नजर आता है। जिन लोगों ने लाइफ जैकेट पहनी थी, वे अपनी जान बचाने में सफल रहे यह तथ्य सुरक्षा मानकों की अहमियत को स्पष्ट करता है।

निगम बोले पुराना क्रूज, आधुनिक लापरवाही

जल क्रीड़ा सलाहकार राजेंद्र निगम ने क्रूज को तकनीकी रूप से सुरक्षित बताते हुए कहा कि यह भले ही 20 साल पुराना था, लेकिन इसकी आयु 50 वर्ष तक होती है और इसमें पर्याप्त लाइफ जैकेट मौजूद थीं। हालांकि सवाल यह उठता है कि यदि सभी सुरक्षा उपकरण उपलब्ध थे, तो उनका उपयोग सुनिश्चित क्यों नहीं किया गया? क्या केवल उपकरण होना ही पर्याप्त है, या उनका सही समय पर उपयोग भी उतना ही जरूरी है?

हाईकोर्ट ने दुष्कर्म मामले की समानांतर जांच पर पुलिस अधिकारियों को फटकारा

डीजीपी को भी पता चले कि नर्मदापुरम में पुलिस दुष्कर्म जैसे गंभीर अपराधों से कैसे निपट रही

कानून की अज्ञानता पर जताया आश्चर्य

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने दो पुलिस अधिकारियों को फटकार लगाई, जिनमें नर्मदापुरम जिले के एसपी भी शामिल हैं। इन अधिकारियों ने दुष्कर्म मामले की समानांतर जांच की थी। जस्टिस जीएस अहलूवालिया की सिंगल बेंच ने कहा कि यह चौंकाने वाली बात है कि एसपीए और डीएसपी रैंक के पुलिस अधिकारियों को कानून की बुनियादी जानकारी भी नहीं है। यह समानांतर जांच इटारसी शहर के सब-डिवीजनल पुलिस अधिकारी एसडीपीओ, जो डीएसपी रैंक के बराबर होते हैं, उन्होंने एसपी के कहने पर की थी। यह जांच आरोपित के पिता द्वारा दिए गए एक आवेदन के बाद शुरू की गई थी, जिसमें कहा गया था कि दुष्कर्म की शिकायत झूठी है। कोर्ट ने निर्देश दिया कि इस आदेश की एक प्रति राज्य के डीजीपी को भेजी जानी चाहिए, ताकि उन्हें इस बात से अवगत कराया जा सके कि नर्मदापुरम में पुलिस द्वारा दुष्कर्म जैसे गंभीर अपराधों से किस तरह निपटा जा रहा है।

कोर्ट ने आरोपी की जमानत अर्जी पर सुनवाई करते हुए पाया कि दोनों में से किसी भी पुलिस अधिकारी को यह पता नहीं था कि किसी जांच के चलते हुए समानांतर जांच करना कानून के तहत मान्य नहीं है। आरोपी ने यह कहते हुए जमानत मांगी थी कि उसे झूठा फंसाया गया है, और अपने दावे के समर्थन में उसने समानांतर जांच की रिपोर्ट का हवाला दिया था। एसडीपीओ की रिपोर्ट का ज़िक्र करते हुए जज ने यह भी सवाल उठाया कि अधिकारी इस नतीजे पर कैसे पहुंच गया कि शिकायतकर्ता द्वारा लगाए गए आरोप झूठे हैं, जबकि उसने शिकायतकर्ता का बयान भी दर्ज नहीं किया था। यह साफ था कि एसडीपीओ को यह समानांतर जांच इटारसी शहर के डीएसपी ने एसपी के कहने पर की थी, जो आरोपी के पिता द्वारा दिए गए एक आवेदन के बाद शुरू की गई थी। कानून के उस बुनियादी सिद्धांत की जानकारी नहीं थी कि किसी भी मामले में किसी व्यक्ति को अपना पक्ष रखने का मौका जरूर दिया जाना चाहिए। कोर्ट ने कहा कि यह चौंकाने वाली बात है कि एसडीपीओ के कार्यालय का इस्तेमाल आवेदक के पक्ष में एक बेबुनियाद रिपोर्ट जमा करने के लिए किया गया, और वह भी तब जब यह प्रक्रिया कानून के तहत स्वीकार्य नहीं थी। कोर्ट ने ट्रायल कोर्ट को निर्देश दिया कि वह किसी भी स्तर पर, किसी भी मकसद के लिए इस समानांतर जांच रिपोर्ट का इस्तेमाल न करे। जज की इन कड़ी टिप्पणियों के बाद, दुष्कर्म के आरोपी के वकील ने कोर्ट से अनुरोध किया कि उसे अपनी अर्जी वापस लेने की अनुमति दी जाए। कोर्ट ने निवेदन स्वीकार कर अर्जी निरस्त कर दी। साथ ही कोर्ट ने निर्देश दिया कि इस आदेश की एक प्रति राज्य के डीजीपी को भेजी जानी चाहिए, ताकि उन्हें इस बात से अवगत कराया जा सके कि नर्मदापुरम में पुलिस द्वारा दुष्कर्म जैसे गंभीर अपराधों से किस तरह निपटा जा रहा है।

प्रशांत केसरवानी उपाध्यक्ष नियुक्त, विनोद गोटिंया को तीर्थ स्थान व मेला प्राधिकरण की कमान

7 साल बाद जेडीए को अध्यक्ष के रूप में मिले संदीप जैन

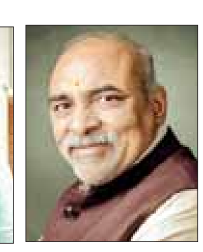

जबलपुर। लंबे इंतजार के बाद जबलपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) को आखिरकार नया अध्यक्ष मिल गया है। करीब सात वर्षों से खाली पड़े इस महत्वपूर्ण पद पर भाजपा के वरिष्ठ और सक्रिय नेता संदीप जैन की नियुक्ति की गई है। वहीं, प्रशांत केसरवानी को जेडीए का उपाध्यक्ष बनाया गया है। नगरीय प्रशासन विभाग द्वारा देर रात जारी आदेश के बाद शहर की राजनीति और प्रशासनिक हलकों में इस नियुक्ति को लेकर चर्चा तेज हो गई है।

जेडीए में अध्यक्ष का पद पिछले सात वर्षों से रिक्त था। इस दौरान प्राधिकरण का संचालन पूरी तरह नौकरशाही के भरोसे चल रहा था। इसका असर शहर के विकास कार्यों पर साफ तौर पर देखा जा रहा था, जहां कई महत्वपूर्ण परियोजनाएं धीमी गति से चल रही थीं या लंबित पड़ी थीं। इससे पहले शिवराज सिंह चौहान के कार्यकाल में डॉ. विनोद मिश्रा जेडीए के अध्यक्ष थे। अब संदीप जैन की नियुक्ति के साथ ही प्राधिकरण में एक बार फिर राजनीतिक नेतृत्व की वापसी हुई है, जिससे विकास कार्यों में तेजी आने की उम्मीद जताई जा रही है।

लंबे समय से अध्यक्ष विहीन चल रहे जेडीए के अध्यक्षीय चेंबर में अब फिर से गतिविधियां बढ़ेंगी। पिछले कुछ दिनों से संदीप जैन की नियुक्ति को लेकर अटकलें लगाई जा रही थीं, जिन पर अब आधिकारिक मुहर लग गई है।

संगठन का अनुभव

नवनियुक्त जेडीए अध्यक्ष संदीप जैन का जिला मीडिया प्रभारी के रूप में कार्यकाल खासा चर्चित रहा। उसके बाद भी नगर महामंत्री भी रहे। उन्होंने सामाजिक क्षेत्र में भी सक्रिय भूमिका निभाई और "समरसता सेवा संगठन" के माध्यम से समाज सेवा के कई कार्य किए। उनके नेतृत्व में जल सेवा, प्रकृति संरक्षण, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने के लिए कई आयोजन किए गए। संदीप जैन को लोकनिर्माण मंत्री राकेश सिंह का करीबी और विश्वासपात्र माना जाता है।

प्रशांत केसरवानी को उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी

जेडीए के उपाध्यक्ष बनाए गए प्रशांत केसरवानी भी भाजपा संगठन के अनुभवी कार्यकर्ता हैं। वे पिछले कार्यकाल में नगर भाजपा के कोषाध्यक्ष रह चुके हैं और लंबे समय से संगठन से जुड़े हुए हैं। उनके अनुभव को देखते हुए उन्हें यह अहम जिम्मेदारी सौंपी गई है।

विनोद गोंटियां को मिला मेला प्राधिकरण पद

संदीप जैन के साथ ही नगर भाजपा के वरिष्ठ नेता विनोद गोंटिया को तीर्थ स्थान एवं मेला प्राधिकरण की जिम्मेदारी दी गई है। श्री गोटिंया दो बार प्रदेश कार्यकारिणी के पदाधिकारी रह चुके है। वहीं पिछले शिवराज सिंह कार्यकाल में मप्र पर्यटन विकास निगम के अध्यक्ष रह चुके है। एक साथ तीन अहम नियुक्तियों से पार्टी कार्यकर्ताओं में खुशी का माहौल है और इसे संगठन में लंबे समय से सक्रिय नेताओं को मिला सम्मान माना जा रहा है।

फ्लेक्स और जर्जर वृक्ष दे रहे दुर्घटनाओं को आमंत्रण, विद्युत व्यवस्था ध्वस्त

तीन दिन से अंधड़ पानी बदल रहा मौसम का मिजाज

जबलपुर। पिछले तीन दिनों से शहर में अंधड़ पानी का मौसम बना हुआ है. दोपहर बाद अचानक मौसम बदल जाता है. पश्चिमि विक्षोप की वजह से बने लो प्रेशर के कारण खंड खंड वर्षा हो रही है. शहर के बिगड़े मिजाज ने शहर की विद्युत व्यवस्था को छिन्न भिन्न कर दिया है. वहीं जगह जगह लगे फ्लेक्स तेज हवाओं में दुर्घटनाओं को निमंत्रण दे रहे हैं. कमजोर हो चुके पेड़ भी गिरने की कगार पर आ चुके हैं. लेकिन इस दिशा में प्रशासनिक स्तर पर कोई पहल नहीं की जा रही है. उधर मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि हरियाणा के ऊपर एक चक्रवात है और दूसरा चक्रवात, दक्षिणी छत्तीसगढ़ के ऊपर बना हुआ है। जिससे तापमान स्थिर रहेगा और झोंकेदार हवाएं चल सकती है। जिले में कहीं कहीं वर्षा या गरज चमक के साथ बौछारें भी पड़ सकती हैं। इसके साथ ही पारा औसत से दो डिग्री नीचे उतरकर 38 डिग्री पर स्थिर हो गया। मौसम विभाग का कहना है कि अभी दो दिनों तक मौसम इसी प्रकार रहेगा। आसमान पर बादल छाए रहेंगे, तेज हवाएं चलेंगी और तापमान में आंशिक गिरावट देखी जाएगी।

स्थानीय मौसम विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिक देवेन्द्र तिवारी ने ईएमएस को बताया कि दो छोटे छोटे सिस्टम हैं। मौसम में बदलाव पश्चिमी विक्षोभ का असर है।

स्थानीय मौसम विज्ञान केन्द्र के प्रवक्ता ने बताया कि पिछले 24 घंटे के दौरान नगर का अधिकतम तापमान 38.08 डिग्री सेल्सियस सामान्य से 2 डिग्री कम और न्यूनतम तापमान 22.8 डिग्री सेल्सियस सामान्य से 4 डिग्री कम रिकार्ड किया गया। हवा में नमी प्रातः काल 51 प्रतिशत और सायंकाल 50 प्रतिशत आंकी गई। अगले 24 घंटों के दौरान जिले के अनेक स्थानों पर तेज हवाओं के बीच गरज चमक की संभावना है। गत वर्ष आज के दिन अधिकतम तामपान 38.01 और न्यूनतम तापमान 21.04 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। दक्षिण पश्चिमी हवाएं 16 किलोमीटर की रफ्तार से चलीं। प्रदेश में सबसे अधिक 43.02 डिग्री तापमान रायसेन में दर्ज किया गया।

ओवरनाइट एक्सप्रेस ट्रेन में युवती से दुराचार

जबलपुर। इंदौर से चलकर जबलपुर आने वाली ओवरनाइट एक्सप्रेस के एक स्लीपर कोच में शुक्रवार की रात एक युवती के साथ दुष्कर्म का मामला प्रकाश में आते ही पूरे रेल महकमे में हड़कम्प मचा गया। यह घटनाक्रम पिपरिया और करेली स्टेशन के बीच का बताया जा रहा है। घटना के संबंध में बताया जाता है कि गत शुक्रवार को इंदौर से चली गाड़ी संख्या 22192 इंदौर-जबलपुर एक्सप्रेस के करेली स्टेशन पहुंचने से पूर्व ही इंदौर में कोचिंग कर रही जबलपुर निवासी एक युवती के कोच एस 7 में इसी ट्रेन में सफर कर रहे एक दरिंदे ने दुराचार किया। ट्रेन के करेली पहुंचते ही युवती दहशत में स्टेशन पर उतर गई और उसने अपने भाई को घटना की पूरी जानकारी दी जिसके बाद युवती का भाई जबलपुर रेल पुलिस थाने पहुंचा और अधिकारियों को मामले से अवगत कराया। बताया जाता है कि ट्रेन के सुबह जबलपुर स्टेशन पहुंचने पर जीआरपी के अधिकारी भी बताये कोच पर पहुंचे और जांच करते रहे। उसके पश्चात जब ट्रेन का रैक कोचिंग यार्ड में मेंटेनेंस के लिए पहुंचा तब एफएसएल की टीम भी मौके पर पहुंचकर सबूत जुटाती रही। वहीं दूसरी ओर पीडित युवती को करेली से सडक मार्ग से लाकर मामले में विस्तार से जानकारी लेकर आवश्यक कार्यवाही की जा रही है। इस घटना ने रेलगाडियों में मुसाफिरों की सुरक्षा को लेकर सवालिया निशान लग रहे हैं।

सड़क पर पोहे के दोने फेंकने वाले पर 10 हजार रुपए का जुर्माना

जबलपुर। शनिवार को नगर निगम की टीम ने अनुशासनहीनता और गंदगी फैलाने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही करते हुए एक स्पष्ट संदेश दिया है कि स्वच्छता से समझौता कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस संबंध में अपर आयुक्त देवेन्द्र सिंह चौहान ने बताया कि संभाग क्रमांक 13 के अंतर्गत आने वाले व्यस्ततम मालवीय चौक क्षेत्र में निरीक्षण के दौरान अर्जुन पोहा संचालक की बड़ी लापरवाही सामने आई। दुकान बंद करने के बाद संचालक द्वारा उपयोग किए गए दोना-पत्तल सड़क पर ही फेंक दिए गए थे। शहर की सुंदरता और स्वच्छता को प्रभावित करने वाले इस कृत्य पर निगम प्रशासन ने तत्काल संज्ञान लिया और नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर स्वास्थ्य विभाग की टीम ने त्वरित कार्यवाही करते हुए संबंधित प्रतिष्ठान पर 10 हजार रुपये का स्पॉट फाइन किया। इस कार्यवाही में सहायक स्वास्थ्य अधिकारी अर्जुन यादव, मुख्य स्वच्छता निरीक्षक अगस्ते वर्मा, स्वच्छता निरीक्षक अभिषेक बिस्वरी, वार्ड सुपरवाईजर अनिल मोहित आदि उपस्थित रहे।

हरिभूमि कम्युनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)– 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)– 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक–डॉ. हिमांशु द्विवेदी RNI No.: MPHIN/2008/24240